सीक्रेट एजेन्ट जेम्स बाण्ड 007
चांद पर हंगामा
An akfunworld preservation
007
IM3
Pulp fiction @ akfunworld
www.akfunworld.wordpress.com
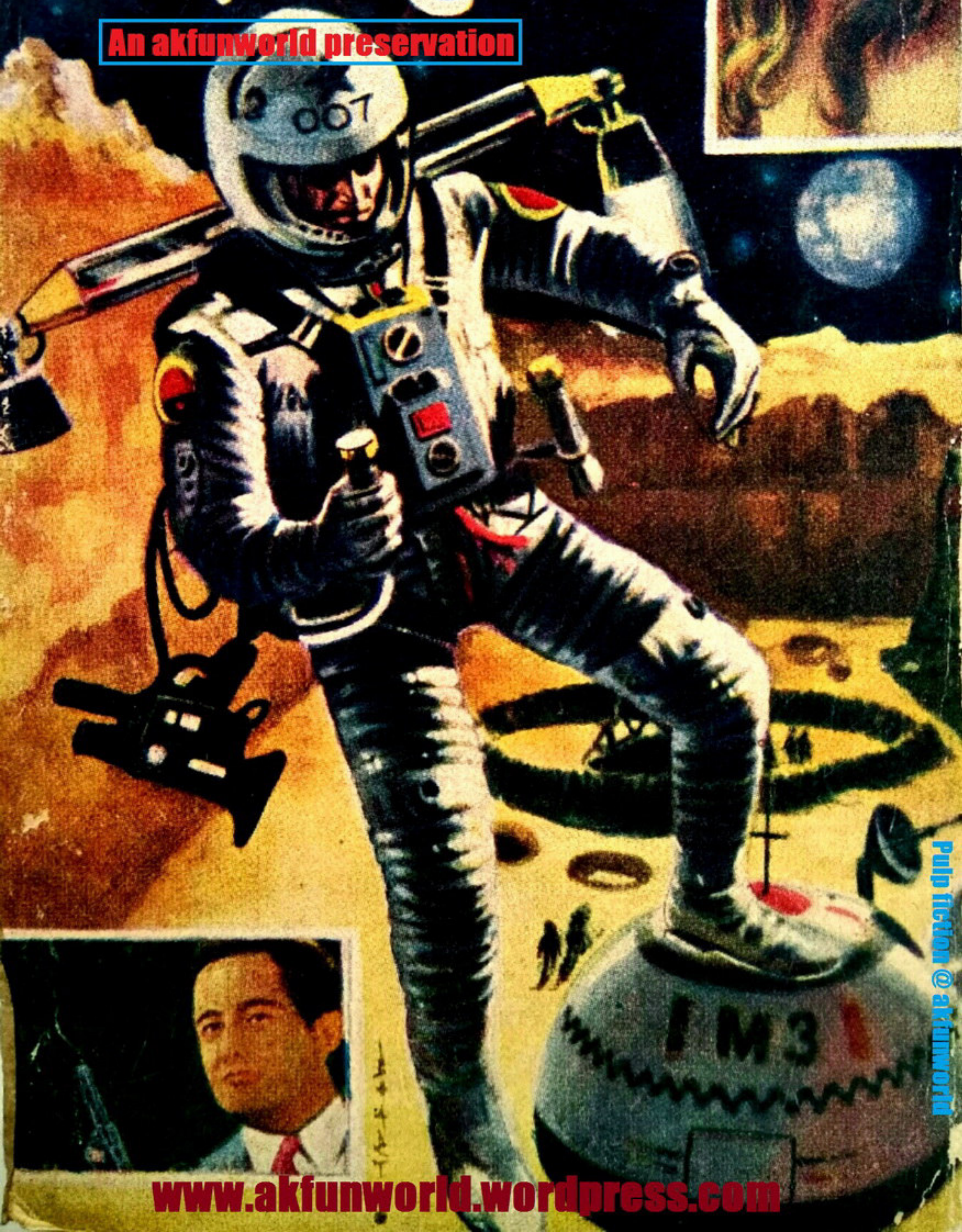
अल्पना पॉकेट बुक्स

चाणक्य पुरी मेरठ कैण्ट।

मूल्य दो रुपये

उपन्यास	चांद पर हंगामा
उपन्यासकार	परशुराम शर्मा
मुद्रक	उमा प्रिंटिंग प्रेस, मेरठ
प्रकाशक	अल्पना पाकेट बुक्स, मेरठ।

वर्षों पूर्व जहां आबादी नहीं थी।

केवल उजाड़ और वीरान सन्नाटा रहता था ... दूर तक जंगल और ऊंची नीची चट्टानों का सिलसिला फैला रहता था—क्या मानव कल्पना कर सकता था कि ऐसा ही उजाड़ नीरस स्थान कुछ ही समय में संसार के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण एवं ऊंचा भाग बन जायेगा।

संसार के पर्दे पर हजारों घटनायें इतिहास में अपना स्थान बना गईं। मगर इस घटना ने तो उस पूर्व इतिहास को बहुत दूर अन्धेरे में फेंक दिया। यह स्थान आज सारे संसार के हर बच्चे की जुबान पर है—इसका नाम आज एक देहाती से लेकर ऊंचा विद्वान तक जान चुका है।

यह वही केप कैनेडी नगर है।

संयुक्तराज्य अमेरिका का एक ऐसा नगर जिसकी उन्नति ने सारे संसार को पछाड़ दिया है। जल की धाराओं से घिरा यह नगर आज बहुत दूर तक की कल्पना कर रहा है।

आज भी केप कैनेडी की ओर हजारों दूर्बीनें उठी थीं।

टेलीविजन जागृत थे।

बहुत से अन्तरिक्ष उड़ानी केन्द्रों पर वायरलेस खटखटा रहे थे ...... टेलीविजन और दूरबीनों पर सभी आंखें केवल प्रक्षेपण के उस ऊंचे दैत्याकार मंच को निहार रही थी, जिस पर सेटर्न अपोलो यान को गर्व के साथ माथा उठाये खड़ा था।

यह उड़ान ठीक दस बजे प्रारम्भ होने जा रही थी।

इस समय सात बजे थे।

सात बजे ही केप कैनेडी अमेरिका एवं अन्य बहुत से राष्ट्रों के इन्सानों से खचाखच भर गया था।

एक भारी योजना लेकर अपोलो आज पुनः चन्द्रमा की ओर अन्तरिक्ष उड़ान भरने वाला था।

लगभग तीन सौ पैंसठ फिट एवं इकत्तीस सौ टन का यह महादानव सेटर्न आज पुनः अपनी सफलता का डन्का बजाने वाला था। इस अपोलो को केवल पन्द्रह मिनट में पृथ्वी कक्ष को पार करना था।

इस उड़ान में अमेरिका के पांच इन्सान शामिल थे।

इधर अमेरिका राष्ट्र चन्द्रमा पर अनेकों सफलतायें पा चुका था—चन्द्रमा पर एक बाक्स नुमा छोटी सी इमारत तक बन चुकी थी—जिसका नाम 'अमेरिका किंग' रखा गया था। पिछली उडानों में बहुत कुछ हो चुका था।

यहां तक सुविधा हो चुकी थी कि चन्द्रयान कई दिन तक लैंड रहा सकता है। उस इमारत में महीनों तक लगभग आठ इन्सान आराम से रह सकते थे—यदि यान को वापिस पृथ्वी पर भी भेजना चाहें, तब भी वहां रहने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं आ सकती थी।

यह 'अमेरिका किंग' धरती से बना कर ही वहां छोड़ा गया था, जो चांद के एक समतल मैदानी भाग में गढ़ चुका था।

इसकी मजबूती इतनी थी कि यह सीमा तक भूकम्प इत्यादि के झटके बर्दाश्त कर सकता था।

अमेरिका राष्ट्र के इंजिनियर एवं वैज्ञानिक इस ओर में थे कि उस समतल धरातल पर एक नगर का निर्माण किया जाय, जिसका नाम 'हैवन सीटी' रखा जाय। यह योजना बहुत

भारी थी और इसकी पूर्ण रिसर्च एवं चन्द्रमा के समस्त रहस्यों को जानने के लिए आज तीन प्रसिद्ध इंजीनियर एक महान वैज्ञानिक उस ओर गमन करने वाले थे।

कई उड़ानों से यह विदित हो चुका था कि अब यह कार्य जोखिम का नहीं है"' आज हर इन्सान उस धरती को देखने का इच्छुक हो उठा था।

इन चारों व्यक्तियों के साथ हेड्रोक नाम का युवक था, जो इस उड़ान का सचालन कर रहा था। हेड्रोक को केवल 'कोलम्बिया' में रह कर चन्द्र कक्ष में चक्कर काटने थे। शेष सभी लोगों को ल्यूनर माड्यूल द्वारा चन्द्रमा पर उतरना था। यदि वह लोग उचित समझते तो हेड्रोक को वापिस धरती पर भेज सकते थे"' अन्यथा पन्द्रह दिन तक हेड्रोक को चन्द्रमा के चक्कर काटने थे"' उसके बाद सभी को एक साथ वापिस लौटना था।

अमेरिका राष्ट्र अब काफी उन्नति कर चुका था।

यह उड़ाने बहुत सरल हो चुकी थी।

अब इन्सान की भारहीनता का पूरा प्रबन्ध हो चुका था साथ ही एक हल्का लिवास बना दिया गया था, जो न तो वजनी था और न ही उसमें किसी प्रकार का कष्ट हो सकता था।

उस लिवास में इन्सान स्वाभाविक ढंग से इस प्रकार कार्य कर सकता था, जैसे वह पृथ्वी पर हो। अमेरिका की इन नई योजनाओं ने प्रमाणित कर दिया था कि मानव के लिये संसार की कोई भी वस्तु असम्भव नहीं है।

विश्व शान्ति के लिये सचमुच अमेरिका का यह कदम महान था।

यूं आलोचक का कथन था कि यह अमेरिका की ऐसी

योजना है, जिससे समस्त भूमण्डल खतरे में पड़ जायेगा। तृतीय विश्व युद्ध और संसार को एक झंडे के नीचे करने के लिये चांद एक भयानक अड्डा साबित होगा।

लेकिन ऐसा होना असम्भव सा प्रतीत होता है।

जहां रूस ने अंतरिक्ष में खतरनाक अरगु केन्द्र बनाने का प्रयास किया है—उससे स्पष्ट जाहिर है कि यदि तृतीय विश्व युद्ध हुआ तो निश्चित ही कुछ सेकिंड के अन्दर पूरी पृथ्वी बिलकुल इस प्रकार बन जायेगी, जैसे आज सूना चांद है।

यह बात आज का मानव अच्छी तरह जानता है।

तब आलोचक के मतों को मान्यता नहीं दी जा सकती यह विश्व शान्ति का एक नया दौर था। स्वर्गीय कैनेडी की आत्मा की आवाज की पूर्ति थी।

अमेरिका आज समस्त संसार में शान्ति चाहता है।

इस अमन और शान्ति के लिये भारतीय शान्ति दूतों की याद ताजा हो जाती है। वह इस संसार में नहीं हैं। बहुत दूर स्वर्ग में उन सभी नेताओं की आत्म मानव कल्याण की कामना अब भी करती प्रतीत होती है।

जब-जब विश्व शान्ति का प्रश्न आया, तब-तब उन महान नेताओं की याद ताजा हो जाती है।

फिर भी.....।

कहते हैं समय बड़ा बलवान होता है।

अमेरिका राष्ट्र की तरक्की से अन्य राष्ट्रों की भी भावना पनपती है कि वह भी कुछ ऐसा कर सकें... इसके लिये कड़ी मेहनत और धन दें। कौन सा राष्ट्र क्या कर रहा है—यह जान पाना बहुत कठिन सा है।

आज संसार का प्रत्येक राष्ट्र नई करवट ले रहा है।

काश इस धरती में एक साथ अग्रसर होने वाले यानकि में फूट न पड़ती। काश। आज के राष्ट्र एक दूसरे के प्रतिद्वन्दी न बनते।

जहां अमेरिका राष्ट्र की जय बोलनी चाहिये—वहां कुछ अपनी कमियों के कारण अमेरिका के बहुत से विरोधी तत्व हैं—एक तरफ यदि वियतनाम की भयंकर समस्या और रक्त उत्पाद है—वहां कुछ अन्य राष्ट्र भी हैं जो अमेरिका के कट्टर विरोधी हैं।

यह राजनीतिक दौर है—जो सारे विश्व में चलता है।

प्रत्येक राष्ट्र में घुसपैठिये और जासूस विराजमान हैं। जो हर चन्द यह कोशिश करते है कि विरोधी राष्ट्र किसी भी स्थिति में कमजोर बनाया जाय। आये दिन ऐसे किस्से सुनने में आते हैं।

न जाने फलोरिडा राज्य के उस नगर कैप कैनेडी में इस समय भी कितने जासूस मौजूद थे। यह पहिचान पाना कठिन था।

कुछ दिनों से अन्तरिक्ष में ऐसी सफल उडानें हो रही थीं, जिसके बारे में नहीं जाना जा सका कि चांद के निकट पहुंचने वाले वह अन्तरिक्ष यान किस राष्ट्र द्वारा छोड़े जा रहे हैं।

अमेरिका ने इस बारे में काफी खोजबीन की। अन्य राष्ट्रों से सम्पर्क किया गया" इन उड़ानों के बारे में पूरी तहकीकात हुई" मगर कुछ पता न चल सका। अमेरिका यह अच्छी तरह जानता था कि चांद पर उनके अलावा कोई दूसरी शक्ति भी पहुंच चुकी है। निश्चित रूप से वह शक्ति मानवीय थी।

हल्की सी शंका हुई कहीं अन्तरिक्ष में कोई जबरदस्त हंगामा न हो जाय" किन्तु ऐसी आशा कम ही थी क्योंकि उस शक्ति की तरफ से अभी तक कोई हरकत नहीं हुई थी।

'ह्वैविन सीटी' में बना 'अमेरिकन किंग' अब भी टेलीविजन पर स्पष्ट नजर आता था। उसके समस्त यन्त्र बराबर कार्य कर रहे थे।

अभी तक उस पर किसी शक्ति का प्रभाव नहीं पड़ा था।

समय गुजरता गया।

सेटर्न-५ पर गर्व के साथ खड़ा अपोलो उड़ान के लिये तैयार खड़ा था। दूर तक प्रशान्त महासागर की लहरें शान्त थी।

अन्तरिक्ष यात्री किस समय स्टैण्ड की लिफ्ट पर चढ़े''कई हर्ष भरी आवाजें वायुमण्डल में उभर गई। पांचों यात्रियों के हजारों चित्र खींचे जा चुके थे। उन्हें सम्पूर्ण बधाई मिल चुकी थी।

लिफ्ट रुकी।

अन्तरिक्ष यात्री अपने कक्ष में इत्मीनान के साथ जा बैठे।

निश्चित समय पर उस स्थान से बहुत दूर-२ तक का भाग एकदम खाली हो गया। क्रेन हट गई। कार्य करने वाले सभी सैनिक अपने स्थानों में विराजमान हो गये।

केवल वातावरण में एक ही आवाज गूंजती रही।

'हैन्डरेड''नाइन्टी नाइन'''नाइन्टी एट'''''।'

क्रमश: संख्या कम होती जा रही थी। प्रत्येक सेकिण्ड के बाद एक संख्या घटती जाती। फिफ्टी पर पहुंचते ही सबकी निगाहें अन्तरिक्ष में उठ गई। दस बजने में केवल पचास सेकिण्ड बाकी थे।

'फोर्टी ?' आवाज गूंजी।

'थर्टी''ट्वन्टी नाइन''ट्वन्टी एट'''।'

फिर आवाज कुछ तेज हुई।

'टन नाइन''एट''सेविन'''सिक्स'''फाइव''' फोर''

थ्री'''टू'''वन'''।'

स्टार्ट'''?

विस्फोट''''''भयानक अन्धकार पूर्ण धुवां'''बादलों की सी गर्जना'''दैत्याकार सेटर्न-५ उस धुवें में आग की भयानक ज्योति फेंकता हुआ उठने लगा। उसकी गति क्षण प्रतिक्षण तीव्र होती चली गई''''''ठीक उस प्रकार जैसे किसी पत्थर को आकाश की ओर फेंकने से उसकी गति प्रारम्भ में तेज होती जाती है।

केप कैनेडी नगर धुवें के गुब्बारे से घिरा था।

सागर की लहरे अशान्त होकर उछलने लगीं।

सेटर्न अपोलो यान को लेकर तीर के समान वायुमण्डल को चीरता चला गया''''''वह क्षण प्रतिक्षण छोटा पड़ता जा रहा था''''''फिर धब्बे में बदल गया और उसके बाद लोगों की दुर्बीन से भी ओझल हो गया।

जबकि सभी अन्तरिक्ष केन्द्र उस दृश्य को स्क्रीन पर देख रहे थे।

टेक्नीशियन और वैज्ञानिक अपने स्फूर्तिदायक कार्यों में लीन थे।

भीड़ छटती चली गई।

धुवां समाप्त हो चुका था। नगर की सडकों पर पुनः हलचल मच गई। शायद हजारों की संख्या में आये दर्शक अब वापस जा रहे थे।

बाकी कार्य वैज्ञानिकों का था।

सेटर्न-५ को अपोलो सहित पृथ्वी कक्षा को पार करना था। उसके बाद निश्चित समय पर उसे अपोलो यान को शून्य अन्तरिक्ष मे उछाल देना था।

करोड़ों डालरों की लागत से तैयार हुआ यह सेटर्न सिर्फ

इतना ही कार्य करता था। शेष सभी कार्य अपोलो यान के संचालकों के हाथ में थे।

वह पृथ्वी से दूर होते जा रहे थे।

एक साहसपूर्ण मंजिल की ओर रवाना हो चुके थे।

लेकिन कौन जान सकता था कि इस उड़ान की प्रतीक्षा एक अनजान शक्ति भी कर रही थी।

उसकी आंखों पर रेड कलर का चश्मा चढ़ा था। होंठ हल्की सी मुस्कान के साथ फैले थे। दो दांतों के मध्य सुनहरे रंग का सिग्रेट पाइप लगा था—जिस पर लगी सिग्रेट लहरा कर सुलग रही थी।

वह अभी यू. एस. ए. जेट विमान से उतरा था और इस समय पोर्ट से बहार खड़ा वातावरण का निरीक्षण कर रहा था कभी उसकी निगाह सरसराती हुई अपने हैंड बैग पर जम जाती।

अपने इर्द गिर्द मंडराते चेहरों में वह कुछ खोज रहा था। न जाने क्या''' मगर यह सत्य था कि पोर्ट पर उसकी आंखें कुछ तलाश कर रही थी।

सामने सड़कों के जाल बिछता चला गया था जिनमें जापानी सभ्यता मंडरा रही थी। कारों के ब्रेकों का चरमराहट वातावरण का ऊंचा नीचा शोर''' सड़कें गुंजायमान थी'''''' रोशनी जगमगा रही थीं।

उसने दांतों से ही पाइप को दबाया और अधजली सिग्रेट फर्श पर गिर गई, जिसे वह जूते से कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। बाहरी बरामदा पार करने के बाद सड़क के किनारे खड़ा हो गया।

टैक्सी''' उसने आवाज दी'''।

निकट गुजरने वाली टैक्सी सरसरा कर रुक गई। ड्राइवर ने फुर्ती से उछल कर पिछला दरवाजा खोल दिया। वह इंसान

पिछली सीट में समा गया। ड्राइवर ने अपनी सीट पर बैठ कर इंजन स्टार्ट कर दिया।

'होटल भारत ले' उसने जापानी भाषा में ड्राइवर को आदेश दिया। ड्राइवर ने हल्के से गर्दन हिला दी। टैक्सी की रफ्तार बढ़ती चली गई।

टोकियो की सन्ध्या चित्ताकर्षक हो चली थी।

ठण्डी बयार के झोंके वातावरण में शीतलता बिखेरे थे। सड़कों पर आसपास की इमारतों से ऊंचा नीला संगीत सुनाई दे रहा था। वह व्यक्ति टैक्सी के बन्द शीशों से ही उस नगर की शोभा देखने लगा।

शक्ल से वह योरोपियन लगता था।

रात होने के बावजूद भी उसने अपनी आंखों पर चश्मा चढ़ाया था। शायद उसकी आंखों में कुछ खराबी थी।

लिबास बहुमूल्य था।

उसने एक बार कलाई में बन्धी सुनहरे डायल की घड़ी में समय देखा और फिर अचानक अपनी जेब टटोली।

'मिस्टर ड्राइवर......' अचानक उसने जापानी भाषा में मौन तोड़ा, टोकियो में कब से सर्विस कर रहे हो।'

'मैं जन्म से रह रहा हूं श्रीमान ?'

'मेरा मतलब टैक्सी ड्राइविंग से था।'

'पांच वर्ष हो गये हैं।'

'तब तो तुम यहां के सभी प्रमुख स्थानों से वाकिफ होगे।

'प्रमुख स्थानों से आपका मतलब ?'

'शराबखाने'' जुआघर'' और अन्य बदमाश अड्डे .....'

'करीब करीब'''

वह व्यक्ति खामोश हो गया। टैक्सी में पुन: मौन छा गया चौड़ी सड़कें पीछे छूटती आ रही थीं। कुछ देर बाद ही टैक्सी

एक शानदार जगमगाती ईमारत के कम्पाउन्ड में रूक गई। वह होटल 'माउतुलि' था। जगमगाते अक्षरों में उसका नाम साफ चमक रहा था।

उस व्यक्ति ने टैक्सी का भाड़ा दिया।

कीप दि चेंज'''', इतना कह कर वह तेजी के साथ लम्बे डग मारता हुआ होटल के सदर द्वार में प्रविष्ट हो गया। एक जापानी बेयरे ने तुरन्त उसका बैग ले लिया। वह व्यक्ति होटल के मुख्य कांउटर के पास जाकर रूक गया।

कांउटर गर्ल ने मुस्कराकर उसे निहारा।

'मिस्टर शोफर'''।' उसने अपना कार्ड जेब से निकाल लडकी को थमा दिया। कुछ देर तक रजिस्टर में लड़की आवश्यक बातें नोट करती रही उसके बाद उसने एक 'की' कथित व्यक्ति को थमा दी।

'रूम नम्बर फाईव डबल फ्लोर ?'

'थेंक्यू ?' चाबी को हाथ में उछालता हुआ वह आगे बढ़ गया। बैयरा बैग लिये पीछे-पीछे चल रहा था। लिफ्ट द्वारा वह सैकिन्ड फ्लोर पर उतर गये। रूम नम्बर फाईब तक पहुंचने में उन्हें अधिक समय नहीं लगा।

शोफर ने कमरे का ताला खोला।

अपना बैग रखवाने के बाद उसने बेयरे को जलपान लाने का आदेश दिया। उसने कमरे में उचटती निगाह डाली और इत्मीनान से चेयर पर बैठ गया। उसके बाद उसने बैग खोला एक विचित्र प्रकार की गुड़िया निकाल कर मेज पर रख दी। उसकी उंगलियां गुड़िया से खिलवाड़ करने लगी। हल्की सी ध्वनि के साथ गुड़िया मध्य से दो भागों में विभाजित हो गई उन दोनों भागों को चमकीली सी दीवार जोड़े थी।

उसने कमरे का पूरा चक्कर लिया।

सभी स्थानों को अच्छी प्रकार देखा फिर पखाने के समीप रूक गया, एक बार पखाना खोज कर बाहरी गलियों का निरीक्षण किया। पखाने का सिस्टम चढ़ाने के बाद वह पुनः अपनी सीट पर बैठ गया। उसने पूरा बैग खोल डाला। और यंत्र गुड़िया के दोनों पार्टों से जोड़ दिया।

एक स्वीच दबाते ही चमकती दीवार पर पूरे होटल का बाहरी दृश्य घूमने लगा। वह एक प्रकार का टेलिविजन यंत्र था जो कमरे तक आया था। उसके बाद कमरे का दृश्य भी बदल गया।

उसने ईत्मीनान की सांस ली।

पुनः दो तीन स्वीचों को पुश किया। अब स्क्रीन का दृश्य एक दम बदल गया था। स्क्रीन पर एक फुतिदार चेहरा नजर आ रहा था। आंखों पर चश्मा···होठों पर सिगार···गोल वर्ण का यह चेहरा ब्रटिश सीक्रेट ब्रांच के चीफ एम का था। एम ने सिगार बूझने के अलावा चश्मा भी उतार कर रख दिया।

'हैलो बांयू ' हाउ आर यू···' टेलिविजन पर हल्की सी मानव आवाज सुनाई दी।

'मैं सकुशल होटल तक पहुच गया हूं सर···अभी तक कोई ऐसा चेहरा नजर नहीं आया, जिस पर सन्देह किया जा सके। मैं इंतजार कर रहा हूं कि उन लोगों की तरफ से कोई पहल हो

'ठीक बहुत सही जा रहे हो लेकिन एक बात ध्यान में रखना। वैज्ञानिक युग की आधुनिक चालों से सतर्क रहना। तुम पर किसी भी समय घातक वार हो सकता है। यह आप्रेशन जिस पर तुम रवाना हुये हो वह साधारण नहीं है। ध्यान रहे—सर्वप्रथम तुम सी० आई० ए० एजेन्ट से मिलोगे। पूर्ण विवरण तुम्हें पहिले ही बताया जा चुका है।'

'सिर्फ आज की रात विश्राम करूंगा——कल मेरा कार्य

शुरू हो जायेगा। सर·····टोकियो की आबोहवा का स्वाद लेना आवश्यक है।

'यू नाटी ब्याय···।'

'हां सर·····स्पाई की जिन्दगी का क्या भरोसा·····न जाने कब किन क्षणों में जिन्दगी से रिश्ता छूट जाय।'

'तुम्हारी कद्र करता हूं बेटे······अपनी रिपोर्ट बराबर देते रहना।'

'ओ० के० सर······।'

'ओवर एण्ड आल ?'

बांड ने एक स्वीच दबाया और ठण्डी सांस खींचकर अध-लेटा हो गया। उसकी स्थिति ऐसी जान पड़ती थी जैसे वह काफी थक गया हो। वह इस विचित्र आप्रेशन के बारे में सोचने लगा।

पिछले सप्ताह इस आप्रेशन की शुरुआत हुई थी। विश्व के इतिहास में एक ऐसी भयानक घटना घट गई जिससे समस्त संसार के वैज्ञानिकों के दिमाग पसीज गये। तीन बार वर्ल्ड कान्फ्रेन्स बिठाई गई। संसार के तमाम वैज्ञानिकों ने यू० एस० ए० वाशिंगटन में होने वाली उस मिटिंग में भाग लिया था।

बहुत ही गोपनीय मिटिंग थी।

उस असाधारण घटना ने अमेरिका राष्ट्र में खलबली मचा दी थी।

प्रशान्त सागर में स्थित केप कैनेडी प्राक्षेपण केन्द्र से दो वैज्ञानिकों ने अपोलो द्वारा अपनी अन्तरिक्ष यात्रा शुरु की थी। चन्द्रमा पर लगातार सफलताय मिलने के बाद उक्त वैज्ञानिकों को कुछ महत्वपूर्ण खोज के लिये भेजा गया। यूं अमेरिका ने चांद की जमीन पर एक अस्थाई अड्डा बना लिया था, जहां पूर्ण सुचारू रूप से चलने वाली व्यवस्था के लिये अपोलो यानों

द्वारा महत्वपूर्ण वैज्ञानिक यन्त्र पहुंचाये जा रहे थे।

वह एक प्रकार से छोटा मकान था।

उसका निर्धारण 'हैवेन सीटी' नामक समतल धरातल पर हुआ था। वहाँ तक की पूरी खोज में अमेरिका के कदम सफलता पूर्वक बढ़ते चले गये। और इन लगातार सफलताओं के बाद चार इन्सानों ने वहाँ पन्द्रह दिन रुकने का फैसला किया था।

दो अमेरिका राष्ट्र के प्रमुख वैज्ञानिक थे।

दो इंजीनियर और पांचवा इन्सान हेड्रोक था, जिसे मुख्य यान में बैठकर चन्द्रमा की परिक्रमा करनी थी। इस महान कदम के लिये पूरी तैयारियाँ हुई और निश्चित तारीख में केप कैनेडी से वह महान कदम भी उठ गया।

बहुत से वैज्ञानिक साधन उनको उपलब्ध थे।

सेटर्न ने अपोलो को अन्तरिक्ष में छोड़ दिया और अपोलो भयानक चाल से चन्द्रमा की ओर रवाना हो गया। टेलीविजन पर हजारों लोग धरती से उन वैज्ञानिकों का साहसपूर्ण अभियान देख रहे थे।

उन्हें चन्द्रमा के विभिन्न भागों में जाकर रिसर्च करनी थी। इंजीनियर को विभिन्न दृष्टिकोणों से नक्शे तैयार करने थे।

इस बार की व्यवस्था में वह कुछ मीलों तक यान की तरह वायुमण्डल में उड़कर विचरण भी कर सकते थे। वह अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी समय चन्द्रमा के धरातल पर कहीं भी उड़कर मीलों दूर तक का दृश्य देखकर वापिस लौट सकते थे।

ल्यूनर माड्यूल को इस बार उसी छोटे कमान के पास उतरना था। इस माड्यूल में चार यात्रियों को धरातल पर

उतरना था और कमान्ड माडयूल में हेड्रो को चन्द्र कक्ष में रहना था।

यात्रा सफल रही।

सफलता की सूचना उस वक्त भी मिली जब ल्यूनेट माडयूल चन्द्रमा के धरातल पर जाकर स्थिर हो गया। निकट ही चन्द्र यात्रियों द्वारा बनाया गया मकान अपनी पूर्व स्थिति में मौजूद था।

उन लोगों के चरण मकान में पड़े।

लेकिन अचानक एक भयानक घटना को घटते सभी ने देखा वह मकान चन्द्रमा की जमीन में धसना शुरू हो गया था टेली-विजन का सम्पर्क अचानक टूट गया। केवल मात्र धुवां नजर आया।

कमान्ड माडयूल से हेड्रोक ने भी वह दृश्य देखा। उसकी आवाज में भयमिश्रत चीख शामिल थी। वह सिर्फ इतना बता पाया कि ल्यूनर माडयूल अचानक विस्फोटक से ध्वस्त हो गया और चन्द्रमा की धरती पर चौड़ी दरार बन गई है। जिससे मकान जमीं में समाता जा रहा है। इससे आगे हेड्रोक भी कुछ नहीं बता सका।

टेलीविजन पर कमान्डर माड़यूल कई बार चकराया। वह इस कदर तेजी से घूम रहा था जैसे उसे कोई अनजानी शक्ति अपने कंट्रोल में ले चुकी हो। हेड्रोक की दर्दनाक चीख सुनाई दी उसके बाद कमान्ड माड़यूल सीधा चन्द्र धरातल की एक खाई में गुम हो गया।

संसार की भयानक दुःखपूर्ण घटना…।

चार इन्सानों की अनजानी मौत के साथ अमेरिका राष्ट्र का सारा परिश्रम एक साथ ढेर हो गया। उन लोगों को बचाने

का कोई भी उपाय नहीं किया जा सका। इसे दैवी चमत्कार नहीं कहा जा सकता था।

निश्चित रूप से वह भी कोई अनजानी वैज्ञानिक शक्ति थी।

संसार के प्रत्येक कोने में सनसनी फैल गई।

अमेरिका ने सोवियत रूस से सम्पर्क स्थापित किया और दोनों राष्ट्रों ने एक होकर इस समस्या का हल खोजने का प्रयास किया। वैज्ञानिक युग में दैवी शक्ति का कोई महत्व नहीं है—अतः अनेक गोपनीय मिटिंगों के बाद इस निश्कर्ष पर पहुंचे कि कोई राष्ट्र और भी शक्ति चन्द्रमा पर मौजूद और निश्चित रूप से वह वैज्ञानिक शक्ति है। मुमकिन है कि संसार का कोई राष्ट्र उसमें शामिल हो—निश्चित रूप से 'वह भी मानव का चमत्कार है।

और चन्द्रमा पर मानव का कोई अंश नहीं...।

तब———।

वह शक्ति पृथ्वी के किसी कोने से ही अपना षड़यन्त्र रच रही है। अतिशीघ्र उस शक्ति का पता, निकाला जाय। संसार के किस कोने से यह उपद्रव हुआ।

इस रोमांचकारी खोज के लिये अमेरिकन इंटैलीजेन्स ब्यूरो के एजेन्ट जारी किये गये और अचानक जापान में एक एजेन्ट की मौत रहस्यमय ढंग से हुई। हल्का सा सुराख मिला। उस एजेन्ट की मौत ने यह स्पष्ट किया कि उस षड़यंत्र का जापान से कुछ न कुछ सम्बन्ध है।

तब विश्व विख्यात जासूसों को काल किया गया और स्काटलैंड से जो एजेन्ट रवाना हुआ वह डबल जीरो सेवन था। जेम्सबांड ख्याति प्राप्त जासूस था। प्रसिद्ध जासूसों की यह मिटिंग वाशिंगटन में हुई और यहीं से इस आप्रेशन की शुरुआत हुई।

दिखलावे के लिये बांड वापिस इंगलैन्ड आ गया था।

योरोप से उसी को श्रेष्ट स्थान मिला था। यूं योरोप से तीन एजेन्ट और चुने गये थे, उन तीनों को अलग-अलग ढंग से कार्य करने की इजाजत दे दी गई थी।

बांड खुले रूप में टोकियो के लिये रवाना हो गया था—वह भी अद्भुत ढंग का नौजवान था। अपने इस आप्रेसन पर वह सर्वप्रथम जानना चाहता था कि अपराधी उसके मार्ग में रोड़ा किस प्रकार डालता है। बिना इसके वह अपना अगला कदम नहीं उठाना चाहता था।

एयर पोर्ट से वह सकुशल उस होटल में पहुंच गया था, जहां सी० आई० ए० के एजेन्ट की मृत्यु रहस्य मय ढंग से हो गई थी।

अभी तक उसे कोई खतरा महसूस नहीं हुआ था।

खतरे से खेलने वाला बांड.....।

जो न तो अपने रिवाल्वर में साइलेंसर लगाने का आदी था और न भारी पोशाक बुल्ट प्रूफ पहिनने का शौक रखता था। उसे वह वस्तुयें पसन्द नहीं थीं, जिनसे जरा भी बोझ पड़े।

होटल में प्रवेश करते समय उसने अत्यन्त सावधानी से कार्य किया था। सर्वप्रथम जब मुख्य द्वार में प्रविष्ट हुआ तो उसने पुशवेल पर एक पारदर्शक फीता चिपका दिया था। दूसरा फीता उसने कांउटर पर लगाया और तीसरा अपने कमरे के सामने, वह एक आधुनिक ढंग का टेलीविजन आविष्कार था, जिससे यह आसानी से उन सभी स्थानों के चित्र कमरे में बैठे-बैठे देख सकता था।

बांड ने अपना कोट उतार कर सोफे पर रख दिया और पुनः उस विचित्र टेलीविजन पर निगाह जमा दी। सावधानी

के लिये उसने होटल के निचले खण्ड का दृश्य जारी कर दिया। स्क्रीन पर जापानी काउंटर गर्ल का चेहरा नजर आ रहा था। बांड उसकी शक्ल को अनेकों कोणों से देखने लगा।

सहसा वह चौंका।

सदर द्वार से एक जोड़ा प्रविष्ट हुआ। लम्बे डील डौल का वह जापानी शक्ल से काफी खतरनाक नजर आ रहा था उसने द्वार से ही अपने साथ की युवती को संकेत किया और स्वयं हाल की तरफ बढ़ गया।

युवती इकहरे शरीर की थी। उसकी आंखों पर काला चश्मा था। नाक नक्शा जापानी कट नहीं थे शक्ल से वह जर्मनी नजर आ रही थी। उसकी बांई कलाई में छोटा सा वैनिटी बैग झूल रहा था। काउंटर के पास आकर वह रुक गई।

जाने क्यों बांड सचेत हुआ।

उसे वह जोड़ा रहस्यमय लगा। दूसरा व्यक्ति तो अब नजर नहीं आ रहा था, किन्तु युवती काउंटर गर्ल से बात करती साफ नजर आ रही थी। एक बार युवती ने वैनिटी बैग खोला और एक कार्ड सरका दिया। काउंटर गर्ल ने न जाने क्या कहा और फिर रजिस्टर में कुछ देखा।

उसके बाद उसने एक चाबी युवती को थमा दी। युवती ने चाबी को सावधानी से वैनिटी बैग में रख छोड़ा। उसके बाद वह मुड़ गई। लिफ्ट के पास पहुंचते ही एक बेयरा उससे टकराया। युवती ने अजीब ढंग से उसे अपनी उंगली दिखाई जिसमें एक चमकदार अंगूठी मौजूद थी।

उन दोनों ने आंखों ही आंखों में कुछ संकेत किया।

बेयरा गर्दन हिलाकर एक तरफ चला गया।

युवती लिफ्ट में समा गई। बांड ने तुरन्त राहदारी का

दृश्य बदला साथ ही कमरे का बल्ब बुझा दिया उसकी दिल-चस्पी जागृत हो चुकी थी। अन्धेरे में ही वह फुर्ती से बैग से एक बारीक तार निकालकर बाहर निकला। वह तार अनेक प्रकार के गोल छल्लों में बना था। जान पड़ता था जैसे बारीक तार का काफी चौड़ा स्प्रिंग हो।

उसने कमरे का दरवाजा खोला और उस तार को फुर्ती से अपने सामने वाली राहदारी में फेंक दिया। उसके बाद उसने दरवाजे का पर्दा खोल दिया और दरवाजा इस प्रकार बन्द किया कि एक हल्के ही झटके में खुल जाय। संयोगवश उस समय राहदारी में कोई नहीं था।

तार का दूसरा सिरा उसके हाथ में था। उसने उसे मजबूती के साथ हाथ में लपेट लिया। अब वह पुनः स्क्रीन पर बाहर का दृश्य देखने लगा।

उसका अनुमान गलत नहीं था।

वह युवती उसी फ्लोर पर उतरकर राहदारी में बढ़ रही थी। उसकी चाल में हल्की लापरवाही थी। और होंठों पर विचित्र मुस्कान थिरक रही थी।

किन्तु बांड की मुस्कान उससे भी अधिक रहस्यमय थी। उसका हाथ मजबूती के साथ तार पर जमा था। राहदारी में इस समय एकान्त था। युवती बांड के रूम के समक्ष पल भर के लिये रुकी। फिर उसने आगे बढ़ना चाहा।

मगर दूसरे ही पल बांड ने पूरी शक्ति के साथ तार खींच दिया। तार के दो फंदे युवती के पैरों में बंधते चले गये। वह लड़खड़ाई हल्की सी चीख उसके मुंह से निकल गई।

किन्तु संभल पाने का अवसर उसे नहीं मिला।

लहराकर वह फर्श पर गिरी और खिसकती हुई बांड के कमरे में आ गई। बांड ने फुर्ती के साथ तार को और करीब खींच लिया और एक ही छलांग में रूम के द्वार तक पहुंच गया

दरवाजा बन्द करते ही उसने सिस्टम चढ़ा दिया।

उसके बाद उसने कमरे की रोशनी जला दी।

युवती उन कसे तारों से अपने पैरों को मुक्त करने का असफल प्रयास कर रही थी। जिस समय उसकी निगाह बांड के पिस्तौल पर पड़ी तो वह बुरी तरह सकपका गई। उसके चेहरे पर भय की रेखायें खींच आई।

'माई नेम इज जेम्स बांड सेबी ?' बांड ने मुस्कराकर कहा।

युवती हांपती बैठ गई। उसका चश्मा पहिले ही फर्श पर गिर चुका था। वैनिटी बैग भी बांड के पैरों के पास पड़ा था। उसके नेत्र विस्मय से फैले थे।

उसी समय बाहर पदचाप और हल्की फुल्की आवाजें सुनाई दी। शायद आस-पास के कमरे वाले चीख का कारण जानने के लिये राहदारी में आ गये थे।

'तुम शोर नहीं मचाओगी ?' बांड ने उसे चेतावनी दी, 'और यदि किसी ने पूछा तो स्वयं को मेरी मित्र बताओगी''''ऐ ''''कुछ सुन रही हो''''।'

युवती ने गर्दन हिला दी।

किसी ने उसका दरवाजा थपथपाया।

बांड फुर्ती के साथ युवती के समीप आया। उसने उसके पैरों में फंसे तार को खोला और उसकी पसलियों से पिस्तौल की नाल सटा दी।

'दरवाजा खोलो''''''मगर सुनो—ध्यान रहे मेरे पिस्तौल का निशाना इतना सच्चा है कि मैं जेब से ट्रेगर दबाकर भी तुम्हें शूट कर सकता हूं। यदि कोई पूछे तो कह देना यहां कोई घटना नहीं घटी''''।'

बांड सोफे पर बैठ गया।

उसने गुड़िया के एक स्वीच को दबाया और उसके दोनों

पाईं आपस में जुड गये ।

युवती लड़खड़ाती चाल से दरवाजे के समीप पहुंची-उसने एक बार मुड़कर बांड को देखा फिर दरवाजा खोल दिया। बाहर दो सज्जन खड़े थे।

'कहिये—क्या बात है ?' युवती ने पूछा।

'यहां अभी किसी की चीख सुनाई दी थी'''क्या आप लोगों के कमरे में''।'

'नो यहां कोई ऐसी कोई घटना नहीं हूई—।'

'ओह सारी—?' वह दोनों चले गये। शायद वह दोनों ही आसपास के कमरों में ठहरे थे। उनके साथ एक बेयरा भी था। तीनों अपने अपने कामों में लग गये। वह दोनों सज्जन बड़बड़ाते हुए अपने कमरों मे चले गये।

युवती ने द्वार बन्द कर दिया।

सहसा उसने झुककर अपना वैनिटी बैग उठाना चाहा।

'उस बैग को हाथ लगाने की कोशिश मत करो लड़की।' बांड ने पुन: चेतावनी दी। उसका हाथ अब भी सोफे पर रखे पिस्तौल पर जमा था।

'आपने अब तक जितनी हरकत की, वह सब गैर कानूनी हैं। इसका फल आपको थोड़ी ही देर में मिल जायेगा मिस्टर।'

'जेम्स बांड।'

'क्या—?'

'अपना नाम मैं पहिले भी बता चुका हूं--और मुझे उम्मीद है कि मेरे बारे में तुम सब कुछ जानती हो। इधर आओ—।'

युवती पैर पटकती हुई निकट आ गई।

'तुम यहां क्यों आई थीं ?'

बांड ने पूछा।

'देखिये मिस्टर बांड—आप चाहे जो कोई भी हैं, मगर

इस प्रकार किसी के ऊपर नाजायज दबाव नहीं डाल सकते। मैं आपके किसी भी प्रश्न का जवाब देने के लिये बाध्य नहीं हूं।'

'मगर मैं बाध्य करना जानता हूं। बांड ने गुर्राकर कहा।

वह उठ खड़ा हुआ। उसने एक बार पिस्तौल उछाला और युवती के चारों तरफ घूम गया। सहसा वह उछला और फिर उसका पंजा लड़की के मुंह पर था। दूसरा हाथ उसने कलाई पर जमा दिया। न जाने कब युवती ने स्कर्ट से नन्हें साइज का पिस्तौल फुर्ती के साथ निकाल लिया था।

वह तिलमिलाई।

बांड ने उसकी कलाई को घुमा दिया। एक ही झटके में पिस्तौल उसके हाथों से गिर गया और बांड के जूते की ठोकर ने उसे और भी दूर पहुंचा दिया। उसने तुरन्त युवती को उसी स्थिति में उठा लिया।

युवती ने बांड के सख्त बन्धनों से निकलने की हर सम्भव कोशिश की, किन्तु इस असफल प्रयास में वह अपने आप को थकाने के अलावा कुछ भी नहीं कर पाई।

बांड इत्मीनान के साथ उसे बेडरूम में ले जा रहा था। वह युवती बार बार उसके चौड़े सीने पर दुहत्तड़ जमाती रही, किंतु बांड की स्थिति में इसका जरा भी प्रभाव नहीं पड़ा। ज्यों ही वह बेडरूम में दाखिल हुआ, युवती ने अपना नाखून उसके चेहरे पर मार दिया।

बांड के चेहरे पर एक लकीर खिंच आई। एक पल के लिये उसका चेहरा भयानक हुआ, दूसरे ही क्षण उसने युवती को उछाल दिया। वह औंधे मुंह पलंग से टकराई।

न जाने उसमें अचानक कहां से स्फूर्ति आ गई। वह चीखी नहीं, बल्कि फुर्ती के साथ पलंग से हट गई साथ ही उसके हाथ में गुलदस्ता आ गया। उसने बांड पर गुलदस्ता फेंक मारा।

बांड वार बचा गया।

इस बार युवती ने स्टूल फेंका। बांड ने उसे इत्मीनान से दोनों हाथों पर कैच कर लिया। वह युवती मेज की तरफ झपटी।

बांड फुर्ती के साथ स्टूल संभाले आगे बढ़ा। उसने तुरन्त स्टूल के पायों को युवती की गर्दन में फंसा कर झटका दिया। वह कमरे की दीवार से टकरा गई। लेकिन उस समय वह एक बोटल उठा चुकी थी।

हाथ दिवार से टकराया और बोतल टूट गई। उसकी नोकीली धार इस समय उसके हाथ में मौजूद थी। बांड स्टूल के पायों से उसकी गर्दन दिवार से सटाये था, लेकिन वह उस बोतल से भी अनभिज्ञ नहीं था, जिसका टूटा कोना इस समय युवती के हाथ में था।

युवती इस संघर्ष के कारण हांपने लगी थी।

'तुम मुझे नहीं जानती बेबी—मैं लड़कियों की कद्र करता हूं।'

वह हांफती रही।

सहसा उसने बोतल वाला हाथ बांड के बाजु पर घुमाया। बांड ने तुरन्त हाथ हटाया, किन्तु बोतल की धार ने उसका सूट फाड़ दिया।

युवती ने दूसरा प्रहार उसके चेहरे पर करना चाहा, किन्तु उसकी कलाई बांड के पन्जे में बंध गई।

'तुम्हें बताना पड़ेगा, कि तुम किसकी एजेन्ट हो—तुम इतनी थक चुकी हो कि अब पूरी शक्ति से भी चिल्लाओगी, तब भी आवाज कमरे से बाहर नहीं जायेगी।'

'शटअप''''।' उसने क्रोध से होंठ चबाते हुए कहा।

बांड ने उसकी कलाई से बोतल का टूटा हिस्सा छीन

लिया। उसने स्टूल फेंक कर एक करारा थप्पड़ युवती के गाल पर जड़ दिया। वह लड़खड़ाई। बांड अब भयानक इरादे से बोतल संभाले उसकी तरफ बढ़ रहा था।

युवती द्वार की तरफ भागी। मगर बांड ने लपक कर उसके स्कर्ट का पिछला भाग गले से थाम लिया। स्कर्ट फट-फटाया''कदाचित उसके मध्य भाग में चेन लगी थी। बांड का हाथ उसी हुक पर पड़ा था।

चेन काफी नीचे तक घिसट गई।

उसकी भूरी देह कमर तक नग्न हो चली। बदहवास होकर युवती पलटी। इस समय बांड के इरादे काफी भयानक थे।

'मैं तुम्हें इसी बोतल से मार डालूंगा—?' बांड ने जहरीली मुस्कराहट के साथ कहा और सचमुच बोतल का हिस्सा युवती के सीने से टकरा गया।

मगर वह बांड के सधे हाथ थे।

वक्ष पर खरोंच तक नहीं आई।

स्कर्ट का अगला हिस्सा बोतल की तेज धार से कट चुका था। दोनों तरफ से स्कर्ट विभाजित हो जाने के कारण वह बदन को छोड़कर पांवों में उलझ गया था।

बांड के एक ही झटके से वह लड़खड़ा कर फर्श पर औंधे मुंह गिर पड़ी। उस समय उसके कन्ठ से हलकी चीख निकली। माथा फर्श से टकराया था। वह एक दम चेतना शून्य होकर गिर पड़ी।

बांड ने बोतल एक ओर फेंक दी।

उसने युवती के शरीर को देखा और पास ही आलमारी की तरफ बढ़ गया। कमरे का स्टूल इत्यादि स्थान पर रखने के बाद वह बाहरी कक्ष में पहुंचा। उसने अपना सूटकेस खोला।

दूसरा सूट निकालकर जल्दी से उसने बाथरूम का रास्ता पकड़ा। उसने अपने चेहरे का हुलिया ठीक किया उसके बाद दूसरा सूट पहिन कर बाहर आया। एक बार अपनी शक्ल आइने में देखने के बाद उसने व्हिस्की की बोतल निकाली। बिना रोज मिलाये उसने खाली गिलास में व्हिस्की उढ़ेल दी।

'क्योरो फार योर ब्रेनेस।' युवती के बेहोश शरीर की तरफ हाथ उठाकर उसने पैग कन्ठ से नीचे उतार लिया। कमरे में उचटती निगाह डालने के बाद उसने अपने सूटकेस को बन्द किया।

पुन: रेड कलर का चश्मा पहिना और रिवाल्वर जेब में रखकर वह बाहर निकल गया। कमरे को उसने बाहर से लाक कर दिया। तेज कदम रखता हुआ वह लिफ्ट तक पहुंचा।

कुछ मिनट बाद ही वह निचले हाल में चकरा रहा था।

उसकी निगाह जापानी व्यक्ति को खोज रही थी, जो युवती के साथ होटल में प्रविष्ट हुआ था। जापानी उसे रिकरियेशन हाल में नजर आया। वह एक नौजवान से बातें करने में व्यस्त था।

बांड ने उचटती निगाह दोनों पर डाली।

उसने युवक को उठते देखा—न जाने क्या सोच कर बांड ने नाइट कैंप कुछ झुकाया और टहलता हुआ युवक के पीछे बाहर निकल गया। युवक काउन्टर के पीछे बने पर्दे में जाकर लीन हो गया। कुछ मिनट बाद ही वह बाहर निकला।

उसके चेहरे पर हल्की बदहवासी के लक्षण थे।

वह तेजी के साथ पुन: रिकरियेशन हाल की तरफ बढ़ने लगा। बांड उस समय दीवार के पास मुंह फेरे खड़ा था। वह रिकरियेशन हाल के दरवाजे की बायीं तरफ खड़ा था।

युवक के समीप आते ही वह एकदम घूम पड़ा।

इस स्थिति में दोनों टकरा गये।

'सारी···।' युवक ने कहा।

'नो बाय···।' बांड ने धीमे स्वर में कहा, 'मेरी जेब में 'डबल सारी' पड़ा है। माई मिन्स टू रिवाल्वर···वह आवाज करने का आदी नहीं है।'

बांड का हाथ जेब में था और जेब का रिवाल्वर उसकी कमर से टकराने लगा।

'क्या मतलब ?' युवक चौंका।

'तुम अब रिकरियेशन हाल में नहीं जाओगे।

'आखिर तुम कौन हो और क्या कहना चाहते हो ?'

'बाथरूम···।' बांड ने आवाज में भयानकता लाते हुये कहा 'बाथरूम चलो···।'

युवक सकपका गया।

नाल का झटका लगते ही वह बाथरूम की तरफ बढने लगा। बांड उसके पीछे-२ चल रहा था। दोनों बाथरूम में समा गये। बांड ने एक हाथ से दरवाजा बन्द कर लिया। उसके बाद उसका रिवाल्वर वाला हाथ बाहर आ गया।

'वह जापानी कौन है ?' बांड ने पूछा।

'कौन···?'

बांड ने नाल उसकी गर्दन पर टिका दी, 'मैं यहां का किलिंग लाइसेन्स ले चुका हूं—तुम्हें गोली मारने में मुझे कोई कष्ट नहीं होगा। तुम सूरत से जापानी नहीं लगते योरोपियन भी नहीं हो।'

'क्या चाहते हो ?' युवक सहम गया।

'वह जापानी कौन है, जिसके पास तुम कुछ देर बैठे थे।'

'नाशा···।'

'यह क्या बला है ?'

'उसका नाम है।'

'हूं—उसका धन्धा—है।'

'वह यहां का बहुत बड़ा लीडर है—बदमाश होने के साथ होटल मैनेजर का जिगरी यार है—यह दोनों बिजनेस पार्टनर भी है।'

'ओ० के०—और तुम—।'

'मेरे बारे में मत पूछो बांड ?'

'क्या मतलब ?' बांड चौंका।

'मैं तुम्हारे अहित में नहीं हूं। फिर तुम्हारी शक्ल ऐसी नहीं है जिसे मेरे जैसा इन्सान न पहिचान सके—यह होटल तुम्हारे लिये भयकर खतरे लाने वाला है। याद रखो—मैं किसी चक्कर में इन लोगों का साथ दे रहा हूं। तुम्हारे कमरे में एक युवती भेजी गई है।'

'तुम्हें कैसे मालूम—।'

'यहां हर कमरे में टेलीविजन लगा रहता है। संयोग से मैं आज मैं ड्यूटी पर हूं—मैं ही तुम्हें शुरू से चेक कर रहा हूं—तुम होटल में आते ही पहिचान लिये गये थे। उसी समय तुम्हारे मर्डर का प्लान बन चुका था—हर आदमी जानता है कि तुम्हारी कमजोर नस लड़की है। इसीलिए उस सुन्दर लड़की को तुम्हारे कमरे में भेजा गया, जिसे तुमने बेहोश कर दिया है।'

बांड उसकी जानकारी से चकित हो गया।

'यह रिवाल्वर हटा लो बांड—और जितनी जल्दी हो सके यहां से निकल जाओ। मैंने उन लोगों को भ्रम में डाल दिया है, कि अचानक तुम्हारे कमरे का टेलीविजन सिस्टम खराब हो गया है।'

'कोई धोका तो नहीं है।' बांड ने रिवाल्वर हटाते हुए कहा, मगर याद रखो मैं अपने जीवन में हजारों इन्सानों का कत्ल कर चुका हूं।

जानता हूं मिस्टर बांड—मैंने लगभग सभी राष्ट्रों की हवा खाई है—वैसे मैं गर्ल्स स्मगलर हूं—मगर इस वक्त तुम्हारा मित्र हूं। मैं ऐसे शानदार आदमी को मरते हुये नहीं देख सकता। मैं तुम्हें एक बेयरे की ड्रेस लाकर दूंगा, तुम उसे पहिन कर पिछले रास्ते से बाहर निकल जाओ—सामने के कम्पाउन्ड में मत जाना।'

'और वह लड़की…।'

'वह लड़की तुम्हें खादूजन देने गई थी…… तुम अपने कमरे में पहुंचो। मैं एक बेयरे को कुछ समय बाद तुम्हारे कमरे पर भेजूंगा—बस तुम उसे जैसे ही एक हाथ मारोगे वह बेहोश हो जायेगा। उसकी वर्दी पहिन कर तुम आसानी से निकल जाओगे। वैसे इस वक्त नाशा ने तुम्हारे निकलने के सभी मार्ग बन्द कर दिये हैं। यह होटल टोकियो का सबसे भयानक अड्डा है।'

और वह लड़की…।'

उसकी चिन्ता न करो।' युवक मुस्कराया। उसे अपने आप होश आ जायेगा। तुम अपनी आवश्यक वस्तुयें साथ ले जाना। पिछली सड़क पर मैं एक ब्लैक सीडान भेज दूंगा। उसका नम्बर फाइव जीरो वन टू होगा—तुम निसँकोच उसमें बैठ जाना… समय बहुत थोड़ा है। अब तुम अपने कमरे में पहुंचो…।'

बांड मुस्कराया।

'क्या मैं तुम्हारा नाम जान सकता हूं मित्र ?'

'मुझे यहा के लोग मास्टर किंग के नाम से जानते हैं ?' वह विचित्र मुस्कान के साथ बोला, 'सीडान आपको सुरक्षित स्थान पर पहुंचा देगी।'

'ओ० के०।'

बांड ने रिवाल्वर जेब में रख लिया।

फिर वह दोनों बाथरूम से बाहर निकल गये।

बांड लिफ्ट द्वारा ऊपर पहुंचा।

बांड सीडान की पिछली सीट पर बैठ गया। सीडान में अन्धेरा था, अत: ड्राईविंग सीट पर उसे केवल एक साया बैठा नजर आ रहा था—कार झटके के साथ अग्रसर हो गई।

बांड के मस्तिष्क में अनेको प्रश्न गूंज रहे थे।

आज उसका टोकियो में प्रथम दिन था।

अपने मिशन के लिये वह पूरी तरह फ्रेश भी नहीं हो पाया था, उससे पहिले ही उसके इर्द-गिर्द मौत का साया मंडराने लगा।

सचमुच बांड इस बार जिस आप्रेशन पर रवाना हुआ था, वह कदम-कदम पर मौत का निमन्त्रण लिये था। इस बार उसकी मुठभेड़ किसी जबरदस्त वैज्ञानिक शक्ति से थी, जिसने जापान के चप्पे-२ पर अपना जाल बिछाया था।

सी० आइ० ए० का एजेन्ट किसी सुराग के जरिये इस होटल तक पहुंच गया था—वह एजेन्ट बहुत ही रहस्यमय ढंग से कार्य कर रहा था। किन्तु षड़यन्त्रकारी अचानक इतने सक्रिय हो गये कि उस एजेन्ट को एक क्षण पूर्व भी यह आभास नहीं हुआ कि अचानक उसका आस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा।

बांड अपनी खुली कार्य प्रणाली के साथ होटल में दाखिल हुआ था और आते ही उसके स्वागत की पूरी तैयारी हो गई।

होटल छोड़ने से पूर्व वह बेहोश लड़की के दांतों के बीच एक स्लिप लगा आया था, जिसमें उसने पेंसिल से दो होंठो का खाका खींच कर नीचे लिख दिया था—

'बांड लव टू यू ?'

यह शरारत बांड ने जानबूझ कर कर की थी—क्योंकि वह केवल उस लड़की का नग्न रूप देख चुका था—आगे उसने प्यार की कोई रस्म अदा नहीं की। बांड को संदेह था कि निकट भविष्य में ही उस लड़की से फिर मुलाकात होगी।

ब्रिटिश सीक्रेट ब्रांच का यह एजेन्ट प्यार के मामिलों में काफी जिन्दादिल था। इसका प्यार भी बड़े साधारण ढंग से चलता था—वह सहवास से ज्यादा झमेला नहीं पालता था—समय कम था, अन्यथा बांड उस पर भवंर बन कर बैठ ही जाता।

एक जगमगाती सड़क पर आते ही बांड चौंक पड़ा।

उसे ड्राइव करने वाले का खाका स्पष्ट नजर आ गया—वह भी कोई युवती ही थी। बांड चेहरा तो नहीं देख पाया, किन्तु बालों की लट उसे साफ नजर आ रही थी।

उसका दिमाग भी उन क्षणों में रोमान्स के पहलुओं पर गौर कर रहा था। उसे अब मौन अखरने लगा। न जाने क्या सोचकर बांड पिछली सीट के ऊपर टांग रखकर रेंगा और अगले ही क्षण वह ड्राइविंग सीट के बराबर बैठा था।

ड्राइव करने वाली युवती चौंकी।

उसने घूम कर देखा—वह कुछ हल्के से मुस्करा दी।

बांड ने कार के अन्दर जलने वाले जीरो पावर वाले बल्ब स्वीच पर ऊंगली सटा दी।

'नो बांड ?' कार का मौन मधुर कंठ से टूटा, 'हम जापान

की सड़कों पर हैं, जहां अब तक आपकी तलाश जारी हो चुकी होगी।'

मेरे ख्याल से आप अपनी आवाज से भी अधिक सुन्दर होंगी।' बांड ने हल्की हंसी के साथ कहा—'आप इस वक्त मुझे कहां ले जा रही हैं।'

'मास्टर किंग के अड्डे पर—।'

ओह'''वह गर्ल्स स्मगलर है'''?'

'मगर मैं स्मगलिंग की गई लड़की नहीं हूं। मैं जापानी हूं—। किसी जमाने में मैंने मास्टर किंग को टोकियो में पुलिस के जाल से बचा कर अपने यहां शरण दी थी, तभी से वह मेरा आदर करता है।

'इसका मतलब मैं भी आपका आदर करूं—।'

आदर करने के लिये कहा नहीं जाता।'

'आपके विचार काफी ऊंचे हैं।

'धन्यवाद ?'

एक इमारत के कम्पाउन्ड में कार प्रविष्ट हो गई। इमारत के कम्पाउन्ड में अन्धेरा था। बांड कुछ सतर्क हुआ। अब तक उसका हाथ दो बार रिवाल्वर पर रेंग चुका था।

युवती उसका हाथ पकड़ कर नीचे उतरी।

'कम्पाउन्ड में अन्धेरा क्यों है ?' बांड ने पूछा।

'अन्धकार इन्सान की सुरक्षा के लिये बनाया गया है। उस जापानी गर्ल ने सिर्फ इतना कहा और बांड को लेकर कम्पाउन्ड पार कर गई।

फिर बरामदा क्रास हुआ।

अब तक अन्धेरे में चल रहे थे।

'आप यहीं ठहरिये ?' आवाज फुसफुसाई थी। बांड ने हाथ घुमाया, मगर उसका हाथ केवल खाली हवा में घूम गया।

तुरन्त बांड ने रिवाल्वर निकाल लिया। वह कमरे को सन्देह पूर्ण निगाहों से घूर रहा था। सहसा उसे लगा जैसे फर्श धीरे-२ नीचे सरक रहा है—फिर एक जबरदस्त झटका लगा। बांड लड़खड़ा कर गिर पड़ा। उसे आभास हो रहा था, जैसे वह तेजी के साथ नीचे धसता जा रहा था।

अचानक वह फर्श एकदम तिरछा हुआ और बांड तेजी के साथ लुढ़कने लगा। यह क्रियायें इतनी तीव्रता के साथ हुई कि वह संभल भी नहीं पाया। रिवाल्वर अब भी उसके हाथ मे दबा था।

लुढ़कने के बाद वह किसी नर्म जगह पर रुक गया—उसी क्षण वह प्रकाश से नहा गया। दूधिया रात का प्रकाश वाता-वरण में जल उठा था।

पल भर के लिये वह चौंधिया गया।

और दूसरे ही क्षण वह उछल कर खड़ा हो गया। वह एक सजे सजाये कमरे में था। कमरे में कीमती फर्नीचर था। बांड रिवाल्वर ताने हर तरफ का निरीक्षण कर रहा था।

उसने कमरे का चक्कर लिया और फुर्ती के साथ उसका द्वार खोला।

अब वह दबे कदम दूसरे दरवाजे में आया—वह एक शयनागार था—ऐसा लग रहा था, जैसे किसी प्रिंस का शयनकक्ष हो। बांड ने ठण्डी सांस खींची और फिर उसकी निगाह एक और दरवाजे से जम गई।

वह उसी तरफ बढ़ा।

उस दरवाजे के पीछे हल्की सी आवाज उभर रही थी।

फिर बांड ने पदचाप सुनी।

वह रिवाल्वर लेकर दरवाजे की आड़ में हो गया।

दरवाजा खुला—उसके साथ बांड के शरीर में जैसे बिजली

की फुर्ती आ गई। उसका जबरदस्त हाथ आने वाले पर पड़ा और आने वाला बारीक चीख के साथ कालीन पर चित्त गिरा।

यह देखकर बांड चकित रह गया कि वह कोई सुन्दर लड़की है, जो अपने शरीर पर केवल टावल लपेटे थी। फर्श पर गिर जाने के कारण उसका टावल अलग सरक कर गिर गया था।

उसके बदन पर कच्छे के अलावा कोई वस्त्र नहीं था।

गीले बालों से आभास होता जैसे वह स्नान करके आई है।

उसने तुरन्त तौलिये से अपने भरे हुए गोल सुर्ख स्तनों को ढक लिया और एक हाथ से गर्दन सहलाने लगी। जहां बांड का हाथ पड़ा था।

'यू आर वेरी हैवी मैन ?' उसने फीकी हंसी के साथ कहा।

'कौन हो तुम ?' बांड ने रिवाल्वर जेब में रखते हुए पूछा।'

'लड़की—।'

'वह तो मैं भी देख रहा हूं—यहां तुम्हें किसने भेजा और यह रास्ता—।'

'बाथरूम—।' अजीब हंसी के साथ लड़की ने कहा, अगर आपको स्नान करना है, तो चलिए—मुझे आपकी हर सेवा के लिए मास्टर किंग ने भेजा है।'

वह भी जापानी रूप था।

अत्यन्त खिंचाव पूर्ण।

कदाचित मास्टर किंग बांड क्याइस पहिचानता था।

वह जापानी लड़की बार-बार अपनी गर्दन सहला रही थी। अब भी वह कालीन पर पड़ी थी। बांड ने उसे गौर से देखा।

'तुम्हारी गर्दन पर चोट तो नहीं लगी।'

'ज्यादा नहीं मगर झटका लग गया है।

'मैं मसल दूं—।'

'नो—नो—तब तो और भी दर्द होगा।'

कुछ भी नहीं होगा—मैं सभी चोटों को अच्छी तरह मसल सकता हूं।'

बांड फर्श पर बैठ गया। उसने लड़की की गर्दन पर हाथ रखा और उसे बिठा दिया। वह सचमुच बड़े प्यार से उसकी गर्दन सहलाने लगा। गर्दन से हाथ पीठ पर रेंग गया।

'यह क्या कर रहे हो ?'

बांड ने झुककर उसके होठों का चुम्बन लिया फिर उसका एक हाथ तौलिये पर रेंग गया।

'अभी नहीं बांड——पहिले बाथरूम——तुम सुबह से यात्रा करके काफी थक गये होगे।'

सच कहती हो—।

बांड ने उसे उठाकर पलंग पर डाल दिया और अपना बेयरों वाला लिबास उतार फेंका उसके जिस्म पर अन्दर भी सूट मौजूद था। वह सूट उतारने लगा। उसी सूट के अन्दर वह अपना आवश्यक समान भी ले आया था।

कपड़े उतारने के बाद वह बाथरूम में प्रविष्ट हो गया।

लड़की ने स्तनों पर ग्रेसरील डाली और उसके बन्द कसती हुई बांड के पीछे बाथरूम में पहुंची। गर्म पानी से उसने बांड को स्नान करवाया। शाप ब्रुश से जिस्म अच्छी प्रकार साफ करने के बाद उसने बांड का चेहरा टावल से रगड़ कर होठों को चूम लिया।

बांड एकटक उसके गोरे जगमगाते यौवन को निहार रहा था। चलते समय वह कुल्हों को इस ढंग से हिलाती थी कि पूरा जिस्म हिल उठता था। जापानी होने के बावजूद भी वह योरोपीयन लड़की का रिकार्ड तोड़े थी।

बांड रह-रह कर उसके दाब कर बालों पर उंगली घुमा देता।

स्नान से निपटने के बाद युवती ने डिनर के लिये बेल दबा दी और कुछ क्षण बाद एक दूसरी लड़की ट्राली लिये कमरे में प्रविष्ट हुई। वह मेज पर डिनर सजाने लगी।

डिनर दोनों ने साथ किया।

उसके बाद बांड ने सिग्रेट सुलगा ली। काफी देर तक वह बैड पर लेटा केस के बारे में सोचता रहा। उस समय जापानी लड़की कुछ देर के लिये बाहर चली गई।

बांड के लिये वह व्हिस्की साथ लेकर आई।

वह व्हिस्की के पैग बनाने लगी। व्हिस्की और नारी बांड की खूराक थी। दोनों के जाम टकराये और फिर उन्होंने लगा-तार दो दो पैग खाली कर दिये। जापानी लड़की पीने के मामले में काफी माहिर थी।

इस बीच बांड अपनी उंगली से उसे कुरेदता रहा।

पैग रखने के बाद बांड ने उसे निहारा लड़की की नजरें कुछ झुकीं और फिर उसकी आंखों में लालिमा छाने लगी। वह व्हिस्की का प्रभाव था। बांड ने उसकी गर्दन पर हाथ रखा और फिर दोनों एक दूसरे से चिपक गये।

उस समय वह गाउन पहिने थी।

अब कपड़े उतार दो···। उसने बांड से कहा।

ओ० के० डार्लिंग।' बांड ने सूट उतार फेंका।

वह मदमस्त सी पलंग पर लेटी थी। बांड उसके पास लेट गया। उसके हल्के हाथों से जापानी लड़की के जिस्म को सह लाना शुरू किया।

जजबात धड़कते जा रहे थे।

वह उछल कर बांड से चिपकने लगी। कभी-कभी वह

बांड की गर्दन पर दांत गाड़ देती। बांड को लगा जैसे वह सिक्स के मामले में बहुत तीव्र है। जब वह बांड की देह पर दांत गड़ाती तो वह हल्की सिसकारी ले जाता।

उसने अपना गाउन स्वयं उतार फेंका।

बांड उसकी ब्रेसियर खोलने के बाद स्तनों को रगड़ने लगा था। वह लडकी को बार-बार अपनी भुजाओं में कसता जा रहा था।

यह खेल काफी देर तक जारी रहा।

यू आर वैरी हैंडसम बेबी ? बांड ने उसे सहवास के लिये राजी करते हुए कहा। अब मेरे जिस्म से लावा निकलने वाला है।'

ग्रेट बांड···हमारा यह नाइट गेम पूरी रात्रि चलना चाहिये

बांड ने उसे सख्ती के साथ दबाया। वह हल्की सिसकी ले गई। तुरन्त बांड का हाथ पीठ को मसलता हुआ उस पार-दर्शक कच्छे पर घूम गया जो युवती ने पहिना था।

बांड के जजबात भड़क चुके थे।

उसके माथे की रंगों में तनाव आ गया था। उसकी सांसे असहनीय थीं। बांड के हाथों ने बेचारे कच्छे की एक झटके में धज्जियां उड़ा दी। वह जैसे पशुता पर उतर आया था।

लड़की उछल पड़ी।

इतना क्रोध न करो डियर···बहुत धीरे-धीरे···मेरे जिस्म पर अंगार फेंको···किसी योरोपीयन के साथ यह पहिला अवसर है।

लड़की की कोमल जांघें सख्त होने लगी···उसके हाथों में तनाव आ गया···वक्ष की लालिमा बताती थी जैसे वह तनकर अंगारा बनना चाहती है। वह तेजी के साथ उठ गिर रहा था।

गले की रगें फूल गई।

लड़की तेज सांसों के दौर पर थी। उसका एक हाथ बैड स्वीच पर पड़ चुका था अंधेरे में जैसे दीप जल जाना चाहता था।

सैकड़ों बार बांड इस खेल का आनन्द पा चुका था।

नारी उसके जीवन में केवल मात्र खिलौना था।

सांसों का सैलाव उमड़ रहा था। युवती इस समय सिसकी ले रही थी। कभी-कभी वह कराह उठती उसका शरीर तपता जा रहा था।

बांड का खेल जारी था।

जापान की यह हैनी नाईट उसे आनन्द के सागर में ढकेले थी। टोकियों जैसे उसके लिये प्यार का तोहफा पहिले से ही तैयार था।

यही तो आज संसार के हर कोने में बिकता है।

नारी इसे खरे नोटों की खुशहाल के अलावा अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण समझती है और पुरुष ''जिसे शायद यह श्राप है कि तुम्हें इन सुखद क्षण का साझीदम रहना पड़ेगा।

एडवांस जमाये की एडवांस रस्में पूरी हो रही थी।

और ब्रिटिश इन्टैलीजेन्स डबल जीरो सेविन के लिये यह एक टानिक था। जिसके बिना उसकी आधी अक्ल गायब रहती थी।

वह सांसों का सैलाव टूट गया।

दोनों अर्धचेतन अवस्था में एक दूसरे पर गिर गये अब भी वह एक दूसरे से लिपटे थे। बांड अब उससे हल्की-फुल्की शरारत कर रहा था।

कमरे की रोशनी जला दी गई थी।

× × ×

मास्टर रॉकिंग सचमुच अच्छा दोस्त साबित हुआ। वह

अन्तरराष्ट्रीय गर्ल्स सप्लायर था। एक देश की लड़की दूसरे देश में स्मगल करना उसका पेशा था। मास्टर किंग ने अपनी छोटी सी कहानी बताई।

उसका जन्म भारत में हुआ था।

बाप के पास काफी सम्पत्ति थी सो उसे इंगलैंड पढ़ने भेजा गया। जहां एक योरोपियन लड़की उस पर मर मिटी—दोनों के प्यार सम्पर्क चले उसने लड़की से शादी की और भारत आ गया।

बाद में पता चला कि वह लड़की उसकी सम्पत्ति पर हाथ साफ करना चाहती थी। बाप का कत्ल रहस्य मय ढंग में हुआ प्रमाणित यह हुआ कि बाप ने आत्महत्या की थी।

लेकिन वास्तव में यह कार्य उस लड़की का था।

वह किसी दूसरे से प्यार करती थी।

एक दिन जब समस्त जायदाद हथियाने के लिये उसके कत्ल की योजना बन रही थी। तब उसी रात उसने अपनी पत्नी का कत्ल कर दिया। उसका प्रेमी जो कि पत्नी के भाई के रूप में जाना चाहता था। उस रात नहीं था। उसने क्रोध में उसका भी सफाया कर दिया और रातों रात तिजोरी का काफी धन लेकर चम्पत हो गया।

एक अपराध से बचने के लिये उसे अनेक अपराध करने पड़े।

इसे नारी जाति से सख्त नफरत हो गई थी। नारी के जिस्म के खेल उसे कुचल देना उसकी हावी बढ़ती गई और एक दिन वह इसी की कमाई खाने लगा। वह किसी भी सुन्दर लड़की को ब्लफ और लालच में फंसाकर दूसरे राष्ट्र ले जाता और वहां अपने पक्के ग्राहकों के हाथ बेच देता।

आजकल उसका अड्डा जापान में बन गया था।

लड़कियों के मामले में वह काफी दक्ष और प्रसिद्ध व्यक्ति हो गया था अतः टोकियो कि एक होटल मालिक ने उसे अपना असिस्टैन्ट मैनेजर बना लिया। काफी लम्बी तगड़ी रकम मिलती थी। यह मजे में अपना समय काट रहा था।

उस होटल में पहुंचने के बाद उसने अनेक युवतियों को होटल मालिक तक पहुंचाया था किन्तु यह आश्चर्य था कि उसने उन लडकियों की सूरतें दोबारा नहीं देखी थीं।

बहुत जल्द उसे मालूम हो गया कि होटल का मालिक किसी भयंकर टोली से सम्बन्ध रखता है वह एक ऐसा संसार का प्रसिद्ध गेंग है जो किसी वैज्ञानिक शक्ति के लिये संसार के प्रत्येक कौने में कार्य कर रहा है।

उसी होटल में एक एजेन्ट की मृत्यु हुई।

और तब बांड का आगमन हुआ।

मास्टर किंग बांड़ से पहिले ही प्रभावित था। वह जानता था बांड ससार का प्रसिद्ध जासूस है। ऐसे शानदार इंसान को वह चींटी की तरह मरता नहीं देखना चाहता था। उसने बांड के आगमन से ही फैसला कर लिया था कि वह उसकी सहायता करेगा।

'मास्टर किंग का वास्तविक नाम तो कुछ और था मगर अब वह सभी नामों को त्याग कर इसी नाम से प्रसिद्ध हो चुका था।'

इस समय वही मास्टर किंग उसके सामने बैठा था।

'हूं'''अच्छी मुलाकात हुई—तुम मेरे लिये काम के आदमी हो। मैं यह भी जानता हूं कि भारतीय लोग काफी वफादार होते हैं। इस मित्रता से मुझे बेहद प्रसन्नता हुई।

यह तो मेरा सौभाग्य है बांड जो तुम्हारी सेवा करने का अवसर मिला टोकियो में मेरे रहते हुये तुम्हारे ऊपर कोई आंच

नहीं आ सकती किसी जमाने में मुझे भी जासूसी का शौक था मगर'''।

किस्मत ने साथ नहीं दिया। इतना कहकर बांड हंस पड़ा।

लगता है अब किस्मत जोर पकड़ रही है—मैं कई वर्ष से अपने वतन नहीं गया हूं। एक बार कोशिश करूंगा कि तुम्हें भारत अपने साथ ले जाऊं।

जीवित रहा तो'''।

अभी मरने का प्रश्न पैदा नहीं होता।

'हां यह बताओ कि'''यह नाशा कहां रहता है। मेरा मतलब इसका अडडा कहां है।

लेकिन वास्तविकता क्या है। रात से ही तुम्हारी तलाश में पूरे टोकियो की छानबीन शुरु हो गई है। अभी तक उन लोगों को मुझ पर संदेह नहीं हुआ अन्यथा हो सकता था कि मुझे अब तक समाप्त कर दिया जाता वैसे मैं आजकल पूरे इन्तजाम से रहता हूं।

'चक्कर तुम्हें बाद में समझा दूंगा। फिलहाल इस समय नाशा से अपना काम शुरु करना है। क्या तुम मेरा साथ दोगे''।'

'अरे वाह बांड—क्या बात कह दी'''यह भी कोई पूछने की बात है।'

तब नाशा'''।

'ठहरो''नाशा से अकेले मिलना चाहते हो या उसके अड्डे में दाखिल होना। अड्डा बहुत खतरनाक है कमबख्त यहां का जादूगर माना जाता है। उसकी इमारत में न जाने किस किस प्रकार के वैज्ञानिक यंत्र फिक्स हैं अनजाने में आदमी कहीं भी धोखा खा सकता है। निचले भाग में एक बार रेस्टोरेन्ट है।

जो दिखावे में दूसरे का है मगर वास्तविकता यही है कि इसका मालिक नाशा है।

'उसके अड्‌ड में दाखिल होना तो खतरनाक है। वह मुझे आसानी से पहिचान जायेगा।'

वैसे अगर कहो तो अपनी कुछ करामातें दिखाऊं'''मैं जब किसी दूसरे देश में जाता हूं तो मेरे पास उस देश का फेस मेरा मतलब है रेडीमेड फेस अवश्य होता है। अगर कहो तो मैं आपको'''।'

'जापानी बनादूं'''बांड ने उसका वाक्य पूरा किया और हां-यही उपयुक्त भी रहेगा। अब मेरा असली सूरत में रहना खतरनाक होगा।'

वह दोनों चूंकि एक टाइप के इंसान थे अतः मित्रता काफी गहरी हो गई। बांड को अपनी प्रथम रात्रि से ही ज्ञात हो चुका था।

मास्टर किंग एक अलमारी के पास पहुचा। उसने आलमारी को खोला और बांड को अपने पास आने का संकेत किया आलमारी में विचित्र ढंग की पोशाकें और एक अलग खाने में रेडीमेड बारीक झिल्लियां पड़ी थी।

इसके अलावा प्लास्टिक मेकअप वस्तुयें भी थीं।

'मै स्वयं चुनकर लूंगा।'

इतना कहकर बांड ने सर्वप्रथम कपड़ों को टटोला। हैंगर से एक भारी जेकेट और विचित्र ढंग की पतलून इत्यादि निकाल कर अलग रख दिया। लालरंग का स्कार्प भी खींचा उसके बाद वह मेकअप की वस्तुओं को टटोलने लगा।

वह शीशे के सामने खड़ा होकर प्रत्येक मेकअप को परख रहा था।

अन्त में एक गुण्डे जापानी का फेस उसे पसन्द आया।

उसने चेहरे पर उसे फिक्स किया। कनपटियों से बनावटी पर्त महसूस न हो उसके लिये उसने कैंची से बाक्स में रखे बालों को काटना शुरू किया। वह स्वयं भी इस कुल का लगता था। बाल चेहरे पर चिपटने लगे।

उसके बालों का स्टायल पूरी तरह बदल गया था। बाल कुछ आवश्यकता से अधिक बड़े नजर आने लगे। कटिंग की कलम काफी लम्बी आकार आधे गालों को ढक गई।

उसने बालों को पूरी तरह फिक्स करने के लिये एक बार कैंची घुमाई उसके बाद जब उसने अपना फेस देखा तो वह पूरी तरह बदल चुका था।

शक्ल जापानी गुण्डे जैसी बन चुकी थी।

उसने अपने वस्त्र भी बदल डाले।

मास्टर किंग उसे जैकेट की गुप्त जेबों का ज्ञान कराता रहा। दोनों आस्तीनों में स्प्रिंग वाले चाकू फिट थे जो केवल हाथ झटकने से ही खुल जाते थे।

सबसे बड़ी विशेषता जैकेट के चैन में थी। चैन काफी मोटी और वजनदार थी।

तुम्हारी निगाहें सचमुच कमाल है बांड...उस जैकेट को मैं विशेष अवसरों पर इस्तेमाल करता हूं। इसे मैंने एक अमेरिकन गुण्डे से दो हजार डालर में खरीदा था। चेन पर खास खास जगह निशान बने हैं जिनसे यही आभास होता है कि यह चेन की शोभा के लिये बनाये गये हैं मगर इन निशानों की वास्तविकता कुछ और है।

सबसे ऊपरी निशान हरा। चेन जिस वक्त इसके ऊपर स्थिर होगी उस समय इसके हुक के दायीं तरफ प्रेस करने से जैकेट में एक बारीक सुराख बन जाता है...उस स्थान पर एक कम पावर का टार्च बल्ब है सेल भी एक ही है यह बल्ब तुरन्त

जल जायेगा और अंधेरे में उससे पेंसिल टार्च का काम ले सकते हो। ठीक दो इंच नीचे लाल रेखा है। इस पर चेन बायीं तरफ प्रेस करने से जेकेट में छिपा एक कैप्सूल स्वयं फट जायगा और उससे इस प्रकार की गैस बाहर निकलती है जिससे पांच गज तक के फासले वाला इन्सान एक मिनट में चेतना शान्त हो जायेगा मगर उस मिनट के दौरान जैकेट वाले को सांस रोकना पड़ेगा। अन्यथा वह भी बेहोश हो जायेगा। इस की पक्ति में पांच कैप्सूल है अर्थात तुम पांच बार प्रयोग कर सकते हो। इससे अधिक कैप्सूल नहीं रखे जा सकते। वह गैस अदृश्य होती है। तीसरा पीला निशान स्मोक कैप्सूल का है वह भी संख्या में पांच हैं दांयी तरफ प्रेस देते ही एक सौ वर्ग गज तक गहन धुवां फैल जायेगा उस धुवें से कोई भी लाभ उठा सकते हो। एक बार फिर समझ लो—हरा रंग दांये दबेगा...लाल बांये...और पीला दांये... आस्तीन को झटका दोगे तो स्प्रिंग वाले चाकू हाथ में आ जायेगे।'

बांड ने जैकेट की सभी विशेषतायें अच्छी प्रकार समझ लीं।

बांड ने स्कार्फ बतरतीवी से गले में बांधा।

इस समय शाम के पांच बजे हैं हम दोनों तीन घण्टे टोकियो नगर घूमेंगे...देखना सिर्फ यह होगा कि कोई हमसे दिलचस्पी लेता है या नहीं...मुझे एक बार होटल भी जाना है—मैं होटल मालिक को तुम्हारा जो परिचय दूंगा उससे काफी प्रभाव होगा।'

'और अगर मैं अकेला रहूं तो...।'

'तो—।' किंग कुछ सोचने लगा।

'यह ठीक रहेगा किंग...मैं नाशा के बार में अकेला जाऊंगा...चाहो तो तुम अपने साथ किसी लड़की को रख सकते हैं। तुम सिर्फ नाशा को किसी तरह खबर पहुंचा देना कि

जापान के किसी पूर्वी नगर का नामी गुण्डा आजकल यहां आया हुआ है। हुलिया मेरा बता देना—हो सकता है वह मुझसे दिलचस्पी ले और तुम्हें बार में मुझे पहिचानने के लिये बुलाये फिलहाल तुम यह कहना कि मैं तुम्हारा पक्का यार हूं—फिर मैं स्वयं वहां के रंग ढंग देख लूंगा।'

जसी तुम्हारी इच्छा।

'लड़की ऐसी हो जिसे नाशा न जानता हो।'

'ऐसा ही होगा गुरु...।'

उसके बाद कोई विशेष बात नहीं हुई।

कुछ समय उपरान्त ही बांड की कार टोकियो की सड़कों पर चक्कर काट रही थी। उसने नाशा के अड्डे का पूरा पता मास्टर किंग से ले लिया था।

इस समय कार वह स्वयं ड्राइव कर रहा था।

इस समय उसके बराबर में जो लड़की बैठी थी यह वही लड़की थी जिसके साथ बांड ने रात गुजारी थी। बांड की उंगली उसकी जुल्फों पर चकरा रही थी। वह अपनी शरारत जारी किये था।

एक साधारण रेस्टोरेन्ट में बैठकर जलपान किया।

किसी तरह बांड समय गुजारना चाहता था। उसे आठ बजे से पहिले नाशा के अड्डे में दाखिल नहीं होना था। आठ बजे तक वह टोकियो जैसी महानगरी के प्रमुख स्थानों में घूमता रहा।

ठीक आठ बज कर पांच मिनट पर उसकी कार एक तिमेजली इमारत के पोर्च में जा रुकी। निचला खड काफी विशाल रेस्टोरेन्ट था देखने से वह पूरा होटल महसूस होता था।

ऊपर दो मंजिलो में अंधेरा था।

रेस्टोरेन्ट में लोगों का आना जाना था। कुछ समय में ही

बांड ने यह परख लिया कि वहां आने वाले अधिकतर लोग गुन्डे है।

इंसान की शक्ल ही असलियत का आभास दिला देती है। बांड वैसे भी पारखी इंसान था।

दोनों कार को लॉक करने के बाद रेस्टोरेन्ट के सदर द्वार में प्रविष्ठ हो गये। उन्होंने एक खाली मेज की शरण ली। कुछ स्थाई गुन्डों ने उसकी तरफ उचटती निगाह से भी देखा।

बांड इस समय सफल अभिनय कर रहा था।

गले में बंधा लाल स्कार्फ बेतरतीबी से झूल रहा था। जैकेट की आधी चेन बन्द थी। उसकी चाल में गर्व की झलक थी। वह जापानी लड़की की नाजुक कमर में बांह फंसाये था।

बांड की आंखों में चमक और होठों पर मुस्कान थी।

मेज पर बैठने के बाद बांड के आगे एक वेटर ने मीनू सरका दिया। उस पर जापानी एवं अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में रेस्टोरेन्ट में उपलब्ध वस्तुओं की सूची थी।

बांड ने मीनू अपनी पार्टनर की तरफ सरका दिया।

जापानी लड़की का नाम मालासी था। बांस अब तक उस के बारे में बहुत कुछ जान चुका था। वह मास्टर किंग के संकेतों पर नाचने वाली पर्स्ट गर्ल थी जिसका कार्य केवल मालदार आसामी को फांस कर उसे कंगाल बना देना था।

मास्टर किंग की तरफ से उसे काफी रकम मिल जाया

करती थी, जिससे वह रईसाना ढंग से अपना जीवन गुजार रही थी।

नगर में ऐसी बहुत सी लड़कियां थीं जिनकी कोई न कोई कमजोरी 'मास्टर किंग को ज्ञात थी, अतः किंग उनसे मनमाना कार्य ले लेता था। कुछ दिनों के बाद उसके व्यापारी में स्थाइत्व आ गया था। वह टोकियो में रह कर ही अपना कार्य आसानी से कर लेता था।

जिन लड़कियों से मास्टर किंग कार्य लेता था, उनके साथ वह कभी नगर में घूमते नहीं देखा गया था। यही उसकी विशेषता थी। अतः यह जान पाना कठिन हो जाता था कि किंग किसको ब्लैक कर रहा है।

मालासी ने व्हिस्की की बोतल और सोड़ा इत्यादि मगाने का आदेश दिया। बांड इस रेस्टोरेन्ट का निरीक्षण कर रहा था। वह एक बार टहलता हुआ बाथरूम की तरफ भी गया।

फिर वापिस आकर अपनी सीट पर बैठ गया।

रेस्टोरेन्ट के दो पोर्शन और भी थे। जो उस समय बन्द नजर आ रहे थे। इसी हाल से जुड़ा एक और भी हाल था, जिसमें छोटे बड़े केबिनों का सिलसिला बंधा था।

बेयरा जब आर्डर लेने मेज पर आया तो बांड ने मालासी को बायीं ओर दबाकर सकेत किया।

मालासी ने इत्मीनान के साथ बेयरे की हथेली को इस ढंग से दबाया कि बांड देख न सके। बेयरा कुछ चौंका उसने मालासी के सुन्दर चेहरे को देखा—मालासी के होठों पर मादक मुस्कान थी।

न जाने क्यों बेयरा भी मुस्करा पड़ा।

'मेरा एक काम करोगे।' मालती ने धीमे स्वर कहां।

अ'''जी मेडम''''''कहिये क्या काम है?'

'मुझे लेडीज बाथ रुम में ले चलो—मैं यहां नई हूं—बाथरूम का रास्ता मालूम नहीं है।' मालासी ने बायीं आंख दबाने के साथ ठण्डी आह भी भरी।

'अ'' आइये'''।' बेयरा कुछ न समझ कर बोला।

'क्या बात है ?' इस बार बांड ने पूछा।

ओह कुछ नहीं डियर—मैं जरा बेयरे से लेडीज बाथरूम का मार्ग पूछ रही थी—क्या मैं जा सकती हूं।'

'श्योर'''। लेकिन जल्दी आना।'

'ओ० के० ?'

मालासी लचक कर उठ खड़ी हुई। अब बांड वहां अकेला रह गया था।

बेयरा मालासी को लेकर बाथरूम पहुंच गया। वहां उस समय कोई नहीं था। बेयरा दरवाजे के बाहर खड़ा हो गया। मालासी अन्दर दाखिल हुई—उसने मुड़कर झटके के साथ बेयरे को अन्दर आ जाने का सकेत किया।

बेयरे के होंठों पर लार टपकने लगी।

'दरवाजा बन्द कर दो।' मालासी ने कहा।

बेयरे ने तत्काल अन्दर कदम रखा और दरवाजा बन्द कर दिया। मालासी ने उसे अपने करीब आने का संकेत किया।

'उस हरामी के पिल्ले से मैं परेशान आ गई हूं।' मालासी ने रुंधे कंठ से कहा, 'मैं इस शहर में नयी हूं—उससे पिन्ड छुड़ाना चाहती हूं'' तुम सचमुच काफी सुन्दर जवान हो—मुझ जैसी लड़की को तुम्हारी बाहों में रहना चाहिये।'

'अ''' जी मैं''' आप मजाक तो नहीं कर रहीं हैं।'

'हाय, तुम मजाक समझ रहे हो।' मालासी ने उसके गले में दोनों बाहें डाल दीं, और फिर उसके होंठ कांपे। उसने झटके के साथ बेयरे के गाल चूम लिये'' बेयरे की सांसे तेज हो गईं।

उसने मालासी को अपने घेरे में ले लिया।

चुम्बनों का आदान प्रदान होने लगा।

'मुझे यहां से ले चलो—फिर जिन्दगी भर ऐश करेंगे।

'तुम चिन्ता मत करो।' बेयरा बोला, 'वह कौन है ?'

'बड़ा भारी बदमाश है।'

'हूं बदमाश ! अगर तुम कहो तो मैं उसे यहां से निकलने भी न दूंगा। बस—बास को इतना कहना होगा कि एक सन्देह जनक आदमी हाल में बैठा है। वह फिर हाल से बाहर जा भी नहीं सकता।

'बापरे···तो तुम उससे भी।'

'मैं नहीं बल्कि हमारा बास···।'

'तुम्हारा बास कौन है ?

'नाशा ?'

'मगर मैं समझती हूं—नाशा उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। वह बीस आदमियों को एक साथ काट सकता है।'

'तुम अभी हमारे बास को नहीं जानती···खैर अब उसका सफाया समझो।'

'नाशा कहां मिलेगा इस समय ?'

'वह तीसरी मंजिल पर मौजूद है केवल फोन करने की देरी है। हाल के तमाम रास्ते बन्द हो जायेंगे।'

'तुम मुझे सचमुच बचा लोगे न··· ।'

'अब तुम हमेशा मेरी ही बनकर रहोगी।'

'मगर मैं यहां से बाहर कैसे निकलूंगी। मैं उसे अपनी आंखों के सामने मरता देखना चाहती हूं। तब तक मुझे यहीं छिपा दो। क्या यहां ऐसा कोई स्थान नहीं है ?'

'वह कुछ सोचने लगा।'

'बोलो—मौन क्यों हो गये ?

'बास नाराज हो जायेंगे। एक तरकीब हो सकती है। क्यों न तुम दोनों को बास तक पहुंचाया जाय और जब उसको वहीं घेर लिया जायेगा, तब तुम आसानी से मेरे साथ बाहर निकल सकती हो। तुम बास के सामने यही बताना कि यह तुम्हारा अपहरण किये है और तुम मुझे पहिले से जानती हो। मैं स्वयं बास से कह दूंगा कि एक खतरनाक आदमी मेरी प्रेमिका को जबरदस्ती घर से उठा लाया है। बाकी काम मेरा रहा। बास वैसे भी लड़कियों के प्रति काफी दयालु है।'

'हां यह स्कीम ठीक रहेगी।'

'अब क्या हम दोनों यहीं थोड़ा समय बितायें'''।'

'ओह—वह बहुत शक्की है'''बस कुछ देर की बात है, फिर तो हम तुम'''।

मालासी मुस्कराई।

बेयरे ने उसका एक और चुम्बन लिया।

'अच्छा—अब अपना कार्य करने जाता हूं—तुम अपनी जगह पर बैठ जाओ।'

बेयरा इतना कहकर बाहर चला गया। मालासी ने बुरा सा मुंह बनाकर अपने होंठों और गालों को पानी से धोकर साफ किया। चेहरे को सुखाने के बाद वह बाथरूम से बाहर निकल गई।

अपनी मेज पर पहुंचकर उसने वैनिटी बैग खोला।

'चेहरे का मेकअप ठीक करने के बाद इत्मीनान की सांस ली।'

वह धीमे-धीमे स्वर में बांड से बातें करने लगी। बांड केवल खामोशी के साथ उसकी बातें सुनता रहा। उसके बाद दोनों ने व्हिस्की के पैग उठा लिये। इस दौरान बांड की नजरें चारों तरफ का निरीक्षण करती रहीं।

उसने यह भी महसूस किया कि दो चेहरे उसके इर्द-गिर्द की मेज़ों पर आकर जम गये हैं। उन सब का रुख बांड की तरफ था।

कुछ देर बाद ही पुनः वह वेटर बांड की मेज़ पर आकर रुका।

'माफ कीजियेगा आपका नाम क्या है ?' वेटर ने नम्र स्वर में बांड से पूछा।

'क्यों ?' बांड ने तीखी नजर से घूरते हुये कहा।

'जी'''शायद आपका फोन आया है। फोन पर आपका नाम बताया था। मगर मैं भूल गया। वैसे हुलिया बिल्कुल आपका बताया था। यह भी कहा गया था कि आपके साथ एक लड़की'''।'

'किसका फोन है ?' बांड ने पूछा।

'नाम नहीं बताया था सर ? हो सकता है किसी दूसरे सज्जन का फोन रहा हो—अगर आप अपना नाम दें तो बात साफ हो जायेगी।'

'मेरा नाम पेवान लांग है।

'ओह लांग''''''जी श्रीमान बिल्कुल यही नाम बताया था।'

'तुम ठहरो माला मैं देखकर आता हूं।' इतना कहकर बांड उठ खड़ा हुआ। उसने जेब से सिग्रेट केस निकाला। एक सिग्रेट सुलगाने के बाद वह आगे बढ़ गया। वेटर ने अर्थपूर्ण मुस्कराहट से आलमारी को देखा और बांड के पीछे-पीछे चला गया।

काउन्टर के पीछे छोटा फोन केबिन था।

'मिस्टर पेवान लांग ?' वेटर काउन्टर मैन से कहा।

'आपका फोन है—।' काउन्टर मैन ने केबिन की तरफ संकेत किया। बांड ने सिग्रेट को बूटों से कुचला और फोन

केबिन में दाखिल हो गया। रिसीवर होल्ड आन था। बांड ने रिसीवर उठाकर कानों से सटा लिया।

'हैलो'''पेत्रान लांग स्पीकिंग ?'

हैलो लांग——आज इस रेस्टोरेन्ट में कैसे भटक आये।' दूसरी तरफ से किसी का भारी स्वर सुनाई दिया।

'कौन बोल रहा है ?'

'नाशा ?'

'कौन नाशा ?'

'अजीब बात है। अभी-२ मास्टर किंग का फोन आया था तुम्हारी काफी प्रशंसा की गई थी। तुम जैसा इन्सान मेरे नाम से परिचित न हो यह बात जरा आश्चर्य की है।'

'क्या बकवास है—कौन हो तुम ?'

'नाशा——इस रेस्टोरेन्ट का मालिक——टोकियो का शैतान नाशा——मेरा परिचय इतना ही बहुत है। वह जो तुम्हारे साथ लडकी थी न——अब तुम्हें अपनी मेज पर नहीं मिलेगी। वह मेरे पास एक मिनट बाद पहुंचने वाली है—— फोन मत रखो—पहिले मेरी पूरी बात सुन लो।'

'फोन नहीं रख रहा हूं नाशा की दुम—तुम्हें जो बकना है—जल्दी बको—।'

'काफी जिन्दादिल मालूम देते हो ?'

'मेरी जिन्दादिली का प्रमाण तुम्हें बहुत जल्द मिल जायेगा। खैर इस वक्त तो तुम्हें बहुत शराफत से काम करना होगा। वह लड़की मुझ तक पहुंच रही है और तुम्हें उसे पुनः पाने के लिये मेरे पास आना होगा।

बांड हंस पड़ा।

'हंसी में मत जाओ।'

'नाशा डियर'''''तुम उल्लू के पट्ठे हो।'

'शटअप...।'

'यू शटअप नानसेन्स......क्या मैं उस लड़की का अचार डालूंगा। मेरे एक इशारे पर टोकियो की सारी लड़कियां कदमों में झुक सकती हैं—तुम उससे सोने का अन्डा पैदा कर लेना।

'इसका मतलब तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो ?'

'मजाक नहीं है—बल्कि एक बदमाश दूसरे से यह पूछना चाहता है कि लड़की का चक्कर छोड़ कर असलियत बयान करे......बच्चों के तमाशे मुझे पसंद नहीं—तुम मुझसे मिलना चाहते हो मगर क्यों...?'

'मैं तुमसे अपने जूते साफ करवाऊंगा।'

'कहीं ऐसा न हो कि तुम्हारे जूते साफ होने की बजाय बाल साफ हो जायें...।'

'इसका मतलब तुम सीधे रास्ते से बाज नहीं आओगे।'

'धौंस मत दो नाशा—तुम्हारे जैसे बच्चे मेरी जेब में उछल कूद मचाते हैं। मान लिया मैं तुमसे नहीं मिलना चाहता फिर तुम क्या करोगे ?'

'गोली...।'

'कहां से बोल रहे हो ?'

'तीसरी मंजिल से......।'

'वो गोली तीन छतों को चीरती हुई मेरी खोपड़ी में समा जायेगी—क्यों...?' बांड ने व्यंगपूर्ण स्वर में कहा।

'खैर चहकते रहो—अब तुम कबिन सहित मेरे पास आ रहे हो...।'

बांड चौंका......फुर्ती के साथ वह केबिन के दरवाजे तक पहुंचा—मगर तब तक वह सब कुछ हो चुका था, जिसकी उसे आशा नहीं थी। केबिन का दरवाजा बन्द हो चुका था। और वह किसी लिफ्ट के समान ऊपर उठ रहा था।

बांड ने ठन्डी साँस ली।

इसकी आशा उसे पहिले से ही थी। मास्टर किंग ने उसे बताया था कि नाशा का अड्डा वैज्ञानिक तिलस्म है—लिफ्ट नुमा केबिन का उठना उसके लिये आश्चर्य की बात नहीं थी।

इस समय वह नाशा से मिलना चाहता था।

मालासी पूरी योजना पहिले ही बना चुकी थी। फिलहाल बांड खतरे में अवश्य था किन्तु इतना नहीं कि नाशा उसे आसामी से समाप्त कर दे—अगर उसे समाप्त करना होता तो इस प्रकार का निमन्त्रण नहीं देता।

बांड के बूट की ऐड़ी में छोटे आकार का टाइम बम भी फिट था, जिसका स्वीच वह अवसर आने पर दबा सकता था। स्वीच दबाने के ठीक एक घन्टे बाद बम फट जाता। इस जबर-दस्त मिशन पर उसने ऐसी खतरनाक वस्तुओं को अपने साथ रखना आवश्यक समझा था। कुछ देर बाद लिफ्ट रुक गई।

लिफ्ट का दरवाजा खुल गया। सामने दस इन्सान दो कतारों में खड़े थे। उन सभी के हाथों में मशीनगन थीं। मशीनगनों का रुख बांड की तरफ था।

'बाहर निकलो...।' नाशा का भारी स्वर गूंजा। ऐसा जान पड़ा जैसे अनेक स्थानों पर दिवारों के अन्दर माइक फिट किये गये हैं—वह आवाज सम्पूर्ण चौड़े गलियारे में गूंजी थी।

बांड दोनों जेबों में हाथ डालता हुआ बाहर निकल गया।

'अपने हाथ ऊपर ऊठाओ।' नाशा का दूसरा आदेश गूंजा, 'अन्यथा तुम्हारे शरीर पर कई सुराख हो जायेगें।'

बांड ने दोनों हाथ उठा दिये।

'ठीक अब नाक की सीध में चलते आओ।'

बांड को महसास हो गया कि सारा दृश्य टेलीविजन पर देखा जा रहा है। नाशा अपने कम में बैठा-२ यह करतब

दिखा रहा था। बांड के लिये यह चकित कर देने वाली बात नहीं थी।

'वह लापरवाही से बढ़ने लगा।'

दसों व्यक्ति उसके पीछे कतार बांधे चलने लगे। बांड ने कनखियों से उनका निरीक्षण किया—वह काफी चौकन्ने थे। फिलहाल बांड इस समय किसी करतब को दिखाने के मूड में नहीं था।

चौड़े गलियारे के अन्त में दीवार थी, जो इस समय बन्द थी। बांड उसी स्थान पर रुक गया। सहसा दीवार दो भागों में विभाजित हुई। उसके मध्य बनने वाली दरार चौड़ी होती चली गई।

अन्दर चकाचौंध कर देने वाला प्रकाश था।

वह एक बड़ा हाल था। हाल में चारों तरफ विचित्र प्रकार की अलमारियां थी। उन सभी आलमारियों पर नम्बर अंकित थे। इसके अलावा मध्य भाग में कुछ फर्नीचर भी पड़ा था।

'नम्बर सात आलमारी के पट खुले हैं—उसमें प्रविष्ट हो जाओ।'

बांड ने सरसरी दृष्टि से सभी आलमारियों को देखा और फिर उसकी निगाह नम्बर सात पर जम गई।

'कमाल है बाबा—क्या तुम्हें मिलने के लिये इतनी टैक्निक दिखानी आवश्यक है!'

'बकवास मत करो''''''चुपचाप मेरे आदेश का पालन करो।'

बांड मुस्कराता हुआ नम्बर सात आलमारी में प्रविष्ट हुआ। झटके के साथ आलमारी के द्वार बन्द हो गये। बांड का मुंह इस समय दूसरी तरफ था—वैसे द्वार बन्द होने की आवाज उसने भी सुनी थी।

आलमारी में गुप्प अन्धकार था।

वह धीरे-२ खिसक रही थी। आलमारी के रुकते ही पिछला भाग खुल गया। बांड ने अब अपने को एक दूसरे कमरे में पाया। वह आलमारी से बाहर निकल गया। अभी वह वातावरण का निरीक्षण भी नहीं कर पाया था कि उसके मुंह से चीख निकल गई।

बस एक ही चींख ।

और फिर बान्ड लहरा कर फर्श पर औंधे मुंह गिर पड़ा। उसके हाथों में किसी धातु के दस्ताने चढ़े थे बांड से सिर पर उसका केवल एक हाथ पड़ा था।

बांड अब फर्श पर चेतना शून्य पड़ा था।

उस भयानक शक्ल के व्यक्ति ने उसे निहारा और फिर ठहाका मार कर हंस पड़ा। एक बूट की ठोकर उसने बांड के चेहरे पर और जड़ दी।

'इसकी पूरी तलाशी लो।' अपनी भाषा में नाशा का स्वर पुनः उस कमरे में गूंजा।

उस इन्सान ने तीन बार सिर झुकाया।

'ओ० के० मोसियो?' उसके मुंह से निकला। फिर उसने अपने दस्ताने उतार कर बांड की तलाशी लेना शुरू किया। जेब में रिवाल्वर और सिग्रेट केस निकाल कर वह जैकेट की जेब खोलने जा ही रहा था कि अचानक उसके कंठ से भी चीख निकल गई।

वह चारों खाने चित गिरा।

कदाचित उसे यह उम्मीद नहीं थी कि उसके वार से बेहोश हुआ व्यक्ति पुनः होश में आ सकता है। जबकि वास्तविकता कुछ और थी।

बांड को अपने पीछे आहट महसूस हो चुकी थी। उसी

क्षण वह झुका भी था। सिर पर हाथ तो टकराया किन्तु वार पूर्णतया सफल नहीं बैठा था।

इतना अवश्य था कि बांड की चीख निकल गई थी। किन्तु वह चेतनाशून्य नहीं हुआ था। कुछ पल तक वह आंखें मूंदे रहा और अवसर पाते ही उसने अपने ऊपर झुके व्यक्ति को पूरी शक्ति के साथ पैरों से उछाल दिया। उसी भयानक फुर्ती के साथ बांड ने उस पर छलांग लगा दी।

लेकिन तत्काल ही उसे अपनी गलती का आभास हुआ।

उस इन्सान में भैंसे जैसी शक्ति थी। उसने बांड की गर्दन में बांह फंसाकर जबरदस्त झटके देने शुरु किये। जिस रिवाल्वर को उसने बांड की जेब से निकाला था। वह काफी दूर जागिरा था।

दो ही झटकों में बांड को लगा कि गर्दन टूट जायेगी।

अचानक उस व्यक्ति ने करवट ली।

बांड के दोनों हाथ भी उसकी गर्दन पर लगे थे। उसका चेहरा पसीने से भीग गया था। आंखें बाहर को उबली पड़ रही थीं। गर्दन को तीसरा झटका लगा साथ ही वह व्यक्ति बांड को उछालकर खड़ा हो गया।

बांड दीवार से टकरा गया।

इस भयानक परिस्थिति में वह अपनी चेतना नहीं गंवाना चाहता था। उसने स्थिति को देखा। वह देवकाय शरीर का इंसान दोनों हथेलियों को सीधाई में ताने उसकी तरफ धीरे-धीरे अग्रसर हो रहा था। उसके होंठों पर हिंसक मुस्कान थी।

बांड की निगाह दूर पड़े रिवाल्वर पर जमी।

अचानक उस व्यक्ति ने पुनः बांड पर हमला कर दिया।

फुर्ती के साथ बांड करवठ ले गया। वह दीवार से दोनों हाथ फैलाकर टकरा गया। बांड ने उसके दोनों पैरों पर ठोकर मारी और औंधे मुंह वहीं पर गिर पड़ा। मगर इस चक्कर

में उसने बांड की एक टांग पकड़ ली थी।

उसने टांग मरोड़ कर झटका दिया।

पुनः बांड की चीख निकल गई।

वह इस बार एक मेज से टकरा गया। उसका पूरा दिमाग झनझना गया। अब तक वह पूरी तरह समझ चुका था कि हाथापाई में उस भैंसे से जीत पाना कठिन ही नहीं बल्कि असम्भव है। उसकी देह फौलादी सांचे में ढली थी और जब तक बांड मेज से उठ पाता वह दोबारा उस पर सवार हो गया।

अगर बांड थोड़ा फिसल न गया होता तो निश्चित रूप से उस भारी मेज के नीचे दब जाता। उसकी आंखों के आगे अन्धकार सा छा जाने लगा। वह जानता था बेहोश होने के बाद उसका मेकप भी हटाया जा सकता था, जिससे उसकी स्थिति और भी खतरे में फंस जाती।

वह फुर्ती से उठ खड़ा हुआ।

अब वह बहुत सम्भल कर खड़ा हो गया था।

उधर देवकाय शरीर वाले ने भागकर रिवाल्वर उठा लिया। रिवाल्वर का रुख बांड की तरफ करता हुआ वह सीधा खड़ा हो गया।

उसने उसी पोजीशन में अपने फौलादी बड़े दस्ताने उठाये। तुरन्त रिवाल्वर बेल्ट में ठूंसकर उसने द ताने पहिन लिये।

बांड अब उससे भिड़ना नहीं चाहता था। वह उस व्यक्ति को परास्त करने के लिये कोई आसान तरीका बना रहा था। दस्ताने की आधी चोट वह पहिले भी खा चुका था।

अब वह संभला।

कहकहा लगाता हुआ वह इन्सान बांड की तरफ बढा।

कमरे में दो कुर्सी भी पड़ी थी। बांड ने तुरन्त एक कुर्सी को उठा लिया और पोजीशन बनाकर खड़ा हो गया। वह

व्यक्ति बेहिचक आगे बढ़ता रहा। बांड ने सहसा पूरी शक्ति से कुर्सी उस पर फेंक मारी। कुर्सी उसके शरीर से टकराई किन्तु उससे जरा भी प्रभाव उस पर नहीं पड़ा।

उसकी हंसी दुगनी हो गयी।

सहसा बांड की निगाह उसकी लम्बी चोटी पर पड़ गई। उसने अपने बालों के पीछे मोटी चोटी बांध रखी थी। वह अब भी दोनों हाथ ताने बढ़ रहा था। सहसा उसने हाथ घुमाया।

बांड झुका और पूरी शक्ति के साथ उसके पेट पर टक्कर मार गया। वह लड़खड़ाया। अचानक बांड का हाथ उसकी चोटी पर पड़ा और फिर वह झुलता हुआ फर्श पर स्लिप ले गया। उसके कंठ से कराह निकलने लगी। वह फर्श पर बांड के साथ घिसिटता चला गया। उसके दोनों हाथ इस समय फौलादी दस्ताने में फंसे थे, अतः वह बांड की कलाई पकड़ने में असमर्थ था।

बांड करवट लेता गया।

अचानक उसने एक हाथ का दस्ताना उतार फेंका उसी से उसने बांड की कलाई थाम ली। बांड को ऐसा लगा जैसे किसी लोहे के शिकन्जे में उसकी कलाई फस गई हो।

उसकी चोटी वाली पकड़ क्षण प्रतिक्षण ढीली पड़ती गई।

बांड का दूसरा हाथ उसके दस्ताने वाले हाथ को थामे था।

मगर अब वह अपने को बेहद कमजोर महसूस करने लगा था और फिर उस व्यक्ति की चोटी भी हाथ से निकल गई।

उसने बांड को झटका देकर नीचे गिरा दिया स्वयं उसके सीने पर सवार हो गया। अचानक बांड को उन चाकुओं का ध्यान आया जो उसकी जैकेट के अस्तीन में छिपे थे। वह अब किसी तरह हाथ मुक्त करना चाहता था।

अगर वह दस्ताने वाले हाथ को छोड़ता तो स्थिति खतरनाक हो सकती थी। उसने मजबूती के साथ दस्ताने वाले हाथ को पकड़ रखा था।

उस व्यक्ति ने बांड की कमर को पांवों में बांध लिया। अब उसे निश्चिता थी कि उसका प्रतिद्वंदी पांवों की जकड़ से नहीं निकल सकता।

सचमुच हड्डियां चरमरा गई बांड की।

उसकी आंखों के आगे अन्धेरा छाने लगा।

अचानक ऊपर वाले ने उसकी कलाई छोड़ दी और एक घूंसा उसके चेहरे पर जड़ दिया।

बांड की आंखों में चिन्गारी नाच उठीं।

इसी बीच उसने दस्ताने वाला हाथ छुड़ाकर उठाया।

इधर बांड के दोनों हाथ मुक्त थे।

'हटाक' की हल्की आवाज हुई और दोनों आस्तीनों के चाकू खुलकर हाथों में आये। तब तक उसके कंधे पर दस्ताने वाला हाथ पड़ गया। बांड चीखा और अपना अन्तिम प्रयास उसने चीखते हुये ही कर दिया।

दूसरी भयानक डकार ऊपर वाले व्यक्ति के कंठ से निकली।

खून के फोव्वारे से बांड भीग गया। उसके बड़े पेट से रक्त की दो धारें निकल रही थीं मौत की उस भयानक पीड़ा के समय उसने आखिरी चोट बांड पर की और बांड उस चोट को बर्दास्त नहीं कर सका।

वह अपने प्रतिद्वन्द्वी को समाप्त कर चुका था किन्तु स्वयं को चेतना शून्य होने से नहीं बचा सका। उसके समस्त अंग ढीले पड़ गये।

ऊपर लदा भयानक जीव पीड़ा से कराहता हुआ धीरे-धीरे उठ रहा था। उसके फैले नेत्र शून्य में लगे थे। दोनों हाथों से

वह पेट के दोनों जख्म थामे थे। वह बड़ी कठिनाई से खड़ा हुआ। मौत उसके सामने आ चुकी थी।

मगर वह न जाने किस मिट्टी का था।

जबकि आंते बाहर खिंच आई थीं—ऐसी स्थिति में भी उसका हाथ बड़ी कठिनाई से रिवाल्वर पर रेंग रहा था। जख्म को कलाई दबाने लगी।

हाथ और सरका।

रिवाल्वर निकला।

उसने उसे बान्ड की तरफ मोडने का प्रयास किया मगर शायद वह नहीं होना था, जो वह चाहता था। बेहोश बान्ड को वह गोली नहीं मार सका। गोली छूटी किन्तु वह बान्ड के ऊपर से निकल कर दीवार में धंस गई।

उसके बाद वह लहराकर बान्ड के शरीर पर गिर पड़ा।

अब वह जीवित नहीं था।

दोनों रक्त से नहाये थे।

आंते फर्श पर बिखर रही थीं।

रक्त के लोथड़े जमते जा रहे थे।

और यह दृश्य नाशा अपने रूम में बैठा टेलीविजन पर देख रहा था।

बान्ड को जब होश आया तो वह रस्सीयों से जकड़ा था। उसे एक लोहे की कुर्सी से बान्धा गया था। उसका सारा शरीर

दर्द कर रहा था। रह रह कर आँखों के आगे चिनगारी नाच उठती।

रस्सीयों की जकड़ ने उसका रक्त जमा दिया था।

न जाने वह कितने समय से चेयर पर बंधा था। पिछले द्वन्द युद्ध की कल्पना से वह कांप उठा उस शक्तिशाली इंसान के चंगुल से बचने के बाद अब वह इस स्थिति में था। शायद वह नाशा की कैद में था।

बान्ड की कल्पना बड़ी तेजी के साथ घुम रही थी।

उसने वातावरण का निरीक्षण किया। वह किसी बन्द कमरे में मौजूद था। कमरे का कोई भी मार्ग उसे नजर नहीं आ रहा था।

उसे अब भी याद था कि वह एक गुन्डे के रूप में नाशा के अड्डे पर आया था।

अभी बान्ड यह सोच ही रहा था कि उसके कानों में हल्की सी सरसराहट की ध्वनि पड़ी। उसने निगाह उठाकर उस तरफ देखा, जहाँ से वह ध्वनि आई थी। कमरे में एक आदमकद दरवाजा प्रकट हुआ और भयानक शक्ल का नाशा अंदर दाखिल हुआ।

उसके मुख पर गर्वपूर्ण मुस्कान थी।

नाशा के साथ एक सुन्दर लड़की भी अन्दर आई थी। बान्ड उस लड़की को देखते ही पहिचान गया। यह वही लड़की थी जो प्रथम मुलाकात में उसे होटल के अन्दर टकराई थी। बान्ड उस लड़की को होटल में बेहोश कर आया था। मास्टर किंग के कथनानुसार यह लड़की उसे समाप्त करने गई थी।

बान्ड ने असहनीय पीड़ा के कारण आँखें मूंद लीं।

'मिस्टर जेम्सबान्ड डबल जीरो सेविन...।' नाशा ने इन

शब्दों के साथ भयानक कहकहा लगाया, 'तुम्हारा मेकअप अब समाप्त हो गया है। हमारे आदमी उस गद्दार किग को भी तलाश कर रहे हैं। बहुत जल्द उसे भी तुम यहीं पाओगे, जिसके जरिये तुम नाशा तक पहुंचे हो।

जाहिर हो चुका था कि वह पहिचान लिया गया है।

इस समय उसकी जिन्दगी को खतरा था। वह खामोशी से नाशा को घूरने लगा।

'तुमने मेरे एक शक्तिशाली सेवक को समाप्त किया है। और इस लड़की को भी तुम भूले न होगे। मिस्टर बान्ड—क्या मैं जान सकता हूं कि तुम्हें यह सब करने की क्या आवश्यकता थी। क्या मैं जान सकता हूं कि टोकियो में तुम किस अभिप्राय से आये हो।'

जो बात खुल चुकी है, उसे तुम मेरे मुंह से क्यों कहलवाना चाहता हो—मैंने कोई गलत काम नहीं किया। यदि मैं इस लड़की को बेहोश न करता तो यह मुझे बेहोश कर देती। और अगर मैं तुम्हारे आदमी को समाप्त न करता तो वह मुझे समाप्त कर देता। तब इसमें मेरा क्या दोष है। रहा टोकियो आने का प्रश्न—मेरे ख्याल से तुम वह बात भी जान चुके हो सी० आइ० ए० का एजेन्ट भी उसी होटल में मारा गया।'

ओह''''''तो तुम उस शक्ति को समाप्त करने आये हो, जिसको तलाश करने के लिये आज तक पूरा संसार परेशान है। घबराओ नहीं बान्ड—मैं तुम्हें वहां तक भी पहुंचा दूंगा। यह जानकर तुम्हें आश्चर्य होगा कि वह शक्ति मून एजेन्ट है। शायद तुम अपने आप्रेशन को भूले न होंगे—अपनी तरफ से तुमने कोई कसर नहीं छोड़ी थी, किन्तु उस शक्ति को समाप्त कर पाना आसान नही है बान्ड। आज जापान में नाकासाकी हीरोसिया के खंडर यहां के बच्चे—बच्चे को प्रेरित करते हैं

कि वह खंडर अमेरिका की देन है। मून एजेन्ट जर्मनी शक्ति —तुमसे उसके बारे में कुछ भी छिपा नहीं है। एलास्का के निकट बना अन्तरिक्ष केन्द्र सिर्फ तुम्हारे कारण समाप्त हुआ लेकिन जापान में तुमने मौत को निमन्त्रण दिया है। यहां तो केवल मामूली केन्द्र है बांड। यदि हैडक्वाटर पहुंचना चाहते हो तो सुनो—यह चन्द्रमा की धरती है, जहां मून एजेन्ट का साम्राज्य है।'

बांड का दिमाग घूम रहा था।

वह मून एजेन्ट को भूला नहीं था।

— वह जर्मन वैज्ञानिक, जिसके अन्तरिक्ष केन्द्र को समाप्त करने के लिये बांड मौत के द्वार से अनेक बार गुजरा था। अपने जीवन के उस आप्रेशन को वह भूल भी कैसे सकता था।

डाक्टर वाकरे—जो कि जर्नन वैज्ञानिक था। बांड ने उस का पहला अन्तरिक्ष केन्द्र अपने हाथों से समाप्त किया था। वाकरे कैसे बच निकला—बांड इस समय यही सोच रहा था उसके चेहरे पर परेशानी के भाव अंकित थे।

नाशा उसके सामने खड़ा था।

'आज की रात तुम यहीं आराम करो बांड—मिस रोबी यह शेर आज तुम्हारी निगरानी में रहेगा। इसे कोई तकलीफ न होने पाये। सुबह होते ही इसे रवाना कर दिया जायेगा।

'ओ. के. मिस्टर बांड—गुडनाइट ?

नाशा ने शुभ रात्रि की ओर रोबी को संकेत करता हुआ बाहर चला गया। दरवाजा पुनः बन्द हो गया।

उसके जाने के बाद बांड ने कमरे का निरीक्षण करना प्रारम्भ किया। वह जानता था कि इस कमरे से टेलीविजन सिस्टम अवश्य होगा, जिससे उसकी गतिविधि देखी जा रही होगी।

उसे ऐसा कोई रास्ता भी नजर नहीं आया, जिससे बाहर निकलने की आस लगाई जा सके। वह खामोशी के साथ आंखें मूंदे बैठा रहा।

उसने मुक्त होने का कोई प्रयास नहीं किया।

कभी-कभी उसके चेहरे पर पीड़ा के चिन्ह आ जाते।

समय गुजरता रहा।

बांड को नींद का झोंका आ गया। अचानक किसी आहट से उसकी नींद टूट गई। उसने आंखें झपकाकर देखा। रोबी उसके सामने खड़ी थी उसके हाथों में व्हिस्की की बोतल थी और हाथ में पैग।

मुस्कुराती हुई वह बांड के सामने आ गई।

'क्या तुम व्हिस्की का पैग लोगे।

बांड उसके इन शब्दों का अर्थ न समझ सका।

'मैं एक स्पाई हूं रोबी!' बांड ने शुष्क स्वर में कहा और फिर तुम्हारा बन्दी हूं—ऐसी दशा में मेरी इच्छा की मालकिन तुम हो।'

रोबी खिलखिलाकर हंस पड़ी।

'थोड़ी पीलो डार्लिंग?'

बांड खामोश रहा। उसने अजीब निगाहों से रोबी की आंखों में झांका और फिर गर्दन झुका ली।

रोबी ने शराब उसके चेहरे पर फेंक दी। साथ ही उसने गिलास फर्श पर फेंक दिया।

'तुम्हारा यह गर्व अब कहां गया। रोबी ने कहा साथ ही उसके बालों को पकड़कर हल्का सा झटका दिया।

'रोबी'''।' बांड चीखा, अपनी औकात से बाहर मत निकलो—मैं तुम जैसी लड़की से बात करना भी पसन्द नहीं

करता। मौत से बढ़कर मुझे कोई दे ही क्या सकता है—चली जाओ यहां से...।

'शटअप...'। रोबी चीखी और फिर उसने बांड के गाल पर थप्पड़ रसीद कर दिया। बांड सूनी आंखों से उसे निहारता रहा। रोबी पैर पटकती हुई चली गई। बांड ने एक दीर्घ सांस खींची।

उसके दोनों होंठ सख्ती के साथ भीच गये।

उसकी निगाह बराबर द्वार पर जम गई।

कुछ मिनट बाद दरवाजा पुनः खुला और रोबी पुनः दाखिल हुई। उसके हाथ में इस समय छोटा सा चाकू था उसके मुख पर गम्भीरता के लक्षण थे।

'मिस्टर बांड—तुम किस तरह मरना पसन्द करोगे—यह छोटा चाकू तुम्हारी गर्दन रेतने की क्षमता रखता है। नाशा ने तुम्हारा फैसला मेरे ऊपर छोड़ दिया है।

'तुम मुझे मार सकोगी।'

'क्यों ?'

'इसलिये पूछा है कि संसार की समस्त सुन्दर लड़कियां बांड के नाम से परिचित हैं और कोई भी लड़की बांड को मरता नहीं देख सकती।

'यह तुम्हारा भ्रम है बांड...।'

'तो फिर कोशिश करलो—एक सुन्दर लड़की के हाथों से मर कर सीधा हैविन चला जाऊंगा ...मगर रोबी...।'

'बको...।'

'जब किसी को मौत की सजा दी जाती है तो उससे यह पूछा जाता है—तुम्हारी आखिरी ख्वाहिश क्या है ?

'पूछा जाता है फिर...।'

तुम भी पूछोगी न...।

'मगर तुम्हारी कोई सी ख्वाइश पूरी नहीं होगी।

शायद पूरी हो जाये ?

'तो बको—तुम्हारी आखिरी ख्वाइश क्या है।

'मैंने तुम्हारे' शरीर को अन्दर तक देखा है रोबी, सचमुच उसमें लाल नख खिचाव है चकाचौंध कर देने वाला वह जिस्म किसी को भी अंधा बना सकता है काश तुम उस समय बेहोश न हो गई होती रोबी—उस समय मुझसे भारी भूल हुई मैं जानता हूं रोबी की हर स्पाई अपने मुल्क के लिये प्राण देने में जरा भी नहीं हिचकिचाता फिर मैं जो कुछ करने निकला था वह किसी एक मुल्क का नहीं वरन् सारें संसार का कार्य था

'तुम कहना क्या चाहते हो ?'

यही कि तुम बहुत सुन्दर हो।

रोबी थोड़ा मुस्कराई। उसने अपने सुनहरे बब कट बालों को हल्का सा झटका दिया।

'तो यही तुम्हारी आखिरी ख्वाइश थी।

'ख्वाइश तो मैं अब बताने जा रहा हूं—मरने से पहिले मैं तुम्हारा एक चुम्बन लेना चाहता हूं—देखो रोबी तुम इस ख्वाइश को अच्छी तरह पूरा कर सकती हो।'

'व्हाठ'''?'

'कस—।'

रोबी ने एक बार अपने हाथ के पतले चाकू को देखा और फिर उसकी निगाह बांड की आंखों में देखने लगी। बांड उसके रूप की प्रशंसा पहिले ही कर चुका था और जब निगाहें टकराई तो रोबी को जैसे बांड की ओर से मूक नियन्त्रण मिला।

बांड जानता था इस वक्त रोबी के हाथों में सारा मामिला है।

वह किसी तरह रोबी को पराजित करना चाहता था।

पराजित करने के लिये उसने शक्ति नहीं बल्कि प्यार का

सहारा लिया। इस समय उसकी शक्ति अर्थहीन थी।

क्या तुम मेरी इस ख्वाइश को पूरी नहीं कर सकती बांड का स्वर इस बार रोमांस में डुबा था।

'श्योर···।' रोबी के मुंह से निकला।

उसने बांड के समीप आकर आगे की ओर झुकना प्रारम्भ कर दिया। फिर अपने होंठ आगे सरका दिये। अपलक बांड उस की आंखों को निहारता रहा। उसने महसूस किया कि रोबी बेचैनी से अपने पतले अधर उसके होंठों से रगड़ रही है।

बांड का पूरा शरीर बंधा था।

एक तेज सांस छोड़कर रोबी अलग हट गई।

'हो गई तुम्हारी आखिरी ख्वाइश पूरी। रोबी ने पूछा।'

'अब तुम खुशी से मुझ मार सकती हो—अलविदा बांड ने कहा, मेरे देशवासियों को यह खबर पहुंचा देना कि मरने से पूर्व जेम्स ने मारने वाले का चुम्बन लिया।

इतना कहने के बाद बांड ने नेत्र बन्द कर लिये।

रोबी के होंठों पर मुस्कान आकर विलीन हो गई। उसने चाकू वाला हाथ बांड की गर्दन पर रखा। स्वतः ही वह हाथ गर्दन से फिसलकर नीचे आने लगा।

बांड के नेत्र अब भी बन्द थे।

जैसे उसने खुले रूप में मौत को निमन्त्रण दिया था।

उसने अपने को रोबी के भरोसे छोड़ दिया था।

और रोबी—उसके अधर कांप रहे थे।

जैसे उसके अन्दर इतनी शक्ति नहीं थी कि बांड जैसे शानदार आदमी को समाप्त कर सके।

बांड को उसकी सांसे अपने चेहरे के निकट मंडराते महसूस हुईं।

मन ही मन मुस्कराया बांड।

वह समझ चुका था कि रोबी यह सब कर पाने में असमर्थ है। एक बार बांड ने होंठों के पास गर्माहट महसूस की। शीघ्र ही वह समझ गया कि रोबी के कांपते अधर अब उसके होंठों का रसपान कर रहे हैं।

अचानक बांड चौंका।

एक···दो तीन···।

रस्सी के बन्धन उसी चाकू से कटने लगे। रोबी उसके होंठों का रसपान करती हुई वह सब कुछ कर रही थी।

यह जानती थी, ऐसा करने से भयानक नाशा उसे किसी भी कीमत पर जिन्दा नहीं छोड़ सकता।

वह समझती थी कि मून एजेन्ट वह शक्तिशाली खतरनाक व्यक्ति है। जो इस अपराध की सजा केवल मौत देगा। मून एजेन्ट के ग्रुप में मामूली भूल करने वाले को भी मौत का उपहार मिलता था।

और जब बन्धन कटकर अलग हुये तो···।

बांड के प्यार को मानने के लिये रोबी ने अपने को मरा समझ लिया। न जाने क्यों उसे एक स्पाई के जीवन को बचाने में संसार का सबसे बड़ा सुख मिल रहा था।

उसने आंखें मूंद लीं।

बांड के हाथ अब आजाद थे।

वह कुर्सी से रोबी को वक्ष से सटाये उठ खड़ा हुआ उसने रोबी का भरपूर चुम्बन लिया। उसका एक हाथ रोबी के नाजुक जिस्म को समेटे था और दूसरा हाथ धीरे-धीरे रेंगता हुआ रोबी की कलाई पर जम गया।

बहुत सहज भाव से उसने रोबी की उंगलियों में फंसा चाकू अपने हाथ में ले लिया।

न जाने बांड क्या करने जा रहा था।

रोबी के दोनों हाथ उसकी गर्दन से लिपटे थे उसके नयन प्यासे हो चले। अधखुली आंखों में रोमांस का सागर तैर रहा था। बांड को पाकर वह अपने आपको भूल जाना चाहती थी।

उसे इसका जरा भी अहसास नहीं था कि चाकू लिये बांड का हाथ उसकी गर्दन पर रेंगने लगा है एक पल के लिये बांड की आंखों में चमक आ गई।

चाकू की नोक रोबी की गर्दन पर रेंगने लगी।

आह'''। रोबी ने हल्की सी सिसकी ली।

उसी क्षण चाकू की नोक चुभी'''और'''।

विचित्र था बांड'''।

कंधो से जुडा स्कर्ट का एक किनारा कट गया। बांड का हाथ चाकू लिये फिसला'' दूसरा किनारा भी कट गया।

पीठ की ओर कटा स्कर्ट थोड़ा लटक गया।

बांड का हाथ अब उसकी चिकनी पीठ पर रेंग रहा था। रोबी की सांसों में उत्तेजना का ज्वारभाटा आ गया। बांड से लिपटी वह पागल सी होती जा रही थी।

बांड के हाथ से चाकू छूट चुका था।

पीठ पर स्कर्ट के मध्य चेन फंसी थी। बांड की दो उंगलियों ने झटके के साथ चेन को काफी नीचे तक खींच दिया।

रोबी की स्थिति अब उस केले के समान थी जिससे छिलका उतार दिया जाता है।

सुबह जब नाशा वापिस लौटा तो बांड अपनी जगह बन्दी हालत में मौजूद था। उसके मुख पर वही विषाद के चिन्ह विराजमान थे।

रोबी नाशा के साथ मौजूद थी।

'मिस्टर बांड—तुम्हारे उस उल्लू के पट्ठे साथी का कुछ भी पता नहीं लगा। वह टोकियो से रात ही गायब हो गया है—अब तुम्हें अकेला भेजा जायेगा। मिस रोबी के साथ मेरा एक आदमी भी रहेगा। यह दोनों तुम्हें शिकाकू ले जायेंगे, जहां तुम्हें एक दूसरे ग्रुप के हवाले कर दिया जायेगा। हमारी यह मुलाकात बहुत थोड़े समय की रही।'

'कोई बात नहीं नाशा—फिर मुलाकात हो जायेगी।'

नाशा मुस्कराया।

अब तुम किसी से भी मुलाकात नहीं कर सकोगे मिस्टर बांड ?

'मगर तुम्हें अवश्य मिलूंगा।'

'क्या तुम उस लड़की को साथ ले जाना पसन्द करोगे। वैसे वह काफी अक्लमन्द है—उसने हमारे लिये काम करने का वायदा कर लिया है। मास्टर किंग से वह भी परेशान थी।'

'तुम उसका अचार डाल लेना।' बांड ने उपहास जनक स्वर में कहा।

अधिक बातें नहीं हुईं।

उस इमारत की छत पर ही नाशा का हेलीकाप्टर था। बांड को उसमें बांध दिया गया। एक व्यक्ति बांड के बराबर वाली सीट पर मशीनगन लिये बैठा और रोबी ने पाइलेट सीट संभाली।

नाथा ने उनको विदा किया।

हेलीकाप्टर का इंजिन स्टार्ट हुआ और वह झटके के साथ छत से ऊपर उठता चला गया। कुछ मिनट बाद ही वह दो तीन राउन्ड लेता हुआ एक निश्चित दिशा में अग्रसर होने लगा।

शिकाकू टोकियो से दक्षिण दिशा में पड़ता था।

हेलीकाप्टर वायुमंडल में सामान्य गति से दौड़ने लगा।

बांड के हाथ पीछे की ओर बांधे गये थे। चूंकि बन्धन रोबी ने बांधे थे अतः बांड उन्हें आसानी से खोल सकता था। उसके दिमाग में इस समय शिकाकू का नक्शा घूम रहा था।

यह बात स्पष्ट हो चुकी थी कि शत्रु पक्ष का हेडक्वार्टर शिकाकू के निकटवर्ती क्षेत्रों में है।

रोबी ने योजना पहिले ही बना दी थी। शिकाकू में उसे एक निर्जन समुद्री किनारे पर उतारा जायेगा। उसके बाद स्टीमर द्वारा उसे ले जाया जायेगा। योजना के अनुसार बांड को स्टीमर तक पहुंचने से पहिले ही भाग जाना है।

भागने की तरकीब इस प्रकार थी कि रोबी पर जरा भी संदेह नहीं हो सकता था।

रोबी ने बताया था कि यदि स्टीमर में वह कैद हो गया तो फिर मुक्ति पाना असम्भव है। शिकाकू के घने गुट का संचालन जिस व्यक्ति के हाथ में था उसका पूरा ब्योरा रोबी उसे बता चुकी थी।

बांड को वहीं से अपना कार्य जारी करना था।

उसने एक बार नीचे झांका—दूर तक प्रशांत सागर का विस्तृत एरिया फैला था सागर के बीच छोटे बड़े धब्बे नजर आ रहे थे। जापान के छोटे द्वीप और टापू थे। टोकियो काफी पीछे छूट चुका था।

सहसा रोबी ने बांड को संकेत किया। वह संकेत ऐसा था कि मशीनगन थामे हुये नाशा का गुर्गा नहीं समझ सकता।

संकेत समझते ही बांड ने विलम्ब नहीं किया।

उसके बन्धन खूल गये।

बाज के समान बांड अपने शिकार पर झपटा। इस आकस्मिक वार के लिये वह जापानी तैयार नहीं था। अतः पहिले ही झटके में मशीनगन बांड के हाथों में आ गई।

रोबी ने घबड़ा कर पीछे देखा।

'खबरदार अगर तुम दोनों में से किसी ने हरकत की। बांड ने चेतावनी दी। मगर हेलीकाप्टर में कम जगह होने के कारण वह चूक गया। उस व्यक्ति ने मौत की परवाह किये बिना बांड पर हमला कर दिया। दोनों के हाथों के बीच मशीनगन दबी थी।

बांड ने उसे दोनों पैरों में फांसकर करवट ले ली।

हेलीकाप्टर कुछ दिशा परिवर्तित हुआ।

बांड ने उसे अधिक मौका नहीं दिया। वह जूडो दाव का भयानक लड़ाका था। द्वन्द युद्ध में उससे जीत पाना साधारण इन्सान की बात नहीं थी। उसने मशीनगन के सहारे करवट ली और अपने प्रतिद्वन्दी को दोनों पैरों से उछाल दिया।

झटका बड़ा जबरदस्त था।

दुर्भाग्यवंश हेलीकाप्टर की खिड़की उस समय खुली थी। खिड़की से बाहर उसका धड़ निकल गया पैरों से वह अपना बैलेंस नहीं संभाल पाया। उसके कंठ से डरावनी चीख निकली जो क्षण-प्रतिक्षण मद्धिम पड़ती हुई विलीन हो गई।

उसी समय बिजली की फुर्ती से रोबी ने पैराशूट सहित नीचे छलांग लगा दी।

बांड ने एक पल खिड़की से नीचे झांका। नीचे बहुत दूर

ऊंची-नीची चट्टानों का सिलसिला फैलता चला गया था। गिरने वाले व्यक्ति का कहीं पता नहीं था।

बांड संभला।

हेलीकाप्टर तिरछा होकर भयानक गति से नीचे आ रहा था। तुरन्त बांड ने पायलेट सीट संभाली किन्तु भाग्य शायद उसके विपरीत हो चुका था।

लाख कोशिशों के बाद भी वह हेलीकाप्टर को कंट्रोल नहीं कर सका।

वह तेजी के साथ गिरता जा रहा था।

पीछे धुवें की लकीरें गहन होने लगी थीं।

इस विकट परिस्थिति में बांड के पसीने छूट गये। एक बार कोशिश करने पर हेलीकाप्टर सीधा अवश्य हो गया किन्तु अब उसके इंजिन ने कार्य करना बन्द कर दिया था।

बांड उसे चट्टानी सिलसिलों से कुछ अलग दिशा में ले जाने के लिये सफल हो गया था।

धरती बहुत निकट थी।

हेलीकाप्टर डगमगा रहा था।

बांड ने उसे समतल भाग की ओर ले जाने का प्रयास किया इस समय हेलीकाप्टर लगभग तीस फिट ऊपर था। दूरी कम हुई।

आग की एक लपट देखकर बांड ने हेलीकाप्टर संभालने का यत्न छोड़ दिया और बड़ी फुर्ती के साथ खिड़की से छलांग लगा दी।

वह कुछ ढलुवा भाग में गिरा था। जिसका अन्तिम छोर सीधा सागर का किनारा था। बान्ड उस पर लुढ़कता चला गया। अगर वह संभल कर एक चट्टान को न पकड़ लेता तो न जाने क्या दुर्गति होती।

उसका पूरा शरीर हवा में झूल रहा था।

इसी स्थिति में उसने भयानक विस्फोट का स्वर सुना, जो निश्चित ही हेलीकाप्टर के ध्वस्त होने से हुआ था।

वातावरण में कुछ देर तक गड़गड़ाहट का शोर रहा।

बांड ने नीचे झांका—सागर के पानी में दो मछलियां ऊपर ताक रही थीं। यूं वह मछलियां बड़ी या खतरनाक नहीं थी, फिर बान्ड को उनकी इच्छा पर हंसी आई।

पानी लगभग पन्द्रह फिट नीचे था।

बान्ड को वहां कूदने से कोई खतरा नहीं था, मगर इससे पहिले वह जानना चाहता था कि उस स्थान पर कोई खतरनाक जल जीव तो नहीं है। तत्काल ही यह भ्रम मिट गया।

वह दोनों मछलियां गायब हो चुकी थीं।

अब केवल छोटी मछलियों की कतारें डोलती नजर आ रही थीं।

बान्ड जानता था जहां इस प्रकार की छोटी मछलियां पाई जाती हैं वहां खतरनाक जीव कम ही होता है तुरन्त उसने मुस्करा कर चट्टानी भाग छोड़ दिया।

पानी में एक बार डूबा फिर ऊपर आ गया।

तैरता हुआ वह कुछ दूर नजर आने वाले समतल तट से लग गया। उसने एक नजर आकाश की ओर देखा। कोई विशेष बात नजर नहीं आई।

यह स्थान उसे दूर तक जनरहित लगा। शीघ्र ही उसे मालूम हो गया कि वह कोई छोटा सा टापू है जिसमें दूर तक पत्थरों की जमीन फैली है।

शायद इसीलिये वहां कोई नहीं रहता।

बान्ड कुछ देर तक एक चट्टान पर बैठा सुस्ताता रहा। उसने हेलीकाप्टर को खोजना बेकार समझा और न ही वह

रोबी इत्यादि को तलाश करना चाहता था। उसके सामने अब एक ही कार्य था शिकाकू पहुंचना।

सहसा वह चौंका।

उसे वायुममंडल में घड़घड़ाहट महसूस हुई।

उसने निगाह उठा कर देखा छोटा सा धब्बा उसी दिशा में अग्रसर हो रहा था। शीघ्र ही उसकी आकृति स्पष्ट हुई वह कोई हेलीकाप्टर था। हेलीकाप्टर उत्तरी भाग में बढ़ता हुआ द्वापू के ऊपर आ गया था।

संदेह उपजा'''।

कहीं यह शत्रु पक्ष का हेलीकाप्टर न हो—निश्चित रूप से उन्हें इसकी सूचना मिल चुकी होगी और वह उसको पुनः पकड़ने आये होंगे। बांड ने तुरन्त दो चट्टानों के बीच ढके भाग में शरण ली और उस हेलीकाप्टर की गति विधि देखने लगा।

हेलीकाप्टर काफी नीचे आ गया था।

एक बार उसने उन्हीं चट्टानों के ऊपर से उड़ान भरी। बांड ने स्पष्ट देखा—उसमें केवल एक व्यक्ति बैठा था।

न मशीनगन और न टामी गन।

किसी प्रकार का कोई हथियार नहीं।

उसे जैसे विश्वास हुआ कि हेलीकाप्टर शत्रुओं का नहीं है हो सकता है यह भी कोई अनजाना मित्र हो...इसके जरिये वह भी आसानी से शिकाकू पहुंच जाय।

वह चट्टानों से बाहर निकल गया।

उसने हाथ हिलाना प्रारम्भ किया।

हेलीकाप्टर एक बार मंडराया इस बार वह काफी झुक गया था। बांड इस समय बेहद हर्षित हुआ जब उसने हेलीकाप्टर पाइलेट सीट पर अपने इण्डियन फ्रेन्ड मास्टर किंग को देखा।

है'''मास्टर किंग लैन्ड की हेलीकाप्टर'''। बांड पूरी शक्ति के साथ चिल्लाया।

हेलीकाप्टर से मास्टर किंग ने हाथ हिलाया और फिर बांड ने उसे एक मैदानी भाग में लैन्ड होते देखा।

बांड तेजी के साथ उसकी ओर लपका।

कुछ देर में ही वह हेलीकाप्टर में विराजमान था मास्टर किंग ने मुस्करा कर कन्धे उचकाये और हेलीकाप्टर का इंजिन स्टार्ट कर दिया।

बड़े मौके से पहुंचे हो यार ?

न पहुंचता तो'''।

तो'''। बांड कुछ सोचता हुआ अचानक चौंक कर बोला मगर तुम यहां कैसे पहुंचे'''।

अमां यह कहो कि पहुंच गया वर्ना छटी का दूध याद आ जाता मास्टर इस बार हिन्दी में बड़बड़ाया।

बांड हिन्दी का ज्ञाता नहीं था यह दूसरी बात थी कि टूटे फूटे दो तीन शब्द बोल लेता था।

गाली तो नहीं दे रहे हो। बांड ने पूछा।

नहीं'''। मास्टर हंसकर बोला, वह उल्लू का पट्ठा नाशा है न'''वह तुम्हें भासा देने में सफल तो हो गया मगर मैं उसे उल्टा लटका कर आया हूं। मैं यह समझा था कि उसने तुम्हारा पत्ता साफ कर दिया है गलती से मैं उसकी कार में टाइम बम फिट कर आया हूं। फिर उड़ती खबर मिली कि नाशा हेलीकाप्टर धिकाकू की तरफ रवाना हुआ है। खुटका हो गया बांड'''मुझे क्या मालूम था कि वह बाकायदा तुम्हें इस टापू पर सुरक्षित छोड़ देगा। दस बजे वह नेताओं की मीटिंग में आयेगा और ठीक दस बजने पर मेरा टाइम बम बोल जायेगा। चलो जो गल्ती हुई अब सुधारा नहीं जा सकता'''बेचारा नाशा'''।

क्या मतलब ?

अबे यार मतलब पूछते हो। क्या किलंग लाइसेन्स तुम्हें ही है ब्रिटिश सरकार ने तुम्हें किलिंग लाइसेन्स दिया और मुझे अपने आपने यह लाइसेंस दिया है। क्या समझे...

मास्टर—समझ तो बहुत रहा हूं मगर ।

मगर क्या...?

यह कि तुमने अच्छा नहीं किया।

क्यों...? मास्टर कुछ उखड़ गया।

खैर छोडो अब उसे बचाया भी नहीं जा सकता दस बजने में पांच सैंकिड बाकी हैं।

यार वह तुम्हारी जान लेने को तुला था और हमने बड़े आराम से उसका पत्ता साफ कर दिया। तब इसमें बुराई की क्या बात है ?

यह हेलीकाप्टर क्या तुम्हारा निजी है।

क्यों—यह तुमने किस मकसद से पूछा।

हेलीकाप्टर पर जापानी आर्मी का निशान है।

अगर प्राइवेट आर्मी का निशान लगा रहे तो मास्टर किंग कहीं भी घेर लिया जाये मैं पूरे जापान का हिस्ट्री सीटर हूं—मगरनीबत यह है कि हर पुलिस स्टेशन में मेरी अलग अलग शक्ल है अर्थात मेरी असली सूरत कोई नहीं जानता यह हेली-काप्टर बहुत स्पेशल है अभी यह जापान में है मेरे ऊपर इसलिये इसमें जापानी आर्मी आफीसर का रोगन चढा है इतना ही नहीं जापानी आर्मी आफिसर का नकली आवरण चढ़ा है सारे कागजात मेरे पास हैं मैं इस समय के फ्लाइट लेफ्टीनेन्ट महशूर हूं—पूरे जापान में मेरा यह हेलीकाप्टर कहीं भी बे रोक टोक के जा सकता है यह सब जालसाजी का बहाना न करूं।

बांड तो कोई छोकरी मुझ पर थूकना भी पसन्द नहीं

करेगी खैर छोड़ो व्हिस्की शैम्पियन ?

अब आये तुम मतलब की बात पर···निकालो व्हिस्की···।

मास्टर किंग ने एक थैले की ओर संकेत किया।

बांड ने व्हिस्की की बोतल निकाली।

सोडा बर्फ कुछ नहीं है। किंग बोला जापानी आर्मी के इंसान बिना इन साधनों के पी जाते हैं खासकर मैं तो यह समझता हूं कि सोडा और बर्फ लड़कियां शराब पीते समय इस्तेमाल करती है—ताकि उनके रसीले होंठ लबालब पैमाने से छलकते रहे। एक तरंग सी उनके दिमाग में बिखरी रहे। मिस्टर बांड···।

बांड ने व्हिस्की की बोतल मुंह से सटा ली।

तुम कहते रहो। बांड बोला तुम्हारी बातों में शिकाकू तक का सफर बड़ी आसानी से तय हो जायेगा।

कभी इंडियन गर्ल से पाला पड़ा है।

ना पड़े तो अच्छा है।

इंडियन लेडी के सैंडिल सारे संसार में प्रसिद्ध हैं। बिल्कुल खास लेटी सभ्यता है केवल हम जैसे लोगों के लिये—फिर भी मैंने इंडियन लेडी से प्यार किया था। वह उल्लू की पट्ठी इंडियन होते हुये भी विचारों से योरोपियन थी। मैं इस समय शत-प्रतिशत इंडियन था तुमने कभी लैला मजनू का नाम सुना।

सुना। बांड झोंक में कहता जा रहा था।

मैं उसे पाने के लिये मजनू बन गया था। मगर वह कम्बख्त कतई लैला नहीं बनी उसने क्रास्टन कीलर का रोल अदा किया कइयों को फंसा देने के बाद उसने मुझे भी फंसा देना चाहा मगर मैं ठहरा मजनू ··सुन रहे हो न···

हां···।

नहीं सुन रहे हो।

कैसे जाना ?

अच्छा पहिले यह बताओ मजनू कौन था।

अरे वही तो नहीं जिसने अपनी प्रेमिका के लिये नहर वगैरा खोदी थी।

'धत्त तेरे की'''सत्यानाश।'

'क्या ?'

यार तुम कुछ नहीं जानते—यह नहर तो फरहाद ने खोदी थी।

'तो फिर उसी का भाई होगा।

मास्टर ने तिरछा सा मुंह बनाया जैसे बांड ने उसे भद्दी गाली दे दी हो—बांड उस समय बोतल खाली करके खिड़की से बाहर फेंक चुका था उसने थैले से सिग्रेट केस निकाल लिया वह सिग्रेट निकालने ही जा रहा कि मास्टर की नजर पड़ गई।

हे हे'''बांड'' क्या कर रहे हो ?

'सिग्रेट''।'

'यह स्पेशल ब्रांड है—नम्बर वन'' थ्री छोड़कर चौथी सिग्रेट निकाल कर पियो—पांचवी को मत छूना छटी पी सकते हो'' सातवी गोल करो'''।'

'क्या मतलब ?'

'वह संख्या जो दो से विभाजित होती है, गिनकर उसी संख्या की सिग्रेट पी सकते हो बाकी सिग्रेटों को बनाने में कई कैमिकल और खुराफाती दिमागों का काम है—नम्बर वन पियोगे तो हमेशा को ठण्डे हो जाओगे। थ्री में बिस्फोटक पदार्थ हैं आगे से जलेगी बीच में पहुंचते ही छोटा एरी बूलर फट जायेगा और मेरी गर्दन में घस जायेगा/ यानि सामने वाले का सफाया पांचवा किसी सुन्दर लड़की को पेश करने के लिये है ताकि हजार चक्कर खाकर वह सिग्रेट पेश करने वाले की गोद में लुढ़क जाये सबकी विशेषता नहीं समझाऊंगा—सिग्रेट वही पियो जो दो से विभाजित हो जाये।'

बांड ने चकित होकर सिग्रेट केस खोला।

सभी एक ढंग की सिग्रेट थीं। बीसों सिग्रेट ऊपर नीचे अलग डिजाइन से केस में चुनी थीं। बांड ने चौथी सिग्रेट निकाल कर होठों से लगा ली।

'काफी करामाती सिग्रेट केस है क्या मैं इसे रख सकता हूं।

'किस खुशी में...।'

'बांड ने इसका जवाब नहीं दिया बल्कि केस जेब में रख लिया।'

मास्टर ने चहकना बन्द कर दिया। वह खामोशी से चेहरे का रुख गम्भीर बनाता हुआ सामने का निरीक्षण करने लगा।

सागरीय भाग समाप्त होने जा रहा था।

डाक्टर बाकरे एक गोलाकार मेज के पीछे बिराजमान था भयानक शक्ल का यह डाक्टर एक जर्मन वैज्ञानिक था। जिसने द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी से बहुत बड़ा रोल अदा किया था। यह व्यक्ति अन्तरिक्ष का महान ज्ञाता था। इसी हाल में अमेरिकन आर्मी द्वारा इसका अपहरण कर लिया गया था।

जर्मन तबाह हो गया था।

बदलते समय के अनुसार बाकरे ने अमेरिका की नागरिकता ग्रहण कर ली थी। कुछ अरसे बाद ही यह अमेरिकन वेधशाला का चीफ बन गया था मगर अन्दर ही अन्दर प्रतिशोध की

भावना पनपती रही और बाकरे मून एजेन्ट के रूप में अपना एक ऐसा दल संगठित करता रहा, जिसमें अधिकांश जर्मनी इंसान थे।

उन सबके दिलों में कूट-कूट कर देशभक्ति का पाठ पढ़ाया गया और वह लोग मून एजेन्ट के लिये जान की बाजी लगाने के लिये तैयार हो गये।

संगठन गुप्त रूप से बढ़ता चला गया।

पूरे विश्व में इसके एजेण्ट गुप्त रूप से कार्य करते रहे। इसी प्रकार की विरोधी भावनायें जापान में डाली गईं। वहां के लीडरों को धन और सुन्दरियों के बदौलत खरीदा जाने लगा और फिर नेताओं के मुंह से यही बात निकलने लगी कि अमेरिका जापान का पुराना कट्टर दुश्मन है।

नागासाकी और हीरोसिमा के खंडहरों की गाथा हर नेता अपनी स्पीच में सुनाने लगा।

यह बात छिप नहीं सकती थी।

प्रत्येक राष्ट्र के जासूस अलग अलग देशों में इसी कार्य के लिये रखे जाते हैं।

अचानक यह आग जापान में क्यों फैल रही है इस बात का सार नहीं मिला, परन्तु अमेरिका जापान से सतंक हो गया कुछ एशियाई देश रूस इत्यादि को भी वह अप्रत्यक्ष रूप में अपना विरोधी समझता था जापान और रूस निकटवर्ती देश हैं।

यह बात भी उभरी कि हो सकता है दोनों ही देश मिलकर कोई साजिस करने जा रहे हों उन दोनों देशों को अमेरिका से मिलाने वाला केवल विस्तार प्रशांत महासागर है अतः सागरीय भाग होने के कारण उस ओर से कोई भी खतरा पैदा हो सकता था।

इसी प्रकार की एक जबरदस्त घटना एलास्का द्वीप के निकट घट चुकी थी। चांड ने उस जर्मन संगठन के अड्डे को तोड़ा था। डाक्टर बाकरे वहां से किसी प्रकार बचकर निकल भागा था।

यही खतरनाक मून एजेन्ट अपने विशेष अभिनय से गोल मेज के पीछे बैठा था। उसके हाथों के बीच एक छोटा सफेद डाग बैठा था।

उसकी ऊंगली कुत्ते के सफेद बालों को कुरेद रही थी।

उसके समक्ष एक लम्बा तगड़ा व्यक्ति खड़ा था।

मिस्टर माइकेल। मून एजन्ट के मुंह से बर्फ के समान ठण्डा स्वर निकला।

'यस बास ?'

काल टू नाशा एन्ड रोबी।'

'ओ० के० बास ?'

माइकेल सामने नजर आने वाले दरवाजे में लोप हो गया वह कमरा हाल रूप ग्रहण किये था। माइकल के जाने के बाद उसने बैठे बैठ दो तीन बटन दबाये।

ठीक सामने फर्श हटा, और उसका स्थान शीशे ने ले लिया पारदर्शक शीशे के नीचे जल नजर आ रहा था वह भाग द्वार तक फैला था। शीशे के मौजूद जल ने छोटे तालाब का रूप ग्रहण कर लिया था।

मून एजेण्ट के होठों पर विचित्र जहरीली मुस्कान थी।

कुछ देर बाद जब माइकल लौटा तो उसके साथ भारी भरकम शरीर का नाशा और भयभीत सी रोबी भी मौजूद थी। माइकल इन दोनों के पीछे खड़ा था।

नाशा रोबी के साथ शीशे के फर्श पर चलते हुये मेज के समक्ष आकर रुक गये, उन्होंने झुककर एक साथ अभिवादन किया।

आपने याद किया बास ? नाशा ने कहा ।

याद किया है ।

'क्या हुक्म है बास ?'

मिस्टर नाशा—यह तो आप जानते ही हैं कि हमारे दल का कोई इंसान भूल नहीं कर सकता ।'

'यस बास···मगर···।'

'और यदि किसी से गलती हो जाती है तो···।'

'तो···। नाशा सकपका गया ।

'जवाब दो ।' मून एजेन्ट ने कड़ककर पूछा ।

शक्तिशाली नाशा उसके सामने एक चूहे के समान नजर आ रहा था । मून एजेन्ट की एक कड़ककर आवाज से ही उसके माथे पर पसीना आ गया ।

घबराकर बोला—

'उसकी सजा मौत होती है बास ।'

'शाबास—तुम हमारे असूलों को नहीं भूले हो ।'

एक नजर मून एजेन्ट ने रोबी पर डाली । न जाने क्यों उसकी दृष्टि से कांप गई ।

'मिस रोबी ?'

'ज···जी बास···।' उसने अटकते स्वर में कहा ।

'तुम भयभीत हो ।'

'न···नहीं···बास···मैं···।'

'मैं जानता हूं कि तुम क्यों भयभीत हो ।'

ब···बास···।'

'वासना और प्यार बहुत बुरी चीज होती है-अकसर इंसान इन दो राहों पर पहुंचकर बहक जाता है । बांड एक योरोपियन नौजवान था—हमें उसकी मौत का सख्त अफसोस है । तुमने बताया कि बांड ने अचानक हेलीकाप्टर में तुम्हारे साथी को

मार गिराया था और उचित अवसर देखकर तुम हेलीकाप्टर से कूद गई थीं। बांड हेलीकाप्टर के साथ ही समाप्त हो गया तुम्हारा यह काम प्रशंसनीय था।

मून एजेन्ट कुछ व्यंगपूर्ण हंसी हंसा।

रोबी समझ चुकी। कि मून एजेन्ट को शायद सब कुछ मालूम हो चुका है।

'और नाशा—तुमने रोबी को विश्वास पात्र समझकर बांड के साथ भेजा था—इस दृष्टिकोण से तुम कुछ निर्दोष लगते हो।'

'मगर बांड तो समाप्त हो गया बास।' नाशा बोला।

'तुम जैसे दस आदमी भी जायं तब भी बांड तुम्हारा सबका सफाया करके जीवित रह सकता है। एक नाजुक हसीना उसे दिल दे बैठी मैं यहां बैठा बराबर टेलीविजन पर हेलीकाप्टर का दृश्य देख रहा था—मिस्टर माइकल'''।'

'यस बास।'

'रोबी अब हमारी खास मेहमान है—यूज दा एक्सपैरीमेन्ट नम्बर थ्री'''।'

'ब'''बास''''''? रोबी के कंठ से भयमिश्रित स्वर निकला।'

'डान्टवरी मिस रोबी'''केवल कुछ मिनट का कष्ट होगा।

उधर माइकल रोबी के पीछे आ खड़ा हुआ।

'नाशा तुम जा सकते हो।'

सहम कर नाशा वापिस दरवाजे में चला गया उसी क्षण रोबी के कंठ से चीख निकल गई। माइकल ने उसका स्कर्ट जबरदस्ती उतार दिया था।

कुछ क्षण में ही रोबी को सिर से पांव तक नग्न कर दिया गया। रोबी का शरीर किसी सूखे पते के समान कांप रहा था। वह अपने गुप्तांगो को छिपाने का असफल प्रयास कर रही थी।

'मिस रोबी मून एजेन्ट मुस्कराकर बोला, तुम्हारा यह शरीर ला जवाब खिचाव रखता है। तुम्हारे इस शरीर में एक भूख जागती है, जिसे पूरा करने के लिये तुम सब कुछ कर सकती हो—अब तुम्हारे इस नमकीन जिस्म को कुछ देर तक शार्क मछलियां चाटेंगी—अगर यहां कोई रीछ या गोरिल्ला होता तो मैं तुम्हें उसके हवाले करता—ताकि मरने से पूर्व वह जानवर तुम्हारी इस भूख को भी पूरा कर सकता—अब तुम मुड़कर दरवाजे की तरफ जा सकती हो।'

'नीच कमीने—।' न जाने रोबी में अचानक कहां से शक्ति आ गई वह हांफती हुई चीख रही थी—

'याद रख—अब तेरी मौत आ गई। तुझे संसार की कोई ताकत नहीं बचा सकती। बांड तेरा काल बनकर आयेगा—।

'खामोश—।'

'मैं तुझे जान से मार डालूंगी—।' दांत किटकिटाती हुई रोबी उसकी तरफ झपटी। उसका चेहरा तमतमाया हुआ था वह बिना किसी शस्त्र के सहारे मून एजेन्ट पर झपटी थी।

लेकिन तुरन्त ही चीख निकली—यह चीख रोबी के अलावा किसी की नहीं थी। मेज से टकराते ही वह उलझ गई।

मून एजेन्ट के पैर ने हरकत की।

जिस स्थान पर रोबी गिरी थी, वह भाग झटके के साथ अपने स्थान से सरका और तुरन्त ही यह स्थान पर आ गया।

शीशे के नीचे रोबी उतरती डूबती नजर आ रही थी। उसका मुंह खुला—आंखें फैलने लगीं। जान पड़ता जैसे भयानक पीड़ा से वह चीख रही हो—किन्तु वह आवाज बाहर तक नहीं पहुंच रही थी। एक बार दो शार्क उसके जिस्म से लिपटीं और बारीक खूनी लहर के साथ रोबी का शरीर डूबता चला गया।

अब पानी में केवल बुलबुले नजर आ रहे थे।

मून एजेन्ट अपने स्थान से उठा। उसके चेहरे पर इस क्रिया की जरा भी शिकन नहीं थी। अलबत्ता माइकल ने अवश्य माथे पर रूमाल घुमाया था।

रोबी की कहानी दर्दनाक ढंग से समाप्त हो चुकी थी।

खुंखार भेड़ियों ने उसे मीठी नींद सुला दिया था

'माइकल ?' मून एजेन्ट कह रहा था।' तुम मेरे सबसे विश्वासपात्र और जिम्मेदार व्यक्ति हो—यह काम अब तुम्हें सौंपा जा रहा है—कल तक जेम्सबांड हर हालत में यहां पहुंच जाना चाहिये ध्यान रहे—उसकी सहायता सी० आई० ए० बहुत गुप्त रूप से कर रहा है। जापान मेरे चप्पे-चप्पे पर सी० आई० ए० के एजेन्टों का जाल बिछा चुका है। मुझे ऐसा लगता है—इन लोगों ने इस बार अपना हेडक्वाटर समुद्र के अन्दर रखा है—फिलहाल इस समय तुम्हारा ध्येय बांड को जिन्दा या मुर्दा पकड़ना है। वह निश्चित रूप से शिकागो पहुंच चुका है।'

इतना कहने के उपरान्त मून एजेन्ट 'कमरे के पिछली ओर बने दरवाजे में समा गया।

माइकल ने गर्दन को हल्का सा झटका दिया और हाल से बाहर निकल गया।

बाहर यंत्रों की ध्वनि और अन्य प्रकार की मिश्रित आवाजों का शोर उठ रहा था।

वह लोग अपने कार्यों में लीन थे।

माइकल उन सबको चेक करता हुआ बढ़ रहा था।

बांड होटल पेकांग में ठहरा था। वह एक साधारण किस्म का होटल था। उसमें ठहरने वाले अधिकतर मध्य श्रेणी के लोग होते थे। बांड ने वहां अपना नाम पता भी गलत लिखवाया था।

दिन भर वह शिकाकू की सड़कों का निरीक्षण करता रहा। उसने एक बार सी० आई० ए० से सम्पर्क मिलाया था। यह संदेश उसने ट्रांसमीटर से भेजा था, जो शीघ्र ही ग्रहण कर लिया गया।

सी० आई० ए० से एक सूचना मिली।

सी० आई० ए० हेडक्वार्टर से एक टीम जापान में आ चुकी थी। इस टीम का नेतृत्व एजेन्ट फ्लिट कर रहा था। इनका अड्डा प्रशान्त महासागर में कहीं गुप्त रूप से स्थित था।

बांड ने फिलट से सम्पर्क किया। उसने अपनी स्थिति प्रकट की। संयोगवश वह अड्डा शिकाकू के निकटवर्ती क्षेत्र में मौजूद था। वह एक भारी शिप था, जो किसी प्रसिद्ध व्यापारी के नाम से समुद्री किनारे में लंगर डाले खड़ा था।

जहाज के दो पोर्शन थे।

एक पानी के ऊपर बन्धा दूसरा बहुत गुप्त पानी के नीचे इस निचले भाग को आवश्यकता पड़ने पर पनडुब्बी का रूप भी दिया जा सकता था, जिसके जरिये यह भाग उस जहाज से भी अलग किया जा सकता था।

बांड ने रात्रि के फिलट को होटल पेकांग पहुंचने का आदेश दिया—और ठीक समय पर वह दोनों कमरे में एक दूसरे के समक्ष बैठे थे।

दुबले-पतले शरीर का फ्लिंट बांड से किसी प्रकार कम नहीं था। बांड उसके साथ एक केस में कार्य कर चुका था।

फ्लिंट की आदत बांड से बहुत अंशों तक मिलती थी।

आज की रात हमें एक जुये खाने में जाना है। वह जुआ खाना माइकल नाम के व्यक्ति का है। माइकल एक अंतर-राष्ट्रीय स्मगलर है। उसका डेरा आजकल शिकाकू में।' बांड ने बताया।

'इसका जुआ खाना कहां स्थित है।'

'समुद्री इलाके में...।' उसके बाद बांड ने टोकियो में गुजरी सभी बातें सुना डाली। किस प्रकार वह नाशा तक पहुँचा और फिर रोबी की सहायता से बहुत कुछ जान गया था। माइकल ऐसा व्यक्ति था, जो मून एजेंट का बहुत खास आदमी है।

'क्या यह जरूरी है कि मून एजेंट ही इस कुराफात की जड़ है—चान्द पर जो घटनायें घटी है, उसमें मूनएजेंट का क्या सम्बन्ध हो सकता है'—आखिर वह जीवित कैसे बच गया—वह तो राकेट द्वारा अंतरिक्ष में समा गया था।'

'कोई आवश्यक नहीं कि ऐसा हुआ हो... फिलहाल वास्तविकता क्या है, वह वक्त आते ही मालूम हो जायेगी। वह लोग बड़ी तेजी से मुझे तलाश करेंगे और यह तलाश शिकाकू में ही होगी।'

'इस प्रकार तो माइकल के अडडे पर जाना खतरनाक है।'

'हमें किसी तरह अपने को खतरे में डाल कर इनके अड्डे पहुंचना है। फ्लिंट—मेरे दिमाग में एक योजना है।'

'वह भी बता डालो।'

'वह लोग मेरी सूरत से भली प्रकार परिचित हैं—किसी मेकअप को इस्तेमाल करने का नतीजा भी मुझे मिल चुका है

मास्टर किंग के कहने से मैंने प्रथम बार मेकअप किया था—सो यहीं धोखा खा गया। तुम्हारी शक्ल से अभी कोई परिचित नहीं है—तुम माइकल के अड्डे में जाओगे और मैं बाहरी तौर से तुम्हारी निगरानी करूंगा।'

उचित है।

इस समय दस पैंतीस हो रहे हैं। ग्यारह बजे तुम्हें जुये खाने में दाखिल हो जाना है। मेरे ख्याल से अब हमें चल देना चाहिये।'

बात का क्रम समाप्त हो गया।

दोनों अलग-अलग होटल से बाहर निकले पिलट के पास अपनी कार थी, जो सी० आइ० ए० का ही एक नमूना था।

वह उसी कार पर रवाना हुआ।

बांड ने उसका अनुसरण टैक्सी द्वारा किया।

दोनों कारें आगे-पीछे शिकागो की सड़क पर दौड़ने लगीं कुछ देर में ही वह दोनों कारें समुद्री किनारे की आबादी में दाखिल हो गई। शिकागो का यह इलाका अक्सर रात्रि के समय काफी रौनक लिये रहता था समुद्री किनारे अक्सर तफरीहगाह बन ही जाते हैं। इन किनारों पर हर प्रकार के कुकर्म चलते रहते हैं।

यह संयोग था कि माइकल वाले जुयेखाने के ठीक सामने एक दूसरा भी रेस्टोरेन्ट था—बांड ने अपनी टैक्सी उसी रेस्टोरेन्ट के समीप रोक दी और उस रेस्टोरेन्ट में दाखिल हो गया।

उधर पिलट की कार सीधा जुएखाने के कम्पाउण्ड में ठहरी उसने कार को लाक किया और सदर द्वार की तरफ वह बढ़ गया। एक बार उसने जेब में पड़े रिवाल्वर को टटोला।

बाहरी हाल में सुरीले व भद्दे अट्टहास गूंज रहे थे। वहां किसी प्रकार का जुआ नहीं था।

फ्लिट इस समय माइकल को समीप से परखने आया था अतः उसने मन ही मन एक योजना तैयार कर ली। यह सीधा जुएखाने के उस विशाल हाल में रुका, जहां अलग अलग मेजों पर विभिन्न प्रकार का जुआ जारी था।

उन मेजों के अलावा हाल के चारों तरफ छोटे—बड़े केबिनाकार कमरे भी थे। उनमें भी इस प्रकार के गेम जारी थे।

हाल में शराब और सिग्रेट की मिली जुली दुर्गन्ध थी।

फ्लिट सीधा काउन्टर पर पहुंचा।

काउन्टर पर एक बेढंगे टाइप का व्यक्ति विराजमान था।

'फर्माइये——।' उसने पूछा।

'जी···माइकल···यानिकि बास···।'

'ओह तो यहां उसके यह रंग चल रहे हैं।' फ्लिट ने इस ढंग से कहा जैसे माइकल कभी उसका सेवक रह चुका है।

'तुमने बताया नहीं वह कहां है ?'

'आप बैठिये—मैं तुम्हें फोन पर सूचना देता हूं—आप कहां से तारीफ लाये हैं।'

'हांगकाग से···।'

'आपकी तारीफ क्या बताऊं···।'

'तुम उसे फोन करो—मैं स्वयं बात कर लूंगा।'

काउन्टर मैन ने उस पर निगाह डाली और फोन पर किसी के नम्बर डायल करने लगा फ्लिट के दिमाग में इस समय हांगकांग के प्रसिद्ध स्मगलर एवं मादक द्रव्यों के व्यापारी हेनरी डेविड का नाम घूम रहा था।

माइकल अन्तर्राष्ट्रीय स्मगलर था।

फ्लिट सोच रहा था—निश्चित रूप से माइकल डेविड को जानता होगा।

काउन्टर मैन के नम्बर डायल करने के बाद फोन पर कुछ

कहा और फिर रिसीवर फ्लिट को पकड़ा दिया।

'क्या माइकल मौजूद है ?'

'कौन हो तुम''''''।'

'मैं हेनरी डेविड का साझीदार मोलरे बोल रहा हूं, डेविड ने एक जरूरी काम से तुम्हारे पास भेजा है—आज ही हांगकांग से आया हूं—समय निकालो—मुझे तुमसे बातें करनी है।

'यह तुम किस डेविड के बारे में कह रहे हो ?'

'क्या इतनी जल्दी भूल गये—मेरे ख्याल से माइकल तुम ही हो।'

'हूं मुझसे क्यों मिलना चाहते हो ?'

'हमारा पार्टनर शिकागो में व्यापार करना चाहता है बात बहुत सीक्रट है—एकान्त में बताई जा सकती है। बोलो कहां पहुंचू—।'

'इस वक्त मैं व्यस्त हूं—सुबह आना ?'

'इम्पासिबिल ?'

'क्या मतलब !'

'सुबह टोकियो जा रहा हूं—सोच लो माइकल हांगकांग में मादक द्रव्यों का सबसे बड़ा स्टाक डेविड के पास रहता है। तुम यहां के मुख्य व्यापारी हो।'

'ठीक है—पांच मिनट का समय निकाला जा सकता है—केबिन नम्बर तीन में पहुंचो—वहां लिफ्ट का द्वार मिलेगा—उसी के ज़रिये तुम ऊपर पहुंच सकते हो—मैं इसी समय तुमसे मिल रहा हूं—।'

'ओ० के० ?' फ्लिट ने कहा मैं आ रहा हूं।

इतना कहने के उपरान्त उसने रिसीवर काउन्टर मैन को थमा दिया और मुस्कराता हुआ केबिन नम्बर तीन की तरफ बढ़ गया। मार्ग में वह सोच रहा था कि माइकल ने इतनी

जल्दी कैसे मान लिया। फ्लिट को आशा नहीं थी। कि वह इतनी सरल तरकीब से उसकी तरफ पहुंच जायेगा।

कहीं पर उसके लिये कोई जाल तो नहीं है।

केबिन नम्बर तीन खाली था।

फ्लिट ने उसमें पहुंचते ही सर्वप्रथम बांड को घड़ी के ट्रांसमीटर पर काल किया। मसेज तुरन्त रिसीव हो गया।

'यस बांड स्टेंडिग।'

'मैं माईकिल के पास जा रहा हूं—बड़े हाल से केबिन नम्बर तीन द्वारा लिफ्ट है वही माइकल का मार्ग है स्थिति संदेश जनक है।'

'ठीक है मिलने पर संदेश दो।

फ्लिट ने ट्रांसमीटर आफ कर दिया। और केबिन में नजर आने वाले एक द्वार में प्रविष्ट हो गया। केबिन का द्वार उसने खींचकर बन्द कर दिया।

लिफ्ट ने झटके के साथ अपना स्थान छोड़ दिया।

कुछ देर बाद जब लिफ्ट रुकी तो उसका दरवाजा स्वयं खुल गया। सामने काफी बड़ा कमरा था। फ्लिट उसी में दाखिल हो गया। कमरे में उस समय लाल सूट पहिने दो व्यक्ति खड़े थे।

वह दोनों एक दूसरे दरवाजे के दांयें बांयें खड़े थे।

फ्लिट ने वातावरण पर सरसरी निगाह डाली और उसी दरवाजे की तरफ बढ़ गया।

'क्या माइकल अन्दर है।' उसने पूछा।

'जी हां—वह आपका इंतजार कर रहे हैं।' उनमें से एक बोला।

फ्लिट दरवाजे का पर्दा हटाकर अन्दर दाखिल हो गया।

यह एक गोलाकार कमरा था।

गोलाकार कमरे के मध्य एक गोलाकार मेज थी, उसी मेज के दूसरी तरफ एक लम्बे चेहरे वाला जर्मन व्यक्ति बैठा था। यह माइकल के अलावा कोई नहीं था। मेज की इस ओर तीन लोहे की कुर्सियां पड़ी थीं।

'क्या मैं माइकल से मिलने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा हूं। फिलट ने पूछा।

अवश्य···बैठिये।' उस व्यक्ति के होंठ हिले।

फिलट लोहे की कुर्सी पर बैठ गया। माइकल ने एक सिगार सुलगाया और उसका धुवां फिलट के चेहरे पर छोड़ दिया।

'हूं···तो आप हांग कांग से आये हैं। अपने शब्दों पर अधिक जोर देते हुये माइकल ने कहा।

'हां···मुझे डविड ने भेजा है उचित सौदा करने के लिये।'

जबकि वास्तविकता यह है कि तीन महिने पहले डेविड मेरी गोली का शिकार हो गया था। दूसरी मुख्य बात जो है वह मैं तुम्हें सुना दूं···मगर ठहरो—यह चेयर लोहे की है—मेरी एक उंगली का दबाव तुम्हें नर्क तक पहुंचा सकता है—मैं तुम्हें आदेश देता हूं अपने दोनों हाथ मेज पर रखो···।'

फिलट चौंका।'यह आप कैसा मजाक कर रहें हैं।

'मजाक नहीं है बेटे···मेरी उंगली इस वक्त बटन पर है मैं तीन तक गिनूंगा—तुम हाथ मेज पर नहीं रखोगे तो एक पल में ही जान निकल जायेगी।'

'मिस्टर माइकल !'

'एक ।'

'तुम्हें इस बेहूदी हरकत पर पछताना पड़ेगा।'

'दो···।'

फिलट ने दोनों हाथ मेज पर रख दिये।

'ठीक···। माइकल बोला—मैं तुम्हें अब दूसरा कमाल दिखाता हूं।

माइकल ने दराज से एक छोटा सा स्पीकर निकाला और किसी प्रकार का स्वीच दबाया। उस समय पिलट चकराया जब उसने स्पीकर पर अपनी आवाज को सुना। स्पीकर से निकलने वाली आवाज ट्रांसमीटर द्वारा भेजा गया संदेश था।

मैं नहीं जानता था कि शिकार खुद बखुद जाल में फंस जायेगा—निश्चित रूप से बांड भी आसपास है और अगर मैं गलत नहीं कह रहा हूं तो वह जुएखाने के सामने वाले रेस्टोरेन्ट में होना चाहिये रेस्टोरेन्ट में भी मेरा जाल फैल चुका है तुम दोनों को बिना किसी तकलीफ के डाक्टर बाकरे तक पहुंचा दिया जायेगा। इस बार बाकरे तुम दोनों को हमेशा के लिये इस धरती से मुक्त कर देगा।

पिलट मुस्कराया।

'इरादे तो बहुत नेक हैं मिस्टर माइकल—मैं बहुत दिनों से डाक्टर बाकरे से मिलने के लिये उत्सुक हूं मैं देखना चाहता हूं क्या वह जर्मन चीटा वास्तव में बच गया।'

'उनके बारे में मैं कोई अशोभनीय शब्द नहीं सुनना चाहता।'

'तुम भी जर्मन हो—इसलिये अपनी जाति का ख्याल कर रहे हो वर्ना वास्तविकता यह है कि डाक्टर बाकरे जैसे घृणित व्यक्ति को ऐसी मौत मिलनी चाहिये। जो कई वर्षों तक शरीर में कीड़े पड़वे रहे।

'बकवास मत करो—अब तुम अपनी रिस्ट वाच के ट्रांस-मीटर पर बांड को काल करो—ध्यान रहे जो कुछ मैं बता रहा हू—वही सन्देश तुम्हें बांड को देना होगा। यदि उसके अलावा एक शब्द भी निकाला तो अपना अंजाम तुम स्वयं समझते हो चलो ट्रांसमीटर सम्पर्क करो।

पिलट ने एक सरसरी निगाह वातावरण पर डाली। लेकिन अब कमरे में केवल वह दो ही नहीं थे। बल्कि चार व्यक्ति पिलट

के पीछे जेबों में हाथ डाले मौजूद थे।

फ्लिट उनके भयानक इरादों से परिचित हो चुका था।

बांड को सन्देश दो कि तुम कामयाब हो गये हो—इसी समय माइकल को लेकर रोकस झील पर पहुंच रहे हैं। यह भी बताना कि रोकस झील तक तुम माइकल के साथ हेलीकाप्टर द्वारा जा रहे हो।'

फ्लिट ने घड़ी का ट्रांसमीटर ग्रान किया।

'हैलो बांड ''ग्राइ एम फ्लिट !'

'क्या रिपोर्ट है ?' बांड का स्वर सुनाई दिया।

सुनोगे तो चकरा जाग्रोगे।

उसी समय फ्लिट की पीठ से कोई सख्त वस्तु चुभ गई।

'हां बांड प्यारे—मैं कामयाब हो गया हूं माइकल को लेकर रोकस झील पहुंच रहा हूं।

'मगर कैसे'''ग्रौर क्यों'''?

'बस यही समझ लो हम दोनों एक हेलीकाप्टर द्वारा पहुंच रहे हैं।

'साजिस'''।'

फ्लिट ने ट्रांसमीटर का स्वीच ग्राफ कर दिया।

'ग्रब फर्माइये—यह रोकस झील कहां है।

जहन्नुम में''। माइकल ने गरजकर कर कहा।

'तब ठीक है मुझ तुम्हारे साथ वहां जाने में कोई ग्रापत्ति नहीं।

माइकल ने ग्रपने ग्रादमियों को कुछ संकेत किया। तुरन्त फ्लिट की तलाशी ली गई। उसकी जेबों से सभी वस्तुयें निकाल ली गई। उसके बाद फ्लिट को चार रिवाल्वरों के घेरे में ले लिया गया।

चलो उठो'। माइकल ने ग्रादेश दिया।

फ्लिट कुर्सी छोड़कर उठ खड़ा हुआ। उसे दूसरे दरवाजे की ओर ले जाया गया।

कुछ मिनट बाद ही छत पर खड़े हेलीकाप्टर में बांधकर डाल दिया गया। इस हेलीकाप्टर में स्वयं माइकल बैठा था।

उसके साथ दो व्यक्ति और भी थे।

× × ×

ट्रांसमीटर द्वारा मिलने वाले सन्देश से बांड शंकित हो गया था। फ्लिट ने जो सन्देश दिया था वह उटपटांग था। उसने बांड को संशय में छोड़ दिया था।

बांड रेस्टोरेन्ट से तुरन्त बाहर निकला।

उसे अहसास हुआ जैसे फ्लिट किसी खतरे में फंस गया है। उसने सड़क पर आते ही एक निगाह जुएखाने में डाली। माइकल के अड्डे की सूचना पहिले ही सी० आई० ए० के समुद्री अड्डे में भेज दी गई थी। बांड ने एक और रिपोर्ट तुरन्त भेजी अपनी रिपोर्ट के अनुसार उसने बताया कि वह कुछ मिनट बाद रोकस झील पहुंच रहा है। झील वीराने में स्थित है अतः वहां निश्चित रूप से कोई खतरा मौजूद है।

उसने झील पर गुप्त रूप से घेरा डालने का आदेश दिया।

यदि वह दुश्मनों की चाल थी तो भी वहां बांड को पहुंचना था यदि सचमुच फ्लिट सफल हो गया था, तब वहीं जाना आवश्यक था।

परन्तु इससे पहिले बांड माइकल को तबाह कर देना चाहता था। उसने हेलीकाप्टर की उड़ान भरते देख लिया था।

इस मिशन पर अग्रसर होने का एक ही रास्ता बच गया था।

उसने तुरन्त अपनी क्लीफ प्रणाली इस्तेमाल की।

सड़क पार करते ही वह तेजी के साथ जुएखाने में प्रविष्ट

हो गया। उसने बाहरी हाल का निरीक्षण किया। और फिर तेज कदम रखता हुआ जुयेखाने के बड़े हाल में दाखिल हो गया।

उसने एक बार हाल का निरीक्षण किया।

चार प्रकाश केन्द्र उसे चारों कोनों में नजर आये। बांड स्वीच बोर्ड को तलाश करना चाहता था मगर वह उसे कहीं नजर नहीं आया। वहां अधिक देर रुकना भी खतरे से अधिक खाली नहीं था।

उसकी नजर केबिन नम्बर तीन पर स्थिर हुई।

कदम बढ़े।

केबिन नम्बर तीन के द्वार पर पहुंच कर वह पल भर के लिये रुका और फिर बिजली की फुर्ती से घुम गया। उसके दोनों हाथों में लोडेड रिवाल्वर थे।

'धाय'''धांय'''धांय'''धांय'''।'

लगातार चार दिशाओं में चार फायर प्रकाश स्रोत एक दम टूट गया। हाल में अन्धेरे के साथ ही तेज शोर और भगदड़ की आवाज तेज हुई। बांड ने अपने को कोट आस्तीन झाड़ो। एक लम्बा तार और छोटे से डायनुमा यंत्र को केबिन नम्बर तीन में फिट करने लगा। यह काम वह बहुत चुस्ती के साथ करता रहा।

दो मिनट बाद ही उसने हाल में पहुंच कर ऊंचे स्वर में कहा।

जिसे अपनी जान प्यारी है वह जयेखाने से निकल भागे।

अन्धेरे में एक फायर हुआ। टार्च भी चमकी। लक्ष्य बांड को ही लिया गया था। बांड ने एक मेज की आड लेकर टार्च वाले पर फायर झोंक दिया दर्दनाक चीख के साथ टार्च बूझ गई।

अंधेरे में और भी दबी-दबी चीखें गूंज रही थीं।

बांड दरवाजे की तरफ बढ़ा।

देखते-देखते वह बाहरी हाल में पहुंचा। उसमें पहिले ही भगदड मची थी। बांड वहां भी अपना चमत्कार दिखाने से नहीं चूका।

उसके रिवाल्वर अब बाहरी हाल के बल्बों को तोड़ रहे थे यह कार्य वह अत्यन्त सावधानी के साथ कर रहा था।

इस फायरिंग का यह प्रभाव पड़ा कि अंधेरे में बहुतों के रिवाल्वर आजाद होकर बाहर निकल गये। वहां अंधाधुंध फायरिंग होने लगी।

अपना कार्य समाप्त करके बांड एक लम्बी छलांग लगाकर दरवाजे तक पहुंचा। इस बीच वह किसी कोमल देह से टकरा कर गिरा उसके नीचे एक बारीक चीख गूंजी।

बांड ने फौरन अनुमान लगा लिया कि वह कोई स्त्री है उसके नीचे दब गई है।

जाने अनजाने बांड के बाजू उसके नाजुक जिस्म से लिपट गये।

न जाने कौन थी।

जिस स्थान से चीख उभरी थी—बांड के होंठ उसी जगह झुके—झुक कर उसकी तेज सांसों से टकरा गये। अंधेरे में जैसे कई कोनो में इस वक्त यही हो रहा था। वह भी बांड ऐसे लिपट गई जैसे उसे अंधेरे का प्रियतम मिल गया हो।

बांड ने उसे उसी प्रकार कस कर करवट ली। वह नहीं चाहता था कि कोई गोली उससे टकरा जाये। शायद स्त्री भी यह नहीं चाहती थी कि वह किसी पुरुष जिस्म के ऊपर पड़ी रहे।

उसे भी गोली का खतरा था।

बांड ने तुरन्त महसूस किया—होंठ चिपकाये हुये स्त्री

करवट लेना चाहती है बांड न जाने क्यों मन ही मन मुस्कराया वह स्त्री की इच्छा पूरी करने के बाद पुनः दूसरी करवट ले गया।

यूं दरवाजे की ही तरफ लुढ़क रहा था।

दरवाजे पर टार्च चमकी !

किसी ने ऊंचे स्वर में कुछ कहा मगर हाल की उठकपटक में कुछ भी नहीं सुनाई दिया। बांड ने टार्च वाले का लक्ष्य किया। स्त्री को उसने धीमे स्वर में कुछ कहा और उसे छोड़ कर टार्च वाले पर छलांग लगा गया।

बांड ने कम्पाउन्ड में खड़ी कारों को टटोला।

ग्रह साथ दे रहे थे।

एक कार ओपिन मिली। वह तुरन्त उसी में सवार हो गया। कार जुये खाने के दायरे से बाहर निकल गई। बांड अपने आगे-पीछे काफी सतर्क निगाहों से निरीक्षण कर रहा था।

उसकी कार तीव्र गति से नगर की सड़कों को पार कर रही थी।

माइकल के जुयेखाने में वह टाइम बम फिट कर आया था जिसे पन्द्रह बीस मिनट बाद फट जाना था।

अब वह निश्चित होकर झील की ओर बढ़ रहा था।

नगर की सीमा से बाहर आते ही सड़क सुनसान हो गई।

उसके आगे पीछे कोई कार इत्यादि नहीं थी।

वैसे बांड अब पूरी तरह सचेत था।

शिकाकू से दक्षिण पूर्व में लगभग तीस किलोमीटर दूर एक उजाड़ इलाके में वह झील मौजूद थी। रोकस झील वह पूरा इलाका कहलाता था। वहां ऊंची नीची चट्टानों के बीच एक गन्दी व कीचड़ युक्त जल झील भी मौजूद थी।

किसी जमाने में जापान आर्मी ने उसे शिकाकू का सुरक्षा केन्द्र बनाया था। युद्ध के समय उस झील को बनाया गया था। वहां जमीन के अन्दर गुप्त रूप से जापानी सैनिकों का अड्डा था—ऊपर से वह स्थान इस प्रकार बनाया गया था कि देखने से झील नजर आये। ऊपर कुछ फिट तक उसमें कीचड़ युक्त जल मौजूद रहता था।

किन्तु द्वितीय विश्व युद्ध की भयंकरता की चपेट में वह अड्डा भी आ गया। सैकड़ों की संख्या में जापानी सैनिक उसी अड्डे में शहीद हो गये।

यूं वह जापान का ऐतिहासिक भाग भी बन गया था।

रोकस झील ऐतिहासिक स्थान हो जाने के कारण प्रसिद्ध हो गया था अन्यथा उसमें दूसरी कोई विशेषता नहीं थी वह भाग दूर-दूर तक निर्जन एव खंडहरों से युक्त था।

प्रशान्त सागर का इलाका वहां से लगभग दस किलोमीटर दूर पड़ता था।

बांड की कार कच्ची सड़क पर मुड़कर रुक गई।

उसने कार से उतरकर दूर तक फैले सुनसान इलाके को देखा।

चांद के हल्के साये में वहां धब्बों के रूप में चट्टाने नजर आ रही थीं। वह पैदल ही झील की तरफ बढ़ गया। उसे आशा थी कि सी० आई० ए० ने वहां अपना जाल बिछा दिया होगा। अतः वह इस ओर से निश्चिंत था।

झील के ऊपरी भाग में पहुंचकर वह एक पथरीले भाग में लेट गया। वह एक बार झील के इर्द-गिर्द देखना आवश्यक समझता था। उसने धीरे-धीरे नीचे सरकना शुरु किया।

जाने क्यों बांड को पहिले भी शिकाकू के उस भाग से दिलचस्पी थी। वह जानता था किसी जमाने में झील के नीचे

जापानियों का गुप्त अड्डा बना था।

बांड धीरे-धीरे झील की ओर सरकता रहा।

सहसा वह चौंका। उसे अपने पीछे आहट सी अनुभव हुई।

प्रथम इसके कि वह मुड़ पाता उसके जिस्म पर स्याह वस्तु पड़ी। बांड संभला—उसने उस वस्तु से बचने के लिये छलांग लगाई। मगर यह देखकर उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब वह नीचे पहुंचने के बजाय उसी वस्तु से लटका रह गया।

उसने हाथ पांव तेजी के साथ चलाये।

शीघ्र ही उसे अहसास हो गया कि वह किसी प्रकार का जाल है। जाल में फंसा बांड नीचे की ओर लुढ़कने लगा। उसने अपने आप को मुक्त करना चाहा मगर जाल इतना सख्त पड़ गया था कि अब हाथ पांव हिलाना भी दूभर हो गया।

जाल उसे न जाने अन्धेरी झील के किनारों पर कहां-२ पटकने लगा। बांड ने उस चौड़े भाग में अपने ऊपर एक छोटे आकार की वस्तु मडराती देखी जो झील से कुछ गज ऊपर वायु मंडल में तैर रही थी।

शायद वह किसी प्रकार का हेलीकाप्टर था। जिसका इंजिन भी बे आवाज था। अब जाल में फसा बांड ढलुवा चट्टानों पर लुढ़कने के बजाय झील की सतह पर घूम रहा था।

बांड ने अभी अपनी अनुभव शक्ति नहीं गंवाई थी।

झील की सतह छूते ही उसे अनुभव हो चुका था, कि वहां न तो पानी है और न कीचड़ बल्कि वह कोई धातु है, जिसका ऊपरी भाग बिल्कुल झील के रंग में बदल दिया गया है।

बांड का सन्देह गलत नहीं निकला।

अचानक वह विशाल झील मध्य से दो भागों में विभाजित होने लगी। उत्पन्न हुई दरार फैलती जा रही थी। बांड कभी कभी उस ओर देख लेता। दरार में प्रकाश बढ़ता चला गया—

फिर बांड हवा में चकराता हुआ उसी दरार में डाल दिया गया।

बांड अब नीचे हवा में उतरता जा रहा था। प्रकाश में वह अन्डाकार उड़न तस्तरी भी नजर आई। जो उसे जाल में फसा चुकी थी। वह भी चौड़ी दरार से नीचे आ गई थी।

झील की दरार उसी प्रकार बन्द हो चुकी थी।

सैकडों फिट नीचे बांड देख रहा था—विस्मय से उसकी आंखें फैलती जा रही थीं। वह एक आधुनिक संसार था, जहां सैंकड़ों इसान चलते फिरते नजर आ रहे थे।

ऊंची-नीची क्रेन......।

विशाल प्रयोगशाला......।

मंच पर एक ओर अन्तरिक्ष उडान के लिये खड़ा यान...।

वह जैसे अन्तरिक्ष अनुसधानशाला थी।

बांड धीरे-२ जाल सहित नीचे उतरता जा रहा था। जिस स्थान पर उसे टिकना था, वहां पहिले ही दस आदमी मशीन-गन लिये घेरा बनाकर खड़े हो गये।

जाल जमीन से टिका।

बांड को घेर लिया गया। उससे कुछ कदम अलग वह गोलाकार वस्तु भी रुक गई। उससे उतरने वाला अकेला माइकल था। माइकल ने उतरते ही अपने दसों आदमियों को आदेश दिया और फिर मुस्कराकर बांड को देखता हुआ एक लिफटनुमा कार में सवार हो गया।

लिफटनुमाकार पटरी पर फिसलती हुई तीर की तरह एक दिशा में बढ़ गई।

बांड को जाल सहित एक बड़े बाक्स में रख दिया गया। बाक्स को भी उसी प्रकार की एक कार में रखा एवं दो आदमी कार में बैठने के उपरान्त वह कार भी पटरी पर फिसलती हुई चली गई।

बांड इस अनजाने अड्डे के बारे में सोच रहा था।

वह सोच रहा था—यह कार्य सचमुच बाकरे का है। बाकरे के प्रथम अड्डे में भी उसने ऐसे ही ससार को तोड़ा था।

क्या वह यहां भी विजय पा सकेगा।

बांड इसी पहलू पर गौर कर रहा था।

जो कुछ भी हुआ बांड उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता था। बाकरे से उसकी मुलाकात केवल टेलीविजन यन्त्र पर हुई। उसके बाद बांड के जीवन में एक भयानक पहलू सामने आ गया।

न जाने कैसे मास्टर किंग भी उन लोगों के कब्जे में आ चुका था। बांड ने सिर्फ उसे बन्दी हालत में देखा था—वह कैसे फंसा—यह पूछने का मौका नहीं मिला।

फिलट भी वहीं था।

बांड की पूरी पोशाक उतार दी गई। उसको एक चुस्त झिल्ली में लपेट दिया गया था। वह झिल्ली सर से पांव तक ढकी थी, अतः बांड बाहरी दृश्य देख पाने में असमर्थ था।

उसका शरीर झिल्ली में फंसे फीतों द्वारा बांधा गया था।

कई स्थानों से उसे गुजारा गया।

वास्तविकता तब सामने आई, जब झिल्ली उसके चेहरे से हटाई गई उस कमरे में वह अकेला नहीं था। उसके पास वाली सीटों पर फ्लिंट और मास्टर किंग भी बन्धे थे।

उस गोलाकार कमरे में अजीबोगरीब लाल पीले बल्ब स्पार्क कर रहे थे—सामने ही एक टेलीविजन स्क्रीन था। उसके पास अन्तरिक्ष लिबास में दो व्यक्ति खड़े थे—उनमें से एक को बांड पहिचानता था। वह माइकल था।

'प्रो० के० फ्रेन्डस......।' माइकल बोला, हमारा यह राकिट अब उड़ान के लिये तत्पर है--हम दोनों अपने कक्ष में जा रहे हैं। अब इस धरती से आखिरी विदा ले लो।'

माइकल इतना कह कर चला गया।

दूसरा व्यक्ति भी एक तिलस्म सुराख से रेंग गया।

उधर टेलीविजन पर डाक्टर बाकरे का चेहरा नजर आया

मिस्टर जेम्स बांड--फ्लिट और मास्टर किंग ? तुम तीनों मित्रों को हर्ष होगा कि मैं आज तुम्हें एक साथ चन्द्रमा की धरती पर भेज रहा हूं—जहां तुम मशीन बना दिये जाओगे—ऐसी मशीन जो केवल मेरे इशारों पर चलेगी। तुम्हारे दिमाग में सिर्फ एक बात जगा दी जायेगी, कि तुम बाकरे के गुलाम हो। उसके बाद जेम्स बॉंड ब्रिटिश द्वीप समूह को तबाह करेगा फ्लिट अमरीका राष्ट्र पहुंचेगा—और मास्टर किंग दुनिया की समस्त सुन्दर कन्याओं को चांद तक पहुचाने का कार्य करेगा। चांद एक ऐसा शान्त गृह है—जहां केवल मेरा संकेत चल रहा है। मैं उस सुन्दर धरती को तृतीय विश्व युद्ध का अखाड़ा बनते नही देखना चाहता हूं। तुम्हें अ श्चर्य होगा कि मेरे इस राकेट की जो सेटनं ५ से एक तिहाई है, पृथ्वी का चक्कर काटने कीजरूरत नहीं पड़ेगी—यह सीधा कक्ष की पार करेगा और अन्तरिक्ष में अग्रिम यान को उछाल देगा। इस प्रकार कोई भी अन्तरिक्ष केन्द्र इसे देख पाने में असमर्थ रहेगा। इसकी रेडियाई किरणो में वह विशेषता हैं कि कोई भी केन्द्र इसकी गतिविधि नहीं देख पायेगा। सुनो—सर्व प्रथम रूस ने जब इस प्रकार के अन्तरिक्ष यानो का आविष्कार किया तो उसका नाम स्पुतनिक रखा गया। अमेरिका ने दूसरा नाम सर्वेयर रखा और उसके बाद अपोलो का आविष्कार हुआ। अपोलो ने विश्व इति-

हास में महत्वपूर्ण नाम कमाया और मेरे इस यान का नाम 'अपोलो बिन।' कुछ ही देर में यह तुम तीनों को लेकर पृथ्वी से हजारों किलोमीटर दूर ले जायेगा।

डाक्टर बाकरे का चेहरा स्क्रीन से ओझल हो गया।

बॉड ने विवशता के साथ मास्टर किंग और फ्लिंट को देखा।

'तुम यहां कैसे फंस गये किंग ?'

'तुम्हारे बिना तबियत नहीं लगी सो चला आया—फिल-हाल एक अपनी ही छोकरी ठगा कर गई—यह बाकरे की औलाद क्या सचमुच हमें ऊपर वाले के यहाँ भेज रहा है।'

'एक दिन सभी को वहाँ जाना है।' बॉड ने ठण्डी सांस खींची।

'कोई हत्थकंडा काम नहीं आयेगा।'

फिलहाल तो मौन रहना ही हमारा सबसे बड़ा हत्थकण्डा है। उसके बाद मौन छा गया।

× × ×

बाकरे की निगाह टेलीविजन पर बाहरी दृश्य देख रही थी।

उसे झील के चारों तरफ घेरा पड़ा नजर आया। सैकड़ों की संख्या में अमेरिकन सैनिक झील को घेरे थे। ऊपर दो तीन हेलीकाप्टर तेजी के साथ मंडरा रहे थे।

इस समय अपोलो बिन की सारी तैयारियाँ जारी हो चुकी थी। इस संसार का आसमान अभी खुला नहीं था—अचानक बाकरे के नेत्र फैल गये।

उसने तुरन्त नाशा को आदेश दिया।

'ऊपर अंग मशीनगन फायर खोल दो साथ ही छत हटा दो ध्यान रहे'''हमारे इस अड्डे में प्रवेश करने वाली केवल लाश होनी चाहिये'''।'

इतना कहकर बाहर तेजी के साथ अपना सफेद दाग संभालता हुआ लिफ्ट कार में बैठ गया। कार तेजी के साथ प्रक्षेपण मंच तक पहुंच गई। बाकरे ने उसके लिफ्ट मैनों को संकेत किया।

बाहर से मंडराने वाला खतरा वह देख चुका था।

लिफ्ट द्वारा वह मंच के सबसे ऊपरी भाग में पहुंचा और फिर उस रास्ते से गुजरने लगा जो अपोलो विन तक गया था।

अपोलो विन के दरवाजे में समाने के बाद उसने तुरन्त आदेश प्रसारित कर दिया कि यह उड़ान जारी कर दी जाय। उसने अंतरिक्ष उड़ान का लिबास पहिना और दूसरे कक्षा में समा गया। जहां माइकल अपने साथी के साथ मौजूद था।

उसने माइकल को कुछ आदेश दिये और स्वयं टेलीविजन एवं अन्य प्रकार के यन्त्रों से खेलने लगा। टेलीविजन पर नाशा का चेहरा नजर आया, जिसने अपोलो विन की उड़ान का क्रम जारी कर दिया था।

नम्बर गिने जा रहे थे।

छत खुल चुकी थी।

स्वाभाविक था कि मशीनगनों की नाले गरज उठती उस झील की चट्टानों में नाले उभर गई थी, जिनका सिस्टम अड्डे से था।

अमेरिकन सैनिकों की अनेकों चीखें गूंज उठी। लेकिन अब वह भी सावधान होकर पोजीशन ग्रहण कर चुके थे। फायरिंग दो तरफा चल रही थी। वायुमण्डल में ही हेलीकाप्टरों की संख्या बढ़ती चली गई।

शिकाकू का यह इलाका फायरों की गूंज से कांप उठा।

नम्बर थर्टी तक पहुंच चुके थे।

केवल बीस अंक बाद 'अपोलो विन' सहित वह भयानक

राकेट अंतरिक्ष की ओर दगने वाला था अड्डे के शटर बन्द हो चुके थे।

पक्षेपण का मंच हट चुका था।

बाहर अब कोई इन्सान नहीं था।

सख्या बीस पर आ गई।

पूरे अड्डे में नम्बर गूंज रहे थे।

और जब राकेट दागा गया तो डाक्टर बाकरे ने कक्ष में भयानक ठहाका लगाया।

चारों तरफ गहन धुंवे के बादल फैल गये थे। वह विस्फोट बड़ा भयानक था। उसकी गर्जना से लगा जैसे पृथ्वी में भूकम्प आ गया है।

प्रज्वलित अग्निरेखा छोड़ता हुआ अपोलो विन उठता चला गया। आग की वह लपट भयानक गति से दूर होती चली गई।

उस समय मशीनगन के क्रास फायर बन्द कर दिये गये थे। झील में धूंवे के गुब्बार फैलने लगे थे। ऐसे ही अवसर पर अमेरिकन वीर सैनिक रस्सियां लटकाकर तेजी के साथ अड्डे में कूदने लगे थे। यह क्रम बड़ी तीव्रता के साथ जारी हो चुका था वह सभी अपनी गनों से गोलियों की बौछार करते हुए अड्डे में कूद रहे थे।

राकेट 'अपोलो विन' को पृथ्वी कक्ष के अन्तिम छोर की तरफ ले जा रहा था।

× × ×

टेलीविजन पर डाक्टर बाकरे की आवाज साफ सुनाई दे रही थी।

'मिस्टर बांड !' वह कह रहा था, 'हम पृथ्वी से दो लाख किलोमीटर दूर आ चुके हैं—अगर तुम चाहो तो चन्द्रमा की सुन्दर भूमि अपनी आंखों से देख सकते हो हम इस समय चन्द्र

कक्ष में प्रविष्ट हो रहे हैं। चन्द्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के आधीन होते ही अपोलो विन की रफ्तार बढ़ जायेगी और कुछ होने के बाद ही हमारा विन हमें चन्द्र धरातल पर उतार देगा अमेरिका से कहीं अधिक प्रगतिशील यह यान बिना किसी रुकावट के चांद पर उतरेगा। इसमें न तो कोलम्बीया कक्ष है और न 'चन्द्र कक्ष इगल'। ठीक इसी प्रकार यह समूचा विन चांद पर उतरने की क्षमता रखता है। ठीक इसी प्रकार यह पृथ्वी पर भी उतर सकता है। तुम्हें आश्चर्य होगा बांड यह यान किस स्थान पर लेन्ड करेगा वह जमीन चन्द्रमा की एक ऐसी खाई में है, जिसका ऊपरी भाग कांच नुमा पथरी की भूमि से बन्द कर दिया गया है। खाई के ऊपर यदि उस पर्त को ढक दिया जाय तो खाई कहीं नजर नहीं आयेगी। उस खाई में मेरी छोटी प्रयोग शाला है, जहां इस वक्त भी बीस सुन्दर लड़कियां और पचास जर्मन नौजवान लड़के कार्य कर रहे हैं। खाई का सम्पूर्ण भाग इस प्रकार के यंत्रों से बना है कि वहां पर इन्सान की भारहीनता का आभास होता है और न आक्सीजन की जरूरत पड़ती है। मानव अभी इस रहस्य तक नहीं पहुंच पाया कि चन्द्रमा में भी आक्सीजन मिल सकती है—वहां भी जीवन के लक्षण पैदा किये जा सकते हैं। इस कार्य के लिये हैविन सिटी की प्रथम इमारत अमेरिकन किंग ने सबसे बड़ी सहायता की……और मैंने उस पूरी खाई को ठीक इमारत किंग की तरह बना दिया है। उसमें एक शक्ति शाली रेडियमार्क चुम्बक यंत्र लगा है, जो चन्द्र कक्ष में दाखिल होने वाले प्रत्येक चन्द्रयान को अपने पास खींचने की शक्ति रखता है। अमेरिका का वह अपोलो रेडियाई किरणों से सम्पर्क रखकर ही कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी कमी है—आज सब कुछ सम्भव हो गया है मिस्टर बांड—तुम

देखोगे मेरी यह छोटी दुनिया बहुत जल्द पूरे चांद को वैज्ञानिक स्वर्ग बनायेगी। अब मैं तुम्हें टेलीविजन पर चांद के दृश्य दिखाऊंगा।'

डाक्टर बाकरे की शक्ल टेलीविजन से गायब हो गई।

स्क्रीन पर चांद की धरातल नजर आने लगी।

बांड और उसके साथियों के चेहरों पर मुर्झाहट थी। काफी समय से उन्हें भोजन प्राप्त नहीं हुआ था और न कुर्सियों के ही फीते खुले थे।

चांद की इस जमीन को देखकर उनकी दृष्टि और भी क्षीण पड़ती चली गई।

ऊंचे नीचे गड्ढे···।

चट्टानों का क्रम···।

वीरान खाईयां···।

चांद का दृश्य टेलीविजन पर किसी फिल्म के समान सरक रहा था। बिल्कुल इस प्रकार जैसे वह किसी थियेटर में बैठे हुये फिल्म देख रहे हों।

उसके साथ ही बाकरे प्ले ब्लैक रोल अदा कर रहा था। उसकी आवाज कक्ष में स्पष्ट सुनाई दे रही थी।

'अब मैं तुम्हें उस स्थान पर ले जा रहा हूं—जहां अपोलो-11 के यात्री उतरे थे। एक दृश्य आया—लेकिन अब न तो वहां कोई झंडा था और न अन्य प्रकार के यंत्र जो अमेरिका द्वारा रखे गये थे। वहां उसी प्रकार की वीरानी और मौत का सा मनहूस सन्नाटा था। चांद पर इस समय दिन था अतः वह दृश्य साफ नजर आ रहा था।

'यह शांत सागर है।' बाकरे कहता जा रहा था, अमेरिका ने इसका नाम 'शांत सागर' रखा—और इसे मैंने हमेशा के

लिये वैसा ही शांत बना दिया, जैसा कि पहिले था। नील आर्म स्टांग के कदमों से निशान अब कहीं नहीं हैं--चन्द्रमा की धरती पर अब वही निशान होंगे, जिन्हें बाकरे चाहेगा। अब आओ ...उस ओर जिसे 'तूफानों का सागर' कहा गया है। इन क्रेटरों एवं पत्थरों में वह आवाजें बस गई हैं, जो मानव वायुमन्डल में तैरने के लिये छोड़ देता है। सदियों पूर्व से लेकर अब तक की आवाजें मिश्रित रूप से इस प्रकार प्रति ध्वनित होती है, जैसे प्रेत आत्मा में, ठहाके लगा रही है और अब तो मैंने इस जमीन पर ट्रांसमीटरों एवं टेपरिकार्डरों का जाल फैला दिया है—ताकि हर जहाज...हर पर्वत—चांद की जमीन का जर्रा जर्रा मानव पर ठहाके लगाये...और वहां प्रकृति की वही लीलायें चले, जिसे ईश्वरीय शान्ति माना गया है। मैं ईश्वर नहीं हूं किन्तु बहुत जल्द पृथ्वी का ईश्वर अवश्य बन जाऊंगा।

जापान में उपद्रव मच चुका था।

लगता है जैसे तृतीय विश्व युद्ध की घोषणा हो चुकी है। जापान पर जैट विमान व बम वर्षक यान चकरा रहे थे। यह संसार का मिश्रित प्रयास था।

चप्पे-चप्पे पर अमेरिकन सैनिक फैल चुके थे।

जापानी सरकार को यह घोषणा कर दी गई थी कि यदि विश्व के इस कार्य में विरोध किया गया तो पूरे जापान को खण्डहरों में बदलना पड़ेगा। यह प्रशांत सागर का विशाल टापू हमेशा के लिये समाप्त कर दिया जायेगा।

जापान में बहुत से दल बन चुके थे, जो धीरे-धीरे अमेरिका के विरुद्ध जापानी जनता में आग भड़काते जा रहे थे। अतः उन पर शराफत से काबू नहीं पाया जा सकता था। उनको ठण्डा करने के लिये यही एक मात्र तरीका था।

रेडियो द्वारा यह संदेश प्रसारित कर दिया गया कि साधारण जनता अपने घरों से बाहर न निकले। उनको कोई हानि नहीं पहुंचाई जायेगी। जो भी इन्सान घर से निकलने का साहस करेगा उसकी मौत का जिम्मेवार कोई नहीं होगा।

मार्शल लागू हो चुका था।

असलियत का ज्ञान होते ही जापान सरकार ने खुली अनुमति दे दी कि यदि इस प्रकार का विशाल गिरोह जापान में फैला है तब उसको तोड़ने में यह सहायता करेगी।

संदेह प्रद स्थानों को घेरा गया।

शिकाकू के प्रत्येक मकान को छाया गया।

झील वाला हेडक्वाटंर अमेरिकन आर्मी के कब्जे में आता जा रहा था, मगर उस हेडक्वाटंर में भी इतने वैज्ञानिक साधन उपलब्ध थे कि उसको पूर्णतया कब्जे में लाना कठिन हो गया था।

वहां अचानक विस्फोट होने लगे थे।

यानों का गर्जन उसी भाग में जारी थी। माइक पर आत्म-समर्पण का आदेश दिया जा रहा था। यूं उस अड्डे को एक ही बम से उड़ाया जा सकता था। किन्तु अमेरिका सी० आई० ए० से यह आदेश मिला था कि इस बात का सम्पूर्ण प्रयास किया जाय कि बिना अड्डे को ध्वस्त किये उनको काबू किया जाय—उसी अड्डे में दो प्रमुख एजेन्ट फंसे थे। कम्पार्टमेंट में उनकी जानों को भी खतरा था।

विस्फोटों के कारण धुंवा फैलता गया।

यह कार्य उसी अड्डे से किया गया था।

लगभग छत्तीस घन्टे तक यह कांड जारी रहा। इस दौरान जापान के सभी शहरों में मुर्दानी छाई रही। छत्तीस घन्टे बाद उस अड्डे के उजड़े भाग पर कब्जा कर लिया गया।

मृत इन्सानों की लाशें बिखरी पड़ी थीं।

यह कांड भयानक था।

अड्डे से चन्द जीवित इंसानों को निकाला जा सका—किन्तु संसार के रेडियो केन्द्रों पर यह सूचना मिली कि जीवित इंसानों में बांड और फ्लिंट नहीं हैं—अधिकतर लाशों को पहिचाना भी नहीं जा सकता।

जीवितों में नाशा भी था।

और फिर नाशा को सी० आई० ए० हेडक्वार्टर पहुंचा दिया गया। कई घण्टों तक गूंगेपन का अभिनय करता रहा। अमेरिकन वैज्ञानिक प्रणाली के सामने उसका वह अभिनय अधिक देर तक नहीं चल सका।

नाशा द्वारा असलियत का ज्ञान पाना कठिन नहीं रहा।

जो सूचना उसने दी वह विश्व में हलचल मचाने के लिये काफी थी।

एक नयी उड़ान की तैयारियां जारी होने लगीं।

चांद पर इस प्रकार का अड्डा बन जाने से समस्त विश्व को खतरा पैदा हो गया था। आज वैज्ञानिक युग में टेलीविजन इतना शक्तिशाली हो चुका है कि चांद से किसी भी राष्ट्र की हरकत एवं खुफिया केन्द्रों को देखा जा सकता है।

रेडियाई वेव्स द्वारा विध्वंस कारी तूफान मचाया जा सकता है।

चन्द्रमा से किसी भी राष्ट्र को नष्ट बनाने में अधिक समय नहीं लग सकता।

इन सभी बातों का खतरा उत्पन्न हो चुका था।

यह भी स्पष्ट हो चुका था कि हेड्रोक की अन्तरिक्ष टीम के साथ जो घटना घटी वह डाक्टर बाकरे का चमत्कार था।

'अपोलो विन' उस चौड़ी खाई में गुम हो गया।

कांच युक्त चट्टानों से बनी खाई की छत किसी मैकेनिज्म से सम्बन्ध रखती थी अपोलो विन के खाई में समाते ही वह छत खाई के अन्दर के ऊपर आ गई और अब वही छोटा मैदान बन गया।

चन्द्रमा पर इस समय तापक्रम काफी ऊंचा था।

दूर तक वीरान क्रेटर और ऊंचे नीचे चमकदार पर्वत धूप से सिक रहे थे। जहां तक नजर जाती बाहुरहित चांद सन्नाटे और वीराने में डूबा था।

वहां जीवन के कोई आसार नहीं थे।

चन्द्रमा की यह धरती सदियों से ऐसी ही पड़ी थी।

लेकिन उस खाई में बनी प्रयोगशाला बड़ी विचित्र थी। ऊपरी छत बन्द होते ही वह भाग एयर टाइट हो गया था। उसके बाद चमकदार कांच की दीवारों से हाइड्रोजन एवं आक्सीजन की टिकियों ने उस वातावरण को नया रूप दे दिया था।

यह पूरा भाग एयर कंडीशन बनाया गया था।

वहां नजर आने वाले इंसान किसी प्रकार की गैस सिलेन्डर युक्त पोशाकें नहीं पहिने थे। पूरी खाई में दिन का सा उजाला फैला था।

अपोलो विन मध्य भाग में लैंड हो गया।

वह एक छोटा सा मैदान था··· जिसके चारों तरफ शीशे की दीवारों के कमरे बने थे। उन कमरों में कुछ इन्सान चलते फिरते नजर आ रहे थे।

प्रयोगशाला में चलने वाले यन्त्रों की ध्वनि बहुत धीमी थी।

कुछ भाग स्टेनलैस स्टील जैसी चमकदार धातु से कवर थी।

मैदान के किनारों में कुछ छोटे आकार की उड़न तश्तरियां मौजूद थीं, जिनका रंग लाल ग्लोब जैसा था वह उड़न तश्तरियां

इतनी छोटी थी कि उसमें अधिक से अधिक दो आदमी बैठ सकते थे।

अपोलो बिन से सर्वप्रथम माइकल नीचे उतरा।

जिसके चारों तरफ दस आदमी सावधान मुद्रा में खड़े थे। माइकल ने उन्हें कुछ आदेश दिये और फिर स्वयं मुहाने का द्वार हटा दिया।

डाक्टर बाकरे ने अन्दर से आदेश दिया कि तीनों को स्पेशल वार्ड में पहुंचा दिया जाये।

उस छोटे से संसार में सभी इंसान लाल पोशाकों में लिपटे थे। उनका प्रत्येक कार्य फुर्तीला था। पदों के अनुसार उनके कंधों पर रैंक लगे थे। वहां पुरुष और नारी के बीच कोई भेद नहीं था सुन्दर लड़कियां भी पुरुषों के समान कार्य करर ही थीं।

तीनों बन्दियों को उसी झिल्ली से ढककर उतारा गया।

वह अंधों के समान एक लिफ्ट द्वारा शीशों की राहदारी में ले जाये गये। मैकेनेज्म ढंग से कार्य करने वाले दरवाजे खुलते और बन्द होते जा रहे थे। उस संसार में सभी इन्सान खामोशी के साथ कार्य कर रहे थे।

उन्हे किसी के कार्य से कोई मतलब नहीं था।

सभी अपने कार्यों में व्यस्त थे।

सभी बन्दियों को स्पेशल वार्ड में पहुंचाया गया। वह भाग स्टेनलैस स्टील और एल्यूमीनियम की हल्की किन्तु मजबूत चादरों में बनाया गया था।

एक खाली कमरे में उन्हें कुर्सियों पर जकड़ दिया गया।

बाकी कमरों में छोटे बड़े यन्त्र लगे थे जिन पर कुछ लाल किन्तु डाक्टर नुमा लम्बी पोशाकों में कार्य करते थे।

बन्दियों वाले रूम में अन्तिम इंसान माइकल था। माइकल ने उनके चेहरे की झिल्लियां हटाईं और मुस्कराता हुआ बाहर निकल गया।

उनके चेहरों से खून बहने लगा था।

बांड ने अपने पास बैठे निर्जीव भावपूर्ण चेहरों को देखा। सबसे अधिक सुस्त मास्टर किंग नजर आ रहा था।

'क्या हम सचमुच चांद पर आ गये हैं। मास्टर ने कुछ भय पूर्ण स्वर में कहा।

'शायद।' बांड बोला, 'अब यहां कोई विरोध करना भी बेकार है। यदि हम इस अड्डे से भाग भी निकलते है तो भी मृत के समान हैं। यहां से बाहर निकल कर बाहरी वायुरहित चांद के धरातल पर लोग जीवित रह भी कैसे सकते हैं।

'तब'''।' फ्लिंट ने मुह खोला।

एक ही चारा हैं। बांड ने ठंडी सांस खींचकर कहा, अब डाक्टर बाकरे का साथ देने में ही भलाई है। हम उसी के इस संसार के अंग बन गये हैं—मौत से बेहतर मार्ग एक ही है।'

क्या कह रहे हो बांड'''। हम मर जायेंगे लेकिन इस पिशाच का साथ नहीं देंगे।

'मर कर कौन सा तीर मार लोगे। किंग ने स्यागपूर्ण लहजें में कहा—यही अब किसी प्रकार की जासूसी चलेगी फ्लिंट।

फ्लिंट को शायद क्रोध आ गया।

तुम चुप रहो—मैं तुमसे सलाह मशवरा नहीं कर रहा हूं।

मेरा क्या फ्लिंट ? मास्टर बोला मैं तो हर रंग में जीवे का तरीका जानता हूं मेरे अन्दर इंसानियत और मनुष्यता नहीं है। बाकरे जो भी कहेगा—अब मैं वही करूंगा—मरने से मुझे स्वर्ग भी नहीं मिलने वाला है।

'तुम्हारा दिमाग अपराधी है।'

अच्छी राह पकड़नी चाही तब समाज मेरे साथ दगा कर गया। यहां बीस लड़कियां है और मुझे चाहिये भी क्या जिन्दगी को सबसे बड़ी चीज तो यहां मौजूद है।

बांड इसे समझा दो—अगर मैं बन्धन में न होता तो इस का भेजा फाड़ देता।

शटअप ? मास्टर दहाड़ा तुम मेरा भेजा क्या फाड़ोगे—मास्टर की आंख निकालने वाले की आंख गायब कर दी जाती है। अमेरिकन डाग'''।'

फ्लिट का चेहरा तमतमा गया।

बांड खामोश था।

उसे जैसे इन बातों से कोई दिलचस्पी नहीं थी।

उन तीनों के पावों का भाग आजाद था। अचानक फ्लिट को न जाने क्या सूझी। उसने अपना दांया पैर उठाया और सामने बैठ मास्टर कि जबड़े पर जमा दिया। कुर्सी तो नहीं हिली किन्तु मास्टर की आंखों के आगे अंधेरा छा गया।

उसके होठों से रक्त की पतली धार बह निकली।

मास्टर शायद वह आशा नहीं किये था कि एकाएक फ्लिट उस पर गन्दी स्थिति में भी वार कर देगा। मगर अब क्या हो सकता था फ्लिट के शक्तिशाली वार से उसके जबड़े को हिला दिया।

यू बास्टर्ड ? मास्टर चीखा बांड इस कुत्ते का पिल्ला को को समझा दो मैं इसका रक्त पी जाऊंगा।

फ्लिट ने बांया पैर उठाना चाहा किन्तु मास्टर अब उसकी ओर से अनभिज्ञ नहीं था। उसने एक साथ दोनों पैरों को उठाया फ्लिट के पेट पर जबरदस्त झटका लगा ! वह संभला—इधर मास्टर ने उसकी गर्दन पर कैंची डालनी चाही। फ्लिट ने दोनों पैरों से उसका विरोध करना शुरू कर दिया।

दोनों के चेहरे हिंसक हो चुके थे।

यदि जिस्म का ऊपरी भाग बन्धा न होता तो निश्चित ही दोनों में से एक जीवित बच पाता।

यह तुम लोग क्या कर रहे हो—इस तरह आपस में झगड़ा कर अपने को कमजोर कर रहे हो। बांड ने उन्हें रोकना चाहा।

'चुप रहो बांड ? मास्टर गुरीया' मैं बाकरे का साथ दूंगा। जहां यह जाना चाहता है।

दोनों पैरों से एक दूसरे पर प्रहार कर रहे थे।

पैरों का यह जंग खौफनाक होता चला गया।

तुम मुझे क्या मारोगे सुवर" मैं यहीं तुम्हारा सफाया कर दूंगा। बाकरे का आदमी मेरा दुश्मन है। बहुत जल्द वह भी खत्म हो जायेगा।

इतना कह कर फिलग ने दायें पैर की एडी पर बायें जूते से हरकत की—न जाने दायें बूट की ऐडी के किस भाग को दबोला था कि उससे बारीक धार का चमकीला ब्लेड बाहर निकल गया।

मास्टर के नेत्र भय से फैल गये।

अब वह पूरी शक्ति से दोनों पैरों द्वारा फिलट के दायें पैर को उलझाये था। वह नहीं चाहता कि जिस्म के किसी भी भाग पर ब्लेड का जख्म हो जाये।

सचमुच यह पैरों की लड़ाई खतरनाक हो गई थी।

फिलट का बायां पैर उस पर लगातार आघात कर रहा था। मास्टर हांफने लगा था।

एक बार फिलट ब्लेड का जख्म बनाने में सफल भी हो गया मास्टर के कंठ से हल्की चीख निकल गई। उसके दायें बाजू से रक्त की धार बह निकली थी। जिससे मास्टर की झिल्ली लाल हो गई। फिलट के इरादे काफी भयानक थे। शायद वह दूसरा भी जख्म मार देता तभी माइकल दो सशस्त्र इंसानों सहित कमरे में प्रविष्ठ हो गया।

'ठहरो'''यह झगड़ा बन्द करो । माइकल दहाड़ा ।

दोनों के पैर नीचे गिर गये । माइकल ने फिलट के गाल पर दो थप्पड़ रसीद किये । फिलट केवल बिबिलाकर रह गया । माइकल का विरोध वह नहीं कर सकता था ।

मास्टर हांफता हुआ फिलट को गालियां बक रहा था ।

माइकल ने अपने एक आदमी को संकेत किया ।

वह व्यक्ति मास्टर के फीते खोलने लगा । कुछ ही देर में मास्टर पूरी तरह आजाद हो गया । उसने फिलट की तरफ झपटना चाहा मगर माइकल ने बीच में आकर बाधा डाल दी ।

'हट जाओ माइकल मैं एक पल में इसकी जिन्दगी का फैसला कर सकता हूं । साला जासूस की औलाद ।'

तुम चिन्ता मत करो—इसका फैसला बास स्वयं कर देंगे कल तक यह भी तुम्हारी तरह बास का सेवक बन जायेगा''' चलो इस दरवाजे की तरफ बढ़ो ।

मास्टर आस्तीन से होंठ साफ करता हुआ दरवाजे की तरफ बढ़ रहा था ।

उसके पीछे माइकल के दोनों आदमी गन ताने बढ़ रहे थे । 'अच्छा मित्रों—तुम दोनों यहीं खड़ो । मास्टर काफी बुद्धिमान था ।

इतना कहकर माइकल भी द्वार में समा गया ।

दरवाजा पुनः बन्द हो गया ।

देख लिया बांड—तुम इस उल्लू के पट्ठे को मित्र बनाये हुये थे जरा सी मुसीबत आते ही साथ छोड़ गया । इन अपराध दिमाग वालों का तो एक ही रास्ता है मिलते ही शूट कर दे ।

परिस्थिति ही ऐसी आ गई है पिलट आखिर मौत से हर इंसान डरता है—यहां बचाव के लिये किया भी क्या जा सकता

है। मान लिया हम बाकरे और उसके इस अड्डे को तबाह कर देते तब भी हमें जिन्दगी तो मिलेगी नहीं। मास्टर काफी दूरदर्शी है, वह हमारी तरह मरना नहीं चाहता फिर वह किसी एक राष्ट्र से सम्बन्ध भी तो नहीं रखता। उसे जीना है चाहे किसी तरह जिन्दगी मिले।

इसका मतलब तुम भी '।

फ्लिट—अगर मैं बाकरे का विरोध करूं तो मुझे मार्ग समझाओ— अन्यथा तर्क मत करो।'

'यह तुम्हें क्या हो गया बांड'''क्या तुम मौत से इतने भयभीत हो। तुम यह क्यों नहीं सोचते—यदि हम लोग कुछ करके मर भी गये तो संसार में हमारा नाम अमर रहेगा। हमारी इस कुर्बानी से करोड़ों इन्सानों को जान का खतरा बढ़ जायेगा। यह बात तुम्हारे दिमाग से कैसे निकल गई बांड ?

मैं तुम्हारे विचार की कद्र करता हूं। बस अब मौन हो जाओ। मुझे कुछ सोचने दो कि ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिये। यदि दो एक दिन और इसी प्रकार भूखा रहना पड़ा तब बड़ी भयंकर स्थिति सामने आ जायेगी अभी तो कुछ जान भी है मगर कुछ समय उपरान्त हम जीवित लाश के समान हो जायेंगे।

फिलट मौन हो गया।

पहिली बार उसे आभास हुआ कि वह भूखा है।

और जब किसी भूखे प्यासे को अपनी स्थिति का आभास होता है तो उसकी यह इच्छा और भी बलवती हो जाती है।

फिलट धीरे-धीरे होठों पर जुबान घुमाने लगा।

पहली बार उसे लगा जैसे सचमुच उससे बेहतर मास्टर का जीवन है। वास्तव में वह दूरदर्शी और अक्लमंद है उसने वक्त से समझौता कर लिया और आज के संसार में वही इंसान सफल होता है, जो वक्त से समझौता कर लेता है।

वक्त के विरुद्ध चलने वाला कुचला जाता है।

फिलट दार्शनिक वा फिलास्फर नहीं था अन्यथा वक्त और इंसान की विवशता के बारे में वह बहुत दूर तक की कल्पना कर बैठता।

और कल्पना के अन्तिम छोर पर उसकी आत्मा शायद गवाही देती कि उसे भी मास्टर की तरह अपने को समय के आगे झुका देना चाहिये।

मगर वह बात उसके दिमागसे दूर थी।

मास्टर को दूसरे कमरे में छोड़ दिया गया। तुरन्त ही उसकी भूख का इन्तजाम किया गया। भर पेट खाने के बाद उसकी अक्ल कुछ ठिकाने आई।

यूं वह भी एक गोल कमरे में कैद था।

फर्क सिर्फ इतना आ गया कि अब उसका शरीर फीतों से नहीं बंधा था। पहिनने के लिये अच्छे वस्त्र मिल गये थे। घाव पर भी ड्रेसिंग कर दी गई थी।

आराम के लिये नर्म बिस्तरा था।

स्टील और प्लेटिनियम की चादरों से बने वह कमरे भी अजीब थे। उन सभी का सम्पर्क आक्सीजन की टंकी से था। अतः सांस लेने में कोई भी असुविधा नहीं होती थी।

उस कमरे का एक ही दरवाजा था। जिसका मैकेनिज्म सिस्टम बाहर की ओर था। बन्द होने पर भी दिवार के समान हो जाता था।

समय गुजरता गया।

दिन रात का कुछ भी अनुमान नहीं लगाया जा सकता था। उसे बराबर अच्छा भोजन मिलने लगा था। सिर्फ भोजन

ही नहीं बल्कि एक व्हिस्की भी उसके लिये छोड़ दी गई थी।

मास्टर उसी कमरे में कैद होकर अपनी सेहत बना रहा था। जब दरवाजा खुलता तो माइकल दो आदमियों के साथ आया करता था। मास्टर ने उससे यह इच्छा प्रकट की कि वह डाक्टर बाकरे से बात करना चाहता है।

वह बाकरे की सेवा में जीना चाहता है।

न जाने कितने घण्टों बाद उसकी फर्मायिश पूरी हुई। उसके कथायानुसार यह फर्मायिश तीसरे दिन पूरी हुई थी क्योंकि अब तक उसे दो बार लंच और दो बार डिनर मिल चुका था।

तीसरे दिन जब वह कमरे से बाहर लाया गया तो न जाने क्यों माइकल ने उसे किसी शस्त्र के घेरे में नहीं रखा।

उसे स्टील की राहदारी से गुजार कर एक अजीब गोलाकार कमरे में छोड़ दिया गया कमरे की दिवारों पर विचित्र प्रकार के यन्त्र चल रहे थे। इस समय वहां तीन डाक्टरी लिबास के इन्सान अपने कार्यों में व्यस्त थे। मास्टर को उस कमरे के बीच भाग में छोड़ने के बाद माइकल वापस चला गया।

मास्टर ने हर तरफ निगाह डाली उसे डाक्टर बाकरे कहीं नजर नहीं आया।

वह खामोश खड़ा रहा।

अचानक कमरे में एक द्वार प्रकट हुआ। वह द्वार इतना छोटा था। कि इसान उसमें झुक कर निकल सकता था—मास्टर की निगाह उसी तरफ थी।

'मास्टर किंग...? अचानक एक डाक्टर ने कहा तुम इस दरवाजे में दाखिल हो सकते हो—बास तुम्हारा इन्तजार कर रहे हैं।

मास्टर ने सिर को झटका दिया और झुकता हुआ उसी दरवाजे में प्रविष्ट हो गया। उस दरवाजे से गुजरने के बाद मास्टर छोटे कमरे में पहुंचा। यहां डाक्टर बाकरे एक गोल मेज के पीछे इत्मीनान के साथ कौंच पर धसा था।'

उसके हाथों में अब भी सफेद दाग था।

मास्टर ने तीन बार झुक कर अभिवादन किया फिर वह घुटनों के बल बैठ गया।

'योर एक्सी लेंसी मेरे गुनाहों को माफ कर दें। मैं एक जासूस की बातों में फस कर अपने मार्ग से भटक गया था। एक बार मुझे सेवा का मौका दें—आपके एक संकेत पर मास्टर अपनी जान दे सकता था।

उठो बाकरे का ठन्डा स्वर गूंजा। हमने तुम्हारी परीक्षा पहिले ही ले ली है। तुमने अपने आपसे समझौता कर लिया है बाकरे किसी को अर्थहीन प्राण दंड नहीं देता। तुम्हे क्षमा किया जाता है। बहुत जल्दी तुम्हें ड्यूटी सौंप दी जायेगी। आज तुम माइकल के साथ हमारे इस संसार में भ्रमण कर सकते हो—लेकिन याद रखना हमारे वसूलों में सबसे पहला नियम यह है कि एक छोटी सी गलती की सजा मौत है और फिर हम जानते है कि चांद की जमीन पर सेवक गलती कर भी सकते हैं। इतना कहकर डाक्टर ने मेज की दराज से एक छोटे आकार का पिस्तौल निकाला। बाकरे उसे उंगली में घुमाने लगा।

'यह क्या है ?'

'पिस्तौल है और एक्सीलेंसी।'

'अगर मैं इस पि तौल की गोली तुम्हारे सीने में उतार दूं तो...।

'आपका सेवक हूं योर एक्सी लेंसी—यदि मुझसे दोबारा भूल हो गई तो आप निसंकोच गोली मार सकते हैं।

'हूं—तुमसे भूल हो चुकी है।' अजीब ठण्डे स्वर में बाकरे ने कहा।

मास्टर की समझ में नहीं आया कि उससे क्या भूल हुई है। उसके नेत्रों में हल्का सा भय आकर विलीन हो गया।

क्या मैं जान सकता हूं योर एक्सलेंसी कि मुझसे क्या भूल हुई है?

तुम्हें सिर्फ गोली मारी जायेगी। बाकरे बोला। सीधे खड़े रहो मेरा आदेश है।

आप बेशक गोली मार सकते हैं। मास्टर ने निर्भीक, स्वर में कहा, मैं अपने स्थान से जरा भी नहीं हिलूंगा। अगर सचमुच मुझसे कोई भूल हो गई है तो चलाइये गोली। मैं आंखें बन्द कर लेता हूं।

मास्टर ने सचमुच आंखें बन्द कर लीं।

बाकरे मुस्कराया—उसने मास्टर पर गोली नहीं चलाई। शायद वह परीक्षा ले रहा था।

'आंखें खोलो। उसने आदेश दिया।

मास्टर ने आंखें खोल दीं।

'यह पिस्तौल संभालो—इस पिस्तौल से बुलट की बजाय पतली रेय निकलती है। जिसमें स्टील तक पिघलाने की क्षमता है। यह तुम्हारी सुरक्षा के लिये है।

बाकरे ने पिस्तौल उछाला और इधर मास्टर ने उसे कैच कर लिया। मास्टर ने उसे देखकर जेब के हवाले कर लिया।

अब तुम दरवाजे से बाहर जा सकते हो—आज से तुम मेरे

सेवक हो माइकल तुम्हें समझा देगा।

मास्टर तीन बार अभिवादन करके वापिस मुड़ गया।

बाहरी कमरे में पहुंचते ही। माइकल ने उसका कंधा थप-थपाया फिर दोनों ने तपाक के साथ हाथ मिलाया।

माइकल उसे विभिन्न स्थानों पर ले गया।

जो कुछ माइकल समझाता रहा मास्टर बराबर समझता रहा। इस बीच मास्टर को एक विचित्र बात नजर आई।

उन बीस लड़कियों में सात लड़कियां ऐसी थी। जिन्हें मास्टर भली प्रकार जानता था। जानता ही नहीं बल्कि वह लड़कियां मास्टर के हाथों स्मगल हो चुकी थी। मास्टर की समझ में वह रहस्य अब आ गया कि नाशा को भेंट की जाने वाली वह लड़कियाँ कहां गायब हो गई थीं जिन्हें मास्टर ने उस होटल तक पहुंचाया था, जिसमें वह असिस्टेन्ट मैनेजर के रूप में कार्य कर रहा था।

उन लड़कियों ने केवल उचटती निगाह से मास्टर को देखा उनकी वह दृष्टि भाव हीन थी। मास्टर को लगा जैसे वह सब मशीन हैं युवतियाँ नहीं। उनके अन्दर वह कशिश और अंदाज नहीं थी जो किसी युवती में होती है।

लड़कियों के बीच से गुजरते हुये मास्टर ने माइकल से कहा—

क्या यहां लव करने की इजाजत है।

'नहीं—यह सब युवतियां शादी शुदा है कि इनसे लव केवल इन्हीं का पति कर सकता है यहां ऊंचे पद वालों के लिये विशेष सुविधा है कि उन्हें सुन्दर सी पत्नी बास ने भेंट की है। वह सभी जर्मन वैज्ञानिक हैं।

'ऊं हूं'''शादी से लव का क्या सम्बन्ध'''। मास्टर ने बुरा सा मुंह बनाया।

तुम्हारी आदत से बास परिचित हैं हो सकता है इसकी व्यवस्था कर दें—लेकिन यह तभी होगा जब तुम्हें कुछ दिन दिल लगाकर बास की सेवा करनी होगी।

सो तो हम करेंगे ही यार ?'

मास्टर अब उससे याराना अंदाज से बातें करने लगा था।

माइकल उसे लगभग एक घण्टे तक घुमाता रहा। मास्टर ने एक बन्द कमरे के पांच भागों में अजीब हुलिये के इंसानों को देखा—उनकी स्थिति पागलों के समान हो गई। बढ़ी हुई शेप—लम्बे बाल और फटे वस्त्रों से उन्हें पागलों की ही संज्ञा दी जा सकती थी।

माइकल ने बताया यह अमेरिकन अंतरिक्ष यात्री हैं—अमेरिका ने हेड्रोक की टीम में चार महत्वपूर्ण इंसानों को चांद पर भेजा था उन सभी को यहां कैद कर लिया गया है।

इन पांचों को मौत मंजूर है मगर बास के लिये कार्य करना मंजूर नहीं है बास ने इन्हें पागल स्थिति में रख छोड़ा है यह पांचों बहुत काम के आदमी हैं अतः इन्हें मारा नहीं जा सकता।

पूरा अड्डा घूमने के बाद मास्टर को एक कमरा बता दिया गया। उसे विश्राम के वक्त वहीं रहना था। माइकल ने कहा कि अभी वह तीन दिन आराम करेगा। उसके बाद उपयुक्त काम सौंप दिया जायेगा।

माइकल न उसे कमरे में पहुंचा दिया।

बांड और फ्लिंट के बारे में पूछने से पता लगा वह दोनों अब तक भूखे प्यासे कमरे में कैद हैं—अब उनको कुछ भी सोच पाने की क्षमता नहीं है। वह निर्जीव इंसानों की तरह पड़े हैं।

इस स्थिति में जब वह बेहोश हो जायेंगे तब उनके मस्तिष्क का आपरेशन कर दिया जायेगा। उनके दिमागों में परिवर्तन आ जायेगा उसके बाद जो कुछ उन्हें आदेश दिया जायेगा। वही कार्य दोनों करेंगे।

उसके उपरान्त माइकल चला गया।

बहुत सी जानकारियां मास्टर को मिल चुकी थीं।

फिर भी वह दरवाजों को खोलने मैकेनिज्म नहीं समझ पाया था। माइकल के जाते ही कमरे का दरवाजा पुनः बन्द हो गया।

मास्टर किंग इत्मीनान के साथ बेड पर लेट गया।

उसे अब डिनर की प्रतीक्षा थी।

कुछ समय पश्चात डिनर भी आ गया।

मास्टर किंग डिनर से निवृत होकर बिस्तरे में समा गया। उसके दिमाग में इस अड्डे का पूरा नक्शा घूम रहा था।

डाक्टर बाकरे की निगाह टेलीविजन पर थी। इस समय स्क्रीन पर आप्रेशन रूम का दृश्य था जहां दो स्ट्रेचरों पर बांड और फ्लिट को लिटाया गया था।

आप्रेशन रूम में दो डाक्टर और एक नर्स थी।

बांड और फ्लिट शायद बेहोश थे।

पांच मिनट बाद उनका आप्रेशन प्रारम्भ होने वाला था। बाकरे के होठों पर मुस्कान थी। समय धीरे-धीरे सरक रहा था।

अचानक वह अपनी सीट से उछल पड़ा।

उसने टेलीविजन के दो तीन स्वीचों को दबाया। टेलीविजन के ऊपर लगा लाल बल्ब तेजी के साथ स्पार्क कर रहा था। बाकरे ने जैसे ही दृश्य बदला। साउन्ड बाक्स से ध्वनि उभरी।

मिस्टर मून एजेन्ट इस समय चांद के धरातल पर तीन यान चक्कर काट रहे हैं—बहुत जल्द हम लैन्ड लेने वाले हैं। इन यानों पर कोई रेडियाई चुम्बक का कोई लेश मात्र भी प्रभाव नहीं पड़गा तुम वापिस धरती पर भी नहीं पहुंच सकते तुम्हारे सभी हैडक्वाटंर तोड़ दिये गये।

स्क्रीन पर अंतरिक्ष लिबास मे लिपटा एक चेहरा स्पष्ट नजर आ रहा था।

बाकरे ने तुरन्त दृश्य बदले—सचमुच चांद के धरातल पर तीन यान धीरे धीरे मडरा रहे थे। शायद वह बाकरे के अड्डे को तलाश कर रहे थे।

बाकरे ने तुरन्त प्रत्येक भाग में अपने आदेश दोहरा दिये अड्डे के अन्दर तुरन्त कार्यवाहियां जारी होने लगीं।

एक बार उसने पुनः बांड वाले रूम का दृश्य देखना चाहा—उसी क्षण उसके नेत्र आश्चर्य से फैल गये।

बांड और फ्लिट की जगह दोनों डाक्टर मृत पड़े थे। साथ ही वह नर्स भी औंधें मुंह फर्श पर पड़ी थी। बांड और फ्लिट का कहीं पता नहीं था।

बाकरे अपनी सीट से उठ खड़ा हुआ।

उसने तुरन्त अड्डे में खतरे का अलामं बजा दिया था। उसके माथे पर पसीने की दो एक बूंद चमकने लगी थी।

× × ×

सचमुच मास्टर ने बड़ा शानदार अभिनय किया था। उसने पूरी तरह बाकरे के धड़ का अध्ययन करने के बाद अपना कदम उस समय उठाया, जब बाकरे ने माइकल को ऊपर मंडराने वाले तीन यानों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

उसी समय मास्टर आप्रेशन रूम की तरफ बढ़ा।

माइकल अपने चन्द साथियों के साथ बाहरी मैदान में खड़ी उड़न तश्तरियों में सवार हो गया था। चूंकि उस वक्त कुछ बदहवासी सी फैली थी, अतः मास्टर का करिश्मा कोई चेक नहीं कर पाया।

आप्रेशन रूम में पहुंचते ही उसने तीनों इंसानों को बिना किसी वार्निंग के ठण्डा कर दिया और तेजी के साथ एक-एक इंजेक्शन बांड और फ्लिट की बाजुओं में लगा दिया।

मगर वैसा नहीं था, जैसा मास्टर ने सोचा था।

बांड और फ्लिट बेहोश नहीं थे। वह तुरन्त उठ खड़े हुए मास्टर ने उन्हें खोई शक्ति वापिस लाने के लिये दो कैप्सूल पकड़ाये जो वहीं अलमारी में रखे थे।

चाहें दोनों जासूस कितने ही कमजोर क्यों न हो गये हों—मगर ऐसे वक्त पर साधारण इन्सान भी कुछ कर गुजरता है—फिर भूखे रहकर भी कार्य करने की ट्रेनिंग उन्हें दी गई थी।

वह संसार प्रसिद्ध जासूस थे।

आप्रेशन रूम से बाहर निकलते ही मास्टर आगे बढ़ा।

उसके हाथ में मशीनगन थी। उस समय राहदारी सूनी पड़ी थी। मास्टर उन्हें एक ऐसे कमरे में ले गया, जहां अन्तरिक्ष लिबास व आधुनिक ढंग के गैस सिलेण्डर एकत्रित थे।

दरवाजे पर दो व्यक्ति मुस्तैद थे।

बिना सोचे समझे मास्टर की मशीनगन गरज उठी। वह

फायरों की गूंज से राहदारी की भगदड़ रोकने के लिये पोजीशन ले गया और बांड ने दरवाजे के अन्दर छलांग लगाई। अन्दर चार इन्सान शस्त्र सम्भाल कर बाहर की तरफ दौड़े थे, जिनमें से दो बांड ने समेट लिये।

बौखला कर बचे दो इन्सान पलटे।

उनकी गन ने आग उगल दी। बांड पहिले ही उन दोनों की गर्दन बाजुओं में दबोचकर करवट ले चुका था। परिणाम यह हुआ कि उनके साथियों द्वारा छोड़ी गई मशीनगन की गोलियों से दोनों की चीखें निकल पड़ी।

अगली बार फिलट ने सम्भाला।

दोबारा फायर करने का अवसर नहीं मिला। फिलट ने एक की गन पर हाथ मारा था और दूसरे के पेट पर लात। लात खाया व्यक्ति फर्श पर गिरा।

गन तब तक फिलट छीन नहीं पाया था किन्तु विपक्षी को बाजुओं में समेट कर उसने टर्न लिया और ट्रिगर पर उंगली जमा दी।

फर्श पर गिरने वाले के चेहरे पर गोलियों के सुराख ने क्रास बना दिया। चौथे को समाप्त करना अब उसके लिए मुश्किल नहीं था।

बाहर भी गोलियां गरज रही थीं।

बाहरी हमले पर मास्टर रुकावट डाले था।

वह दोनों तुरन्त अन्तरिक्ष पोशाक पहिनने लगे। स्टोर में हर प्रकार के गैस सिलेण्डर थे। उन दोनों ने ऐसे दो सिलेण्डर को लिया, जिससे वह शून्य अन्तरिक्ष में तैर भी सके। वह जानते थे बाहर निकलते ही हर प्रकार की कठिनाई सामने आ सकती है।

अपना दिमाग ठीक करने के बाद वह गन सम्भाल कर दरवाजे की आड़ में आ गये।

'कमऑन मास्टर !' बांड ने कहा।

मास्टर लेटा-२ अन्दर रेंग गया। बांड और फ्लिट ने तुरन्त लेट कर पोजीशन ली। वह राहदारी के दूसरे छोर से होने वाली फायरिंग का जवाब देने लगे।

मास्टर ने पोशाक पहनी।

राहदारी में मोड़ आ जाने के कारण विपक्षियों की संख्या नजर नहीं आ रही थी। केवल गनों की नाल चमकती और बिना किसी लक्ष्य के फायर हो जाता।

मास्टर ने जब पोशाक पहन ली तो उसने आगे की ओर रेंगना प्रारम्भ किया। यहां के मार्गों से वही परिचित था।

वह काफी सावधानी से फायर रोक कर पेट के बल दिवार से चिपके सरकने लगे। उनकी नजरें रह-रह कर मोड़ पर उभरने वाली नालों पर जमी थी।

इस बात से वह पूरी तरह सतर्क थे कि कोई गोली उनके चेहरे से न टकरा जाय। अन्तरिक्ष लिबास के भारी होने से उन्हें रेंगने में थोड़ी बहुत दिक्कत महसूस हो रही थी।

अचानक मोड़ पर एक चेहरा धीरे-२ उभरा शायद इधर से फायर बन्द होने का परिणाम था। उस चेहरे की शामत आई। पहिले ही क्षण एक साथ तीन गोलियों ने उसमें सुराख बना दिये। दर्दनाक डकार के कारण वह राहदारी में उतर गया

अब वह भी मोड़ पर थे।

बांड ने दूसरी ओर झांकने के लिये धीरे-२ फेस को उभारना प्रारम्भ किया। फिर फुर्ती से पीछे हटा लिया। फायर हुआ किन्तु गोली उसके चेहरे से नहीं टकराई। वह एक निगाह में ही तीन इन्सानों को देख चुका था, जो एक दरवाजे की की आड़ से फायर कर रहे थे।

एकाएक पिलट ने चमत्कार दिखाया।

सर्व प्रथम उसने उजाला बिखेरने वाले प्रकाश पूर्ण दायरों को तोड़ना प्रारम्भ किया, जो स्टेनलेस स्टील की छत पर लगे थे।

अन्धेरा हुआ।

इधर मास्टर ने लुढ़कन दाँव लगाहा।

वह फर्श पर कई करवट लेकर राहदारी के उस पार पहुंचा साथ ही उसने गोलियों की बाढ़ सी फेंक दी।

बांड ने उसके ऊपर से कवरिंग फायर स्कीम चला दी।

फिर पिलट ने दूसरे मोड़ के प्रकाश स्रोत का मुंह तोड़ दिया।

तीनों अपने कामों में सफल हुये। उनको रोकने वाले तीन इंसान इस घपले से बदहवास होकर भागे और परिणाम स्वरूप उन्हें लड़खड़ा कर गिरना पड़ा।

वह तीनों तेजी के साथ भागे।

अचानक उन्हें अहसास हुआ जैसे पूरे अड्डे में भूकम्प आ गया है। एक जबरदस्त विस्फोट हुआ और फिर गड़गड़ाहट का तीव्र शोर।

अब वह मैदान वाले भाग में पहुंच चुके थे।

ऊपर धुवें के गुब्बारों के साथ कुछ कांच और पत्थरों के टुकड़े खाई में गिरने लगे। उन तीनों ने फुर्ती के साथ उस ओर छलांग लगाई जहां वो उड़न तश्तरी लैंड था।

मैदान में चीख पुकार और भगदड़ मची थी।

डर था कहीं आक्सीजन और हाइड्रोजन की बड़ी टंकियां न फट जाय। अब वह स्थान एयर टाइट भी नहीं आ रहा था। ऊपरी भाग खुल जाने के कारण पूरी खाई चन्द्रमा के वातावरण से मिल गई थी।

बांड ने एयर पम्प लिया और धुवें की पर्तों में खोता चला था। मास्टर और पिलट ने मशीनगन से गोलियों की बौछार कर दी।

अब स्थिति ऐसी थी जिसे जिधर स्थान मिल रहा था—भागने की कोशिश कर रहा था।

मैदान में केवल दो उडन तश्तरियां थी, जिनमें से एक धुयें की पर्तों में उठने लगी थी। बॉड ने अवसर देखकर एयर फ्लाइट जम्प उसी पर लगाया था—वह उड़न तश्तरी का द्वार पकड़ने में सफल हो गया था।

प्रथम इसके कि दरवाजा बन्द हो पाता वह तेजी के साथ चिपकता हुआ अन्दर लुढ़क गया।

उधर मास्टर की नजर न जाने कैसे एक लड़की पर पड़ी, जो दूसरी उड़न तश्तरी की तरफ बदहवास चीखती हुई भागी थी।

मास्टर ने एयर फ्लाइट जम्प लिया। लड़की बिना मास्क के कारण पहिले ही लड़खड़ा कर गिर पड़ी। उसके ऊपर एक कोष का पत्थर गिरने आ रहा था, तभी मास्टर ने उसे खींच लिया।

वह मास्टर की जानी पहिचानी शक्ल थी।

इधर वह भयभीत हिरनी के समान मास्टर से लिपटी तभी दूसरा विस्फोट हुआ। मास्टर ने घूमकर देखा फ्लिट अपने स्थान से गायब था। उसने अधिक देर नहीं लगाई तुरन्त लड़की को सीने से चिपकाया और गैस सिलेण्डर का स्वीच आन करते हुये ऊपर की ओर जम्प लिया।

वायु रहित वातावरण और सिलेन्डर के प्रभाव से वह खाईं में पक्षी की तरह उड़ता चला गया। छत पर अब भी विस्फोट जारी थे। इधर अड्डे में भी खिन्नवशता का तूफान आ गया था।

धांय और धांय···। विस्फोट और विस्फोट ··?

मौत का भयानक खेल जारी हो गया था। चांद का यह हंगामा बड़ा विचित्र था। मास्टर अब उड़ता हुआ ऊपर पहुंचा

तो उसने चाँद के आसमान पर तीन यान और कुछ उड़न तश्त-रियों का जंग देखा।

उनकी जंगी गर्जना भयंकर थी।

चन्द्रमा का यह समतल मैदान खण्डहरों में बदलता जा रहा था।

दो उड़न तश्तरियाँ ध्वस्त होकर मैदान में जल रही थीं।

मास्टर उनकी चपेट से विपरीत दिशा की ओर उड़ता चला गया। काफी दूर निकलने के बाद उसने एक चट्टान की आड़ में पैर जमाये।

वह लड़की अब बेहोश हो चुकी थी।

इधर बांड जब उड़न तश्तरी में लुढका था तो उसे जानी पहचानी शक्ल नजर आई। उड़न तश्तरी को कंट्रोल करने वाला बाकरे था।

शायद वह भाग निकलना चाहता था।

मगर मौत के रूप में बांड उसके सम्मुख पहुंच गया। बाकरे मशीनरी कंट्रोल करने में लगा था और बाज के समान बांड उस पर झपट पड़ा।

उड़न तश्तरी खाई से बाहर आकर डगमगाने लगी।

दोनों एक दूसरे के रक्त के प्यासे थे—अतः स्वाभाविक था कि उड़न तश्तरी अनियन्त्रित हो जाती।

बाकरे शक्ति में किसी प्रकार भी कमजोर नहीं था।

उसके शरीर पर अन्तरिक्ष पोशाक नहीं थी। इसीलिये शक्ति में बांड उससे ढीला पड़ गया।

उस छोटे से गोल कमरे में युद्ध जारी था।

बांड के हाथ से मशीनगन उसी समय छूट गई थी, जब वह उड़न तश्तरी में प्रविष्ट हुआ था। वह दोनों हाथों से सख्ती के साथ बाकरे का गला दबाता जा रहा था।

अचानक उड़न तश्तरी से अजीब गूंज पैदा हुई।

उसकी सुइयां कांपने लगी।

बाकरे ने घबड़ाकर उस तरफ देखा—खतरे के इस आशय को बांड भी परख गया था।

सहसा बाकरे ने बांड को झटका दिया और उसके साथ ऊपर नीचे लुढ़कता हुआ उड़न तश्तरी के बन्द द्वार तक पहुंच गया। उसने पैर से कोई स्वीच दबाया और तुरन्त द्वार खुला।

अजीब द्वन्द्व युद्ध में वह दोनों लिपटे हुये थे।

बांड उसे किसी कीमत पर छोड़ने के लिये तैयार नहीं था। अचानक उसने बाकरे को पांवों और हाथों में फंसाकर द्वार से बाहर स्लिप लगाई। वह दोनों चांद के वातावरण में काफी दूर तक उड़ते चले गये!

उड़न तश्तरी में भयानक विस्फोट हो चुका था।

बांड ने एक हाथ सिलेण्डर पर रखा और ऊपर की ओर शरीर को झटके देने लगा। काफी ऊंचा उड़ जाने के बाद उसने हांफते हुये बाकरे के शरीर को छोड़ दिया।

बेचारा बाकरे चीख भी नहीं सका।

बस उसके हाथ पांव फैले और सैकड़ों फिट दायें बायें चकराता हुआ उसका जिस्म एक अन्धेरे गार में समाता चला गया।

बांड ने वायुमण्डल का निरीक्षण किया। काफी दूर उसे फ्लिट उसी प्रकार हवा में एक इन्सान के साथ जंग करता नजर आया। वह इन्सान भी अन्तरिक्ष लिबास में था।

लेकिन उसके पहुंचने से पूर्व फ्लिट अपने प्रतिद्वन्द्वी को निर्जीव कर चुका था। निर्जीव लाश जो कि माइकल की थी, नीचे उड़ती चली गई।

बांड ने फ्लिट का हाथ थामा।

वह चन्द्रमा के धरातल पर उसी प्रकार चकराते हुये विभिन्न

कोणों से उड़ने लगा। अब नीचे उस खाई में विप्लवकारी विस्फोट हो रहे थे। चट्टानें आसमान की ओर उड़ रही थीं।

रह-रहकर धुयें के गुब्बार वातावरण में फैल जाते।

लगभग एक घण्टे बाद......।

उन दोनों ने मास्टर को भी तलाश कर लिया।

तीनों एक साथ उड़े—मास्टर ने अब भी उस बेहोश लड़की को गोद में उठा रखा था। एक यान के इर्द-गिर्द चकराने के बाद उन्हें अन्दर ले लिया गया।

वह यान स्थिर होकर पुनः गतिमान हो गया।

आये हुये तीन चन्द्रयानों में एक ध्वस्त हो चुका था।

इन तीनों को तुरन्त एक कक्ष में लगे कोंचों पर लिटा दिया गया। वह यान अमेरिकन था, जिसका कोलम्बिया पार्ट अब भी चन्द्र कक्ष में मंडरा रहा था। उसने एक निश्चित दिशा की ओर गति पकड़ ली।

टेलीविजनों पर पृथ्वी अन्तरिक्ष केन्द्रों में सफलता की सूचना भेज दी गई।

चन्द्रमा पर अब भी भयानक आवाजों का शोर उठ रहा था—जैसे यह दिन प्रलय का दिन......वह आवाजें चन्द्रमा के पत्थरों में बस गई ध्वनि थी, जो इस विध्वंसता के कारण और भी भयानक ठहाकों के रूप में सुनाई दे रही थी।

—समाप्त—

यह सब काल्पनिक है।

आपके जाने माने सस्पेंस लेखनी के जादूगर परशुराम शर्मा की यह कृति 'चांद पर हंगामा' एक ऐसा एडवेंचर लिये है जो आपको चांद के विरान धरातल पर ले जायेगा।

अल्पना पॉकेट बुक्स
चाणक्यपुरी मेरठ कैन्ट